राष्ट्रीय संस्करण

पुलिस की छवि को बदलें नए अफसर : मोदी >>3

वर्ष 5 अंक 52

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 1 अगस्त, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

चक्का फेंक में छा गईं कमलप्रीत कौर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: टोक्यो ओलिंपिक में शनिवार को एथलेटिक्स की महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कमलप्रीत कौर ने फाइनल में पहुंचकर भारत की पदक की उम्मीद का दिया जलाए रखा। भारतीय महिला हाकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली 4-3 की जीत में हैट्रिक लेकर इतिहास रचा, जबकि महिला हाकी टीम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

चक्का फेंक में कमलप्रीत ने तीसरे प्रयास में 64 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफिकेशन दौर में दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों पूल में 31 खिलाड़ियों को मिलाकर वह सिर्फ अमेरिका की वालारी आलमैन से पीछे दूसरे स्थान पर रहीं, जिन्होंने 66.42 मीटर का थ्रो फेंका। ऐसे में कमलप्रीत के पदक जीतने की संभावना काफी मजबूत हुई है। हालांकि, डिस्कस थ्रो में अनुभवी सीमा पूनिया अपने पूल में छठे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गईं। एक अन्य भारतीय एथलीट श्रीशंकर लंबी कूद में ओवरआल 25वें स्थान पर रहते हुए फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

(संबंधित खबरें पेज-12 पर)

- क्वालीफाइंग दौर में दूसरे स्थान पर रहते हुए किया फाइनल में प्रवेश

टोक्यो ओलिंपिक

- महिला हाकी टीम क्वार्टर फाइनल में, वंदना कटारिया की ऐतिहासिक हैट्रिक
- शटलर पीवी सिंधू सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की ताई जु से हारीं। अब कांस्य के लिए लड़ेंगी
- मुक्केबाज अमित पंघाल (52 किग्रा) के प्री-क्वार्टर फाइनल में हारे, तीरंदाजी में अतानु ने किया निराश, निशानेबाजी में अंजुम और तेजस्विनी चूकीं

हाकी को पुराना गौरव वापस दिलाने उतरेगी मनप्रीत की सेना

नई दिल्ली : टोक्यो ओलिंपिक में अब सबकी नजरें रविवार को होने वाले पुरुष हाकी टीम के क्वार्टर फाइनल पर लगी होंगी, जहां मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम के कंधों पर भारतीय हाकी को उसका पुराना गौरव वापस दिलाने की जिम्मेदारी होगी। ओलिंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम ने 1980 के अपना अंतिम स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद से उसका पदक जीतना तो दूर, बल्कि अंतिम चार में जगह बनाना भी दूभर हो गया। अब जब मनप्रीत की सेना क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा चार दशक बाद सेमीफाइनल में पहुंचने का होगा, ताकि वह पदक की दौड़ में खुद को बनाए रखे।

किसान आंदोलन के चलते अदाणी ग्रुप ने लाजिस्टिक्स पार्क बंद किया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

किसान आंदोलन की वजह से अदाणी ग्रुप ने लुधियाना के किला रायपुर स्थित अपने लाजिस्टिक्स पार्क को बंद कर दिया है। इस साल जनवरी से कंपनी के इनलैंड कंटेनर डिपो (आइसीडी) के मुख्य द्वार पर किसान धरने पर बैठे थे। इस वजह से कामकाज ठप हो गया था। धरने पर बैठे किसान कर्मचारियों को भी अंदर नहीं जाने दे रहे थे। किसानों को हटाने के संबंध में प्रबंधन ने पंजाब सरकार से कई बार आग्रह किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद प्रबंधन ने पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट के आदेश के बावजूद सरकारी अधिकारी किसानों की नाकाबंदी हटाने में पूरी तरह से विफल रहे।

सूत्रों के मुताबिक, लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने से प्रत्यक्ष रूप से 400 लोगों तो परोक्ष रूप से 1,000 से अधिक लोगों के सामने रोजगार का संकट उत्पन्न हो जाएगा। साथ ही 700 करोड़ रुपये के कर राजस्व का नुकसान होगा। वहीं, इससे पंजाब से होने वाले निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। अदाणी समूह की तरफ से पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल कर कहा गया है कि पिछले सात महीनों में कोई भी राहत नहीं मिलने से वह अब और नुकसान उठाने की स्थिति में नहीं है। उल्लेखनीय है कि अदाणी ग्रुप ने पंजाब के औद्योगिक माल की आवाजाही को आसान करने के लिए किला रायपुर में आइसीडी की शुरुआत 2017 में की थी। समूह ने आइसीडी के संचालन को बंद करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से अपने साइनबोर्ड को भी हटा दिया है।

(संबंधित समाचार पेज-5 पर)

400 लोगों की प्रत्यक्ष रूप से नौकरी जाएगी

700 करोड़ रुपये के कर राजस्व का नुकसान होगा

अदाणी ग्रुप के किला रायपुर में बनाए गए मल्टी माडल लाजिस्टिक पार्क का अंदरूनी भाग। इंटरनेट मीडिया

रविवार विशेष

पौध बचाने को किसानों ने अपनाई अनूठी तरकीब

ग्वालियर : खेतों में भरा पानी निकालने को मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के किसानों ने विज्ञान का सहारा लिया। धान की पौध बचाई और धरती को पानी भी लौटाया।

(पेज-10)

जज हत्याकांड की होगी सीबीआइ जांच

रांची : झारखंड सरकार ने न्यायाधीश उत्तम आनंद की मौत मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने का निर्णय लिया गया है। शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सीबीआइ जांच की अनुशंसा कर दी है। इसके पहले मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया था। न्यायाधीश की सरेआम हत्या पर झारखंड हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गंभीर है। राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। (पेज 5)

बहुसंख्यकों के धर्म परिवर्तन से कमजोर होता है देश : हाई कोर्ट

खरी बात ▸ इलाहाबाद हाई कोर्ट ने विवाह के लिए धर्मांतरण के मामले में की तल्ख टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी मर्जी से धर्म अपनाने व पसंद का विवाह करने की आजादी देता है। इस पर कोई वैधानिक रोक नहीं है। संविधान सबको सम्मान से जीने का भी अधिकार देता है। सम्मान के लिए लोग घर छोड़ देते हैं, धर्म बदल लेते हैं। धर्म के ठेकेदारों को अपने में सुधार लाना चाहिए, क्योंकि बहुसंख्यकों (बहुल नागरिकों) के धर्म बदलने से देश कमजोर होता है। विघटनकारी शक्तियों को इसका लाभ मिलता है।

न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की पीठ ने इच्छा के विरुद्ध झूठ बोल कर धर्मांतरण करा के निकाह करने वाले जावेद उर्फ जाविद अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया है कि उससे सादे व उर्दू में लिखे कागज पर दस्तखत कराए गए। जाविद पहले से विवाहित था, उसने झूठ बोला और धर्म बदलवाया। बयान के समय भी पीड़िता डरी सहमी दिखी। वहीं, याची का कहना था कि दोनों बालिग हैं। उन्होंने अपनी मर्जी से धर्म बदलकर विवाह किया है और धर्मांतरण कानून लागू होने से पहले ही धर्म बदल लिया गया था। दूसरी तरफ पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि वह 17 नवंबर, 2020 शाम पांच बजे एटा के जलेसर बाजार गई थी। वहीं कुछ लोगों ने जबरन उसे गाड़ी में डाल लिया। दूसरे दिन जब कुछ होश आया तो खुद को वकीलों की भीड़ में कड़कड़डूमा कोर्ट में पाया। वहीं कागजों पर दस्तखत लिए गए। 18 नवंबर को धर्मांतरण कराया गया फिर कई जगहों पर ले जाया गया। 28 नवंबर को निकाह कराया गया। इस बीच मौका मिलने पर उसने पुलिस को बुलाया तो 22 दिसंबर को पीड़िता को पुलिस ने बरामद किया।

- अपहरण, षड्यंत्र व धर्मांतरण के आरोपित की जमानत अर्जी खारिज
- पीड़िता से सादे व उर्दू में लिखे कागज पर कराए गए थे दस्तखत

हाई कोर्ट की टिप्पणी

इतिहास गवाह है कि हम बंटे, देश पर आक्रमण हुआ और हम गुलाम हुए। सुप्रीम कोर्ट ने भी धर्म को जीवन शैली माना है। कहा गया है कि आस्था व विश्वास को बांधा नहीं जा सकता। इसमें कट्टरता, भय या लालच का कोई स्थान नहीं है। कोर्ट ने कहा कि विवाह एक पवित्र संस्कार है। विवाह के लिए धर्म बदलना शून्य व स्वीकार्य नहीं हो सकता।

लोग डर, भय, लालच में धर्म नहीं बदलते, बल्कि उपेक्षा, अपमान के कारण स्वत: धर्म परिवर्तन करते हैं कि दूसरे धर्म में सम्मान मिलेगा। संविधान सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है। घर में उपेक्षा से लोग घर छोड़ देते है। धर्म में सम्मान न मिलने से धर्म बदल देते हैं। उन्हें पूरा अधिकार है, धर्म बदलने का। धर्म के ठेकेदार जो जातीय अपमान करते हैं, अपने अंदर सुधार लाएं।

बाबुल सुप्रियो का राजनीति से संन्यास, सांसद पद भी छोड़ेंगे

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल के आसनसोल से भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने शनिवार को राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर दिया। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में अपने 'मन की बात' साझा करते हुए लिखा-अलविदा! राजनीति में सिर्फ समाजसेवा के लिए आए थे। अब अपनी राह बदलने का फैसला लिया है। पूर्व पर्यावरण राज्यमंत्री बाबुल ने यह भी कहा है कि उनके इस फैसले (पार्टी छोड़ने) का संबंध मंत्रिमंडल से हटाए जाने से है।

बाबुल ने पोस्ट में लिखा-लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में रहने की ही जरूरत नहीं है। वह राजनीति से अलग होकर भी अपने इस उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। हालांकि, उनकी तरफ से पोस्ट में पहले यह भी कहा गया कि वह हमेशा से भाजपा का हिस्सा रहे हैं और रहेंगे, किसी और दल में नहीं जाएंगे। इस बात पर जोर दिया गया कि वह तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस, माकपा में शामिल नहीं होंगे, लेकिन कुछ ही देर बाद उन्होंने पोस्ट में बदलाव करते हुए भाजपा में बने रहने और दूसरी पार्टी में नहीं जाने की बात को हटा दिया। ऐसे में उनके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। नई पोस्ट में उन्होंने यह भी लिखा कि वह सांसद पद से भी इस्तीफा दे देंगे और एक महीने के अंदर सरकारी आवास भी छोड़ देंगे। ज्ञात हो, पिछले दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद से ही बाबुल खफा थे।

पार्टी से थे कुछ मतभेद : बाबुल ने यह भी लिखा है कि पार्टी के साथ मेरे कुछ मतभेद थे। ये बातें विधानसभा चुनाव से पहले ही सामने आ चुकी थीं। चुनाव में हार के बारे में कहा कि मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं,लेकिन दूसरे नेता भी जिम्मेदार हैं।

- फेसबुक पर लिखी 'मन की बात', कहा- समाज सेवा के लिए राजनीति में आया था, मंत्री पद से हटाए जाने को बताया पार्टी छोड़ने का कारण

बाबुल सुप्रियो। फाइल

पहले ही पार्टी छोड़ना चाहते थे पेज>>4

जुलाई में रिकार्ड 13 करोड़ लगे टीके

नीलू रंजन, नई दिल्ली

इस साल के अंत तक 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना का टीका लगाने के लक्ष्य की तरफ सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। जुलाई में रिकार्ड 13 करोड़ टीके लगाए गए हैं। जून में भी कोरोना रोधी वैक्सीन की करीब 12 करोड़ डोज लगाई गई थीं। वैक्सीन का उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ अगस्त से टीकाकरण की रफ्तार और भी बढ़ने की उम्मीद है। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पहले ही अगस्त में वैक्सीन की 15 करोड़ डोज मुहैया कराने की जानकारी दे दी। उसे पूरा भरोसा है कि दिसंबर तक सभी पात्र 94 करोड़ लोगों का टीकाकरण हो जाएगा। देश में इस साल 16 जनवरी से टीकाकरण शुरू हुआ था।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैक्सीन के उत्पादन में वृद्धि के अनुपात में ही टीकाकरण की रफ्तार भी बढ़ रही है। अप्रैल की तुलना में मई में कम डोज लगने के बारे में उन्होंने कहा कि एक मई से राज्यों और निजी क्षेत्र के लिए 25-25 फीसद डोज खरीदने का प्रविधान किया गया था, जबकि 50 फीसद डोज केंद्र सरकार खरीदकर सप्लाई कर रही थी। राज्यों की वैक्सीन खरीद प्रक्रिया के सुचारू रूप से नहीं चलने के कारण सप्लाई बाधित हुई और कम मात्रा में डोज उपलब्ध हो सकीं।

रणनीति बदली तो बढ़ी रफ्तार : केंद्र सरकार ने जून के पहले हफ्ते में रणनीति में बदलाव करते हुए 75 फीसद केंद्र सरकार और 25 फीसद निजी क्षेत्र के लिए सुनिश्चित किया गया। 21 जून से टीकाकरण का महाभियान शुरू हुआ, जिसके बाद से इसमें गति बनी हुई है।

तय योजना के मुताबिक टीकाकरण की गति : अधिकारी ने कहा कि टीकाकरण की रफ्तार तय योजना के मुताबिक बनी हुई है। अगस्त से इसमें और भी तेजी देखने को मिलेगी। 24 से 30 जुलाई के हफ्ते में कुल 3.35 करोड़ डोज लगाई गईं।

- सरकार को भरोसा, दिसंबर तक सभी वयस्कों का हो जाएगा टीकाकरण
- टीके लगने की तेज रफ्तार कायम, जून में लगाई गई थीं करीब 12 करोड़ डोज

31 जुलाई तक 51.6 करोड़ डोज की आपूर्ति करने के लक्ष्य में सिर्फ दो करोड़ की रही कमी

माह	कुल टीके लगे
जून	11.97 करोड़
मई	6.1 करोड़
अप्रैल	8.75 करोड़
मार्च	5.28 करोड़
फरवरी	1.09 करोड़
जनवरी	37.58 लाख

विभिन्न राज्यों को अब तक करीब 50 करोड़ डोज की आपूर्ति पेज>>6

समय से पहले खत्म हो सकता है संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली : पेगासस जासूसी कांड पर विपक्ष के साथ संसद में दो हफ्ते से चल रहे टकराव को देखते हुए सरकार मानसून सत्र को समय से पूर्व खत्म करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर विपक्ष की एकजुटता और बहस की मांग से पीछे नहीं हटने के चलते दोनों सदनों में सियासी घमासान थमने के आसार नजर नहीं आ रहे। सरकार ने विधायी एजेंडे को पूरा करने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। वहीं विपक्ष ने सरकार पर संसद से भागने का आरोप लगाते हुए विरोध करने का एलान किया है। (पेज-3)

भारत आज बनेगा महीने भर के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र : भारत रविवार को एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अध्यक्ष पद संभाल लेगा। इस दौरान वह समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों पर कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। ज्ञात हो, संयुक्त राष्ट्र के इस 15 सदस्यीय शक्तिशाली निकाय की रोटेशन के आधार पर विभिन्न देशों को अध्यक्षता करने का मौका मिलता है। (पेज-11)

हाट स्प्रिंग, गोगरा को खाली करे चीन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत ने चीन से साफतौर पर कह दिया कि वह पूर्वी लद्दाख के हाट स्प्रिंग, गोगरा और अन्य टकराव के बिंदुओं से अपने सैनिकों और हथियारों को तुरंत हटाए। शनिवार को दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर की 12वें दौर की बातचीत में भारत ने इसको लेकर दबाव बनाया। भारत और चीन की तरफ से बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की तरफ मोल्डो में नौ घंटे तक चली बातचीत से गोगरा और हाट स्प्रिंग से सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। बैठक सुबह 10:30 बजे शुरू हुई और शाम 7:30 बजे तक चली। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया के साथ ही अन्य टकराव वाले बिंदुओं पर तनाव करने को लेकर विस्तार से बातचीत हुई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने पर भी सहमत हैं।

सूत्रों ने बताया कि भारत ने तत्काल टकराव को खत्म करने और हाट स्प्रिंग और गोगरा में सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया तेज करने पर बार-बार जोर दिया। बातचीत शुरू होने से पहले भारत ने सैनिकों को हटाने के मसले पर सकारात्मक नतीजे आने की उम्मीद जताई थी। भारत लगातार इस पर जोर देता रहा है कि दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के लिए देपसांग, हाट स्प्रिंग और गोगरा समेत सभी मुद्दों का समाधान जरूरी है। सैन्य स्तर की यह बातचीत लगभग साढ़े तीन महीने बाद हुई है। 11वें दौर की सैन्य स्तर की वार्ता नौ अप्रैल को एलएसी पर भारत की तरफ चोशुल में हुई थी जो करीब 13 घंटे चली थी।

जयशंकर ने दिए थे सख्त संदेश : इस वार्ता से दो हफ्ते पहले ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी को बता चुके थे कि पूर्वी लद्दाख के मौजूदा हालात के चलते दोनों देशों के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। दोनों मंत्रियों के बीच 14 जुलाई को ताजिकिस्तान के दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान अलग से एक घंटे की बातचीत हुई थी।

एलएसी पर एकतरफा बदलाव स्वीकार्य नहीं : जयशंकर ने यी से यह भी स्पष्ट कर दिया था कि एलएसी पर किसी भी तरह का एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से शांति के बहाली के बाद ही दोनों देशों के बीच समग्र संबंध विकसित हो सकते हैं।

दो टूक

- दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर की 12वें दौर की वार्ता में भारत ने बनाया दबाव
- चीन के मोल्डो में नौ घंटे तक चली बातचीत में सभी मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा

क्षेत्र में स्थिरता के लिए बनी सहमति। फाइल फोटो

संघर्ष को सलाम

असहयोग आंदोलन की कामयाबी का गवाह है यह स्कूल

स्कूल ने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन को अनोखे तरीके से दिया था समर्थन, तब से आज तक स्कूल में रविवार के स्थान पर सोमवार को होती है छुट्टी, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों ने लिया था अंग्रेजों के बनाए नियम को तोड़ने का निर्णय

हृदयानंद गिरि, दुर्गापुर

अगस्त का महीना भारतवासियों के लिए खास है। अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश कर देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले असहयोग, सविनय अवज्ञा और अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की यादें इससे जुड़ी हैं। इसी माह में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन अपनी परिणति तक पहुंचा था। पूरे भारत ने एकजुट होकर असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया था। अहिंसा का पालन करते हुए ब्रिटिश सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले इस आंदोलन का एक सिरा बंगाल के एक छोटे से स्कूल से भी जुड़ता है।

बंगाल के पूर्व बर्द्धमान जिले के गोपालपुर में स्थित मुक्तकेशी स्कूल के शिक्षकों ने छात्रों व अभिभावकों से विचार-विमर्श कर महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन को अपने तरीके से समर्थन दिया था। उन्होंने निर्णय लिया कि वह अंग्रेजों का बनाया हुआ कम से कम एक नियम जरूर तोड़ेंगे। सबकी सहमति के बाद स्कूल में रविवार की छुट्टी रद कर दी गई और सोमवार को अवकाश का दिन घोषित किया गया। इस निर्णय को बदलने के लिए सरकार की ओर से दबाव डाला गया, लेकिन शिक्षक टस से मस नहीं हुए। स्थानीय लोगों का व्यापक समर्थन होने के कारण अंग्रेज यहां रविवार की छुट्टी लागू नहीं करा सके। इस स्कूल में आज भी यह परंपरा कायम है। यहां रविवार को पढ़ाई होती है और सोमवार को अवकाश रहता है। यह वह दौर था जब देश भर में स्कूल-कालेज के लाखों छात्र भी असहयोग आंदोलन को धार दे रहे थे।

एक अगस्त से शुरू हो गया था आंदोलन : यूं तो महात्मा गांधी ने कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में चार सितंबर 1920 को असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन आंदोलन की शुरुआत काफी पहले हो गई थी। एक अगस्त को इसके विधिवत शुरुआत का दिन माना जाता है। आंदोलन के जरिये महात्मा गांधी ने पूरे देश में नव चेतना का संचार किया था। इसका असर था कि लोग ब्रिटिश सरकार की नीतियों से असहमति जताते हुए असहयोग के छोटे-छोटे तरीके आजमाकर भी अपना विरोध प्रकट कर रहे थे।

पूर्व बर्द्धमान के गोपालपुर में स्थित मुक्तकेशी स्कूल। जागरण

जो परंपरा स्कूल के पहले दिन से शुरू हुई, उसे हम सभी निभा रहे हैं। वर्ष 1997 से मैं इस स्कूल में शिक्षक हूं। स्कूल के 100 वर्ष पूरे हुए हैं। हमें गर्व है कि हमारे स्कूल के लोगों ने आजादी के आंदोलन में भूमिका निभाई। हमें इस पर गर्व है।

– देवव्रत मुखर्जी, शिक्षक प्रभारी, गोपालपुर मुक्तकेशी हाई स्कूल, पूर्व बर्द्धमान

अंग्रेजी का बहिष्कार कर भी किया था अंग्रेजों का विरोध

स्कूल के शिक्षक समीर कहते हैं कि इस स्कूल की स्थापना ग्रामीणों के सहयोग से 1922 में हुई थी। अभी यहां 12 वीं तक पढ़ाई होती है। स्कूल में एक हजार छात्र-छात्राएं शिक्षा हासिल करते हैं। उन्होंने और उनके पिता ने भी इसी विद्यालय से पढ़ाई की थी। समीर के मुताबिक, पिताजी बताया करते थे कि अंग्रेजों ने रविवार के दिन पढ़ाई बंद करने के लिए काफी दबाव बनाया था, लेकिन गांव के लोग निर्णय पर अड़े रहे। बच्चों में भी काफी जोश था। शुरुआती दौर में अंग्रेजी की पढ़ाई का बहिष्कार कर भी लोगों ने अंग्रेजों का विरोध किया था। असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद 1925 में अंग्रेजी की पढ़ाई शुरू की गई थी। आज भी स्कूल रविवार को खुलता है, जो हमें गर्व की अनुभूति कराता है।

पुलवामा का गुनहगार और मसूद अजहर का रिश्तेदार मुठभेड़ में ढेर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जैश-ए-मुहम्मद का कमांडर और पुलवामा हमले का साजिशकर्ता सैफुल्लाह उर्फ अदनान उर्फ लंबू का शनिवार सुबह जब मौत से सामना हुआ तो उसने औरतों और बच्चों को अपनी ढाल बना लिया। इसके बावजूद वह तीन मिनट भी नहीं टिक पाया और अपने साथी समीर डार संग दाचीगाम (पुलवामा) में हुई मुठभेड़ में मारा गया। चार साल से घाटी में सक्रिय लंबू जैश सरगना मसूद अजहर का रिश्तेदार बताया जाता है। घाटी में उसके खिलाफ 14 केस दर्ज हैं। ज्ञात हो, 15 लाख के इनामी लंबू ने पुलवामा हमले के दौरान कार में आइईडी फिट करने में मदद की थी।

समीर भी ए-श्रेणी का आतंकी था और उस पर सात लाख का इनाम था। समीर पुलवामा हमले को अंजाम देने वाले आतंकी आदिल डार का चचेरा भाई है। इन दोनों की मौत से दक्षिण कश्मीर में जैश का नेटवर्क लगभग समाप्त हो गया है। उनके पास से एक एम-4 कार्बाइन, एक एके-47, एक गैलोक पिस्टल, एक चाइनीज पिस्टल और अन्य सामान मिला है।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आइजीपी) विजय कुमार ने बताया कि लंबू नए लड़कों को आईईडी तैयार करने की ट्रेनिंग देने के अलावा अवंतीपोरा, त्राल, पुलवामा और शोपियां में एक बार फिर जैश का नेटवर्क नए सिरे से तैयार करने का प्रयास कर रहा था।

- मौत सामने देख औरतों और बच्चों के पीछे छिप गया पुलवामा हमले का गुनहगार
- सुरक्षाबलों ने तीन मिनट में जैश कमांडर लंबू और समीर डार को किया ढेर

चार दिन पहले शुरू हुई थी दुष्कर्मी लंबू की घेराबंदी पेज>>5

न्यूज गैलरी

जामिया ने नौ पाठ्यक्रमों के 35 परीक्षा केंद्र बदले

नई दिल्ली : जामिया मिल्लिया इस्लामिया में इन दिनों प्रवेश परीक्षाएं चल रही हैं। 28 अगस्त तक विभिन्न शहरों में प्रवेश परीक्षा होगी। इस बीच, जामिया ने नौ पाठ्यक्रमों के लिए 35 शहरों में बनाए गए परीक्षा केंद्र बदल दिए हैं। ऐसा कम आवेदन के चलते किया गया है। जामिया प्रशासन ने बताया है कि प्रास्पेक्टस में दिल्ली के बाहर परीक्षा केंद्रों की बाबत स्पष्ट लिखा गया है कि यदि किसी केंद्र को 50 से कम छात्र चुनते हैं तो परीक्षा केंद्र बदला जा सकता है। ऐसी स्थिति में परीक्षा दिल्ली में होगी। छात्रों को नए केंद्रों की जानकारी समय से दे दी जाएगी। परीक्षा की तिथि व समय नहीं बदला गया है। (जासं)

घर में गोवंश काटने के आरोपित को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली : जाफराबाद इलाके में घर के अंदर गोवंश काटने के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपित जियाजू को जमानत देने से इन्कार कर दिया। यह आरोपित की तीसरी जमानत अर्जी थी। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। बीती चार जून को पुलिस को जाफराबाद क्षेत्र में मौजपुर स्थित विजय मोहल्ला गली नंबर-17 में रहने वाले मोनिश के घर पर गोवंश काटने की सूचना मिली थी। छापेमारी कर पुलिस ने मोनिश और गाजियाबाद के पसौंडा गांव के रहने वाले जियाजू को मौके से गिरफ्तार किया था। जबकि इनके दो साथी फरार हो गए थे। (जासं)

दिल्ली दंगा के दो आरोपितों को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली : दिल्ली दंगे में दयालपुर इलाके में ट्रक जलाने के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने दो आरोपितों को 20 हजार रुपये की जमानत राशि और इतनी ही राशि के निजी मुचलके पर अग्रिम जमानत दे दी। गत वर्ष फरवरी में दंगाइयों ने इस इलाके में एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया था। मामले में आरोपित मुहम्मद सलीम और मुहम्मद अनीस ने अग्रिम जमानत मांगते हुए अर्जी दायर की थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने दोनों की अर्जी मंजूर करते हुए अग्रिम जमानत दे दी है। (जासं)

दिल्ली में यमुना का जलस्तर घटना शुरू

नई दिल्ली : राजधानी में यमुना का जलस्तर घटना शुरू हो गया है। शनिवार शाम को जलस्तर चेतावनी स्तर 204.50 मीटर के करीब पहुंच गया, जबकि शुक्रवार को जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर 205.33 पहुंच गया था। प्रशासन ने खादर के क्षेत्र में रहने वाले लोगों से जगह खाली करवा ली है, उनके रहने के लिए सड़क किनारे टेंट लगाएं गए हैं। खाना भी वितरित किया जा रहा है। (जासं)

दिल्ली में सोमवार से मिल सकती है कोविशील्ड की पहली डोज

कोरोना से जंग ▸ स्टाक में टीके की सात लाख 81 हजार 250 डोज उपलब्ध

17.88 फीसद आबादी को लग चुकी है टीके की दोनों डोज

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में कोरोना के टीकाकरण के योग्य 18 साल से अधिक उम्र के 49.54 फीसद आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग गई है। वहीं, 17.88 फीसद आबादी को टीके की दोनों डोज लग गई हैं। मौजूदा समय में दिल्ली में कोवैक्सीन व कोविशील्ड को मिलाकर टीके की कुल सात लाख 81 हजार 250 डोज उपलब्ध हैं, लेकिन सरकारी केंद्रों पर कोविशील्ड की पहली डोज देने पर रोक व कोवैक्सीन की पहली डोज 20 फीसद ही देने के प्रविधान से टीकाकरण की रफ्तार थोड़ी कम है, लेकिन उम्मीद है कि सोमवार से कोविशील्ड की पहली डोज देने का काम शुरू हो जाएगा। इससे टीकाकरण की रफ्तार बढ़ेगी।

टीके की आपूर्ति कम होने के कारण 22 जुलाई को परिवार कल्याण निदेशालय ने आदेश जारी कर 31 जुलाई तक सरकारी केंद्रों में कोविशील्ड टीके की पहली डोज देने पर रोक लगा दी थी। इन नौ दिनों में दिल्ली में कुल तीन लाख 49 हजार 465 लोगों को टीके की दूसरी डोज दी गई। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक कोविशील्ड की पहली डोज देने का काम शुरू करने का प्रस्ताव सरकार के पास भेजा गया है। इसे स्वीकृति का इंतजार है। हालांकि, पहली डोज देने पर 31 जुलाई तक लगी रोक आगे बढ़ाए जाने की कोई सूचना नहीं है, ऐसे में माना जा रहा है कि सोमवार से पहली डोज देने का काम शुरू हो जाएगा। यह भी बताया जा रहा है कि कोवैक्सीन की पहली डोज देने का कोटा भी 20 फीसद से बढ़ाया जा सकता है। एक दिन पहले कोवैक्सीन 56,180 डोज दिल्ली आई हैं।

टीकाकरण की मुहिम होगी तेज। फाइल फोटो

शनिवार को टीकाकरण : शनिवार को शाम सात बजे तक दिल्ली में 82,751 लोगों को टीका लगा। इसमें से 20,033 लोगों को पहली डोज व 60,724 लोगों को दूसरी डोज दी गई। दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र के एक करोड़ 49 लाख लोग हैं। इनमें से 73 लाख 82 हजार 212 लोगों को कम से कम एक डोज टीका लग चुका है।

कुल टीकाकरण	
पहली डोज	73,82,212
दूसरी डोज	26,64,442
कुल	1,00,46,654 डोज
स्टाक में उपलब्ध कुल टीका	
कोवैक्सीन	2,58,360
कोविशील्ड	5,22,890
कुल	7,81,250

कोरोना के 58 नए मामले, 56 मरीज हुए ठीक : राजधानी में कोरोना की संक्रमण दर 0.10 फीसद से कम बनी हुई है। शनिवार को भी संक्रमण दर 0.08 फीसद रही। इस वजह से 58 नए मामले आए। वहीं 56 मरीज ठीक हुए जबकि कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में कोरोना से कुल 2077 लोग कोरोना से पीड़ित हुए और 76 मरीजों की मौत हो गई। ये आंकड़े बताते हैं कि कोरोना का खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। इसलिए बचाव के नियमों का पालन जरूरी है।

दिल्ली में अब तक कुल 14 लाख 36 हजार 265 मामले आ चुके हैं। इनमें से 14 लाख 10 हजार 631 मरीज ठीक हो चुके हैं। इससे मरीजों के ठीक होने की दर 98.21 फीसद है। वहीं मृतकों की कुल संख्या 25,053 हो गई है। इससे मृत्यु दर 1.74 फीसद है। मौजूदा समय में 581 सक्रिय मरीज हैं, जिनमें से 339 मरीज अस्पतालों में भर्ती किए गए हैं। कंटेनमेंट जोन की संख्या घटकर 292 हो गई है।

निजी अस्पतालों से जोड़े गए होटल में कोविड सेंटर बंद करने का निर्देश: दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों से जोड़े गए होटल में कोविड केयर सेंटर तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। इस बाबत दो दिन पहले ही विभाग ने निजी अस्पतालों को निर्देश जारी किया है। दरअसल, कोरोना की दूसरी लहर में बड़े निजी अस्पतालों से कई निजी होटल जोड़े गए थे और निजी अस्पतालों को उनमें कोरोना के इलाज की सुविधाएं विकसित करने के लिए कहा गया था। अब दिल्ली में कोरोना के मामले बहुत कम हो गए हैं। इसके मद्देनजर विभाग ने नया आदेश जारी किया है।

2015 से सालाना एक हजार करोड़ से अधिक के घाटे में चल रहा डीटीसी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र में भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता के सवाल का परिवहन विभाग ने दिया लिखित जवाब

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) 2015 से सालाना 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के घाटे में चल रहा है। पिछले छह सालों के दौरान डीटीसी के बेड़े में कोई नई बस भी नहीं आई है। हालांकि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने उन रिपोर्टों का खंडन किया है कि वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए डीटीसी द्वारा खरीदी जा रही 1,000 लो फ्लोर बसों के निर्माताओं को 1,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान किया जाना था।

शुक्रवार को खत्म हुए दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र के दौरान भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता के सवाल के जवाब में उक्त जानकारी परिवहन विभाग ने लिखित रूप में दी है। भाजपा के ही एक अन्य विधायक अजय महावर के सवाल के जवाब में परिवहन विभाग ने बताया कि डीटीसी ने 2015 के बाद से कोई नई बस नहीं खरीदी है। हालांकि इसी अवधि में दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-माडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआइएमटीएस) संचालित क्लस्टर योजना के तहत 2015 के बाद 1,387 बसों की खरीद की गई हैं।

डीटीसी द्वारा 1000 लो फ्लोर बसों की खरीद का कार्य आदेश दो निर्माताओं को जारी किया गया था, लेकिन परिवहन विभाग द्वारा प्रक्रिया को रोक दिया गया है। विभाग ने इन्कार किया कि दोनों निर्माताओं को प्रारंभिक तीन वर्षों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी) के लिए 1,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाना था।

पिछले छह वर्षों में डीटीसी को हुआ घाटा	
वर्ष	घाटा (करोड़ रुपये में)
2014-15	1,019.36
2015-16	1,250.15
2016-17	1,381.78
2017-18	1,730.02
2018-19	1,664.56
2019-20	1,834.67

गुप्ता ने सवाल किया था कि बसों पर तीन साल की वारंटी के बावजूद रखरखाव शुल्क के नाम पर 1,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त क्यों दिए जा रहे हैं। परिवहन विभाग ने कहा, डीटीसी द्वारा जारी निविदाओं के नियम और शर्तें 2006 एवं 2008 में डीटीसी द्वारा जारी की गई निविदाओं के समान हैं। 1,000 लो फ्लोर बसों के रखरखाव के लिए अनुबंध की सामान्य शर्तें स्पष्ट रूप से कहती हैं कि ठेकेदार को रखरखाव से संबंधित सभी काम करने होंगे। इनमें रखरखाव, सामान्य टूट-फूट, बड़ी- छोटी मरम्मत, ब्रेकडाउन, आग से नुकसान और फिटनेस तथा प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र प्राप्त करना शामिल है।

आयकर के नाम पर फर्जी ई-मेल की जांच करे सीबीआइ : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ एक कंपनी की याचिका पर हाई कोर्ट ने मामले को बताया गंभीर

▸ जांच कंपनी को आयकर की तरफ से पड़ताल रोकने का संदेश भेजा गया

आयकर विभाग के नाम पर एक कंपनी को भेजे गए फर्जी ई-मेल मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मनमोहन व न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने सीबीआइ को चार सप्ताह के भीतर मामले की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया, साथ ही आयकर अधिकारी से कहा कि वह अगले आदेश तक याचिकाकर्ता कंपनी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे। मामले में अगली सुनवाई छह सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों में से जिसने भी फर्जी मेल किया है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं यह मामला वित्त मंत्रालय व आयकर विभाग के संवदेनशील सर्वर से जुड़ा है और संभव है कि संवेदनशील पद पर बैठे आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल हों।

वहीं, आयकर विभाग ने दलील दी कि जिस ई-मेल की बात की जा रही है वह उसका प्रयोग ही नहीं करता है। पीठ ने कहा किसी एक पक्ष ने या तो जाली दस्तावेज बनाए हैं या सच नहीं कह रहा है। यह देखना जरूरी है कि क्या ई-मेल किसी अन्य शाखा या राजस्व विभाग की तरफ से जारी किया गया या नहीं।

याचिका के अनुसार कंपनी के आय-व्यय की जांच एक फर्म कर रही थी और उसने कंपनी से कई प्रश्नों के जवाब मांगे थे। कंपनी ने लाकडाउन का हवाला देकर कहा था कि कई दस्तावेज नहीं मिल रहे हैं। जांच करने वाली फर्म ने तब जांच प्रक्रिया 14 जून तक स्थगित कर दी थी। वहीं, आयकर विभाग की ओर से एक जून को जांच फर्म को एक ई-मेल आया कि याची कंपनी के खिलाफ जांच रोक दी जाए।

आइआइटी फ्लाईओवर के नीचे धंसी सड़क

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बारिश के बाद शनिवार सुबह आइआइटी फ्लाईओवर के नीचे अचानक सड़क धंस गई। गनीमत रही कि इस दौरान जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को तुरंत रोक दिया और गड्ढे के इर्द गिर्द बैरीकेड लगा दिए। इस घटना की तस्वीरें बहुत जल्द इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गईं और गड्ढे की तस्वीरों के साथ मीम शेयर कर दिल्ली सरकार पर लोग तंज कसते दिखाई दिए। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने घटना की तस्वीरों के जरिये दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए है, ट्विटर पर लिखा 'दिल्ली में जमीन फाड़कर निकलती हुई 300 यूनिट फ्री बिजली'।

प्रत्यक्षदर्शी पुलिसकर्मियों के मुताबिक शुरुआत में गड्ढा सिर्फ दो फीट का था, लेकिन 12 बजे तक गड्ढे का आकार 20 फीट से ज्यादा हो गया। सड़क के नीचे नाले का पानी भी बहता हुआ नजर आ रहा था, जिसकी जानकारी जल बोर्ड को दी गई। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता शशिकांत के मुताबिक, वहां नीचे से दिल्ली जल बोर्ड की लाइन गुजर रही है। आशंका है कि इस लाइन में लीकेज के कारण यह सड़क धंसी हो। देर शाम तक गड्ढे को भरने के प्रयास किए जाते रहे। सड़क धंसने के चलते अरविंदो मार्ग से महरौली जाने वाली लेन पर भारी वाहनों को रोक दिया गया।

शनिवार को आइआइटी फ्लाइओवर के नीचे इस तरह से सड़क धंस गई। जागरण

लोगों ने मीम बना सरकार को घेरा : घटना की तस्वीरें बहुत जल्द इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गईं और लोग गड्ढे की तस्वीरों से मीम बनाकर दिल्ली सरकार पर तंज कसते दिखे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने घटना की तस्वीरों के जरिये दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर लिखा 'दिल्ली में जमीन फाड़कर निकलती हुई 300 यूनिट फ्री बिजली।'

दिल्ली सरकार के खिलाफ राष्ट्रपति से मिलेंगे भाजपा विधायक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी व अन्य भाजपा विधायकों ने अरविंद केजरीवाल सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र में विपक्ष को आम जनता से जुड़े मुद्दे नहीं उठाने दिए गए, इसकी शिकायत राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले कार्य मंत्रणा समिति की बैठक होती है, जिसमें विपक्ष को भी बुलाया जाता है। इसी बैठक में तय किया जाता है कि विधानसभा में किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दिल्ली सरकार इस परंपरा का लगातार उल्लंघन कर रही है।

बिधूड़ी ने कहा कि विपक्ष ने दिल्ली की समस्याओं के बारे में चर्चा के लिए प्रस्ताव भेजे थे, लेकिन उनमें से किसी पर भी चर्चा नहीं कराई गई। सरकार ने दो विधेयक पेश किए, लेकिन इनकी प्रति सदस्यों को नहीं भेजी गई।

काला जठेड़ी के साथ गैंगस्टर अनुराधा भी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सात लाख के इनामी बदमाश काला जठेड़ी के साथ पुलिस ने उसकी गर्लफ्रेंड और गैंगस्टर अनुराधा चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया है। जठेड़ी की गिरफ्तारी के समय अनुराधा सहारनपुर में उसके साथ ही थी। नौ महीने से वह जठेड़ी के साथ लिव-इन में रह रही थी। इससे पहले उसके कई अन्य गैंगस्टरों के साथ भी संबंध रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक पति को छोड़ने के बाद अनुराधा सबसे पहले राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल सिंह की गर्लफ्रेंड बनी थी। पांच साल पहले राजस्थान पुलिस ने आनंदपाल को पुलिस मुठभेड़ में मार दिया था, जबकि अनुराधा को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, जल्द ही वह पुलिस हिरासत से भाग गई और गिरोह का नेतृत्व करना शुरू कर दिया। आनंदपाल के मारे जाने के बाद अनुराधा-विरोधी गिरोह राजू बसौदी के निशाने पर आ गई थी। खुद को मजबूत बनाने के लिए अनुराधा ने बदमाश बलबीर बानूड़ा का साथ पकड़ा। बलबीर के पकड़े जाने पर अनुराधा लारेंस बिश्नोई के संपर्क में आ गई, जहां उसे काला जठेड़ी का साथ मिला। अनुराधा के इशारे पर जठेड़ी राजस्थान में रंगदारी और हत्या जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देता था। जठेड़ी के निशाने पर इस समय सागर धनखड़ हत्याकांड में शामिल सुशील पहलवान व नीरज बवानिया गैंग के शूटर थे।

स्पेशल सेल की गिरफ्त में कुख्यात काला जठेड़ी। सौ.पुलिस

महिला गैंगस्टर अनुराधा। सौ.पुलिस

जठेड़ी के लिए छह माह में नौ राज्यों की छानी खाक

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली : शातिर गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी की तलाश में स्पेशल सेल की 30 सदस्यीय टीम ने छह माह में नौ राज्यों की खाक छानी। इन सभी राज्यों में उसकी गर्लफ्रेंड अनुराधा भी उसके साथ ही रही और हर बार दोनों पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाते थे। यही नहीं पकड़े जाने से पहले तीन बार तो पुलिस के पहुंचने से कुछ ही देर पहले उसने ठिकाने को छोड़ दिया था। हालांकि, इस बार उसे सहारनपुर के यमुनानगर हाईवे स्थित अमानत ढाबे से गर्लफ्रेंड अनुराधा के साथ दबोच लिया गया। जठेड़ी के पास से उसकी पसंदीदा चाइनीज पिस्टल और अनुराधा के पास से किसी अन्य के नाम की लाइसेंसी रिवाल्वर बरामद हुई। जठेड़ी पर दिल्ली में 15 मामले दर्ज हैं, जबकि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, यूपी समेत अन्य राज्यों में 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। अनुराधा पर राजस्थान में 14 मामले दर्ज हैं।

स्पेशल सेल ने ऐसे बिछाया जाल

तिहाड़ जेल में बंद 600 शूटरों की फौज वाले गैंगस्टर बिश्नोई को मकोका में गिरफ्तार करने के बाद काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट ने उसे रिमांड पर लेकर जठेड़ी के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया। इसके बाद उसे तिहाड़ भेज दिया गया, जहां उसे एक मोबाइल उपलब्ध करा दिया गया। उसने जठेड़ी के बेहद करीबी के जरिये उससे बात की तब जाकर पता चला कि जठेड़ी उत्तराखंड में छिपा हुआ है। स्पेशल सेल ने एक महीने तक बिश्नोई के फोन काल्स पर नजर रखी।

बदल लिया था हुलिया

15 दिनों तक पीछा करने के दौरान कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में वह अनुराधा के साथ नजर आया। इसके साथ ही उसने अपना हुलिया पूरी तरह से बदल लिया था। इस बीच उनसे तीन गाड़ियां बदली। शुक्रवार को वह क्रेटा से ढाबे पर पहुंचा था। स्पेशल सेल की 30 सदस्यीय टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी। टीम ने नौ राज्यों में करीब दस हजार किमी का सफर तय किया।

सुप्रीम कोर्ट ने पीएलपीए-1900 में संशोधन को माना तो बच जाएंगे अरावली में बड़े निर्माण

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

फरीदाबाद के खोरी गांव में तोड़फोड़ के आदेश के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अरावली क्षेत्र की वन भूमि से अन्य अवैध निर्माण भी हटाने के आदेश दिए हैं। इससे अरावली क्षेत्र की वन भूमि पर वर्षों पहले निर्माण कर चुके लोगों के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी हड़कंप मचा है। सुप्रीम कोर्ट ने वन क्षेत्र की भूमि से अन्य सभी निर्माण हटाने के लिए भी 23 जुलाई को चार सप्ताह का समय दिया था। हालांकि, प्रशासन पहले इन चार सप्ताह में सभी निर्माणों से दस्तावेज मांग रहा है। इसके बाद ही अन्य निर्माणों पर कार्रवाई होगी। इस बीच वन क्षेत्र की भूमि पर वर्षों पहले निर्माण कर चुके संस्थानों के मालिकों की नजरें अब सिर्फ पंजाब लैंड प्रिजर्वेशन एक्ट (पीएलपीए)-1900 में हुए संशोधन पर ही टिकी हैं।

हरियाणा विधानसभा ने 27 फरवरी 2019 को पीएलपीए-1900 की धारा तीन व चार में संशोधन पारित किया था। इसके बाद एक अन्य मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक मार्च 2019 को ही इस संशोधन को लेकर तीखी टिप्पणी की थी। हालांकि हरियाणा के राज्यपाल ने 11 जून 2019 को विधानसभा से पारित इस संशोधित विधेयक को कानून के रूप में अपनी मंजूरी दे दी थी। यदि यह कानून लागू रहता है और सुप्रीम कोर्ट की इसे मान्यता मिल जाती है तो अरावली ही नहीं राज्य के 22 में से 14 जिलों में वन क्षेत्र की भूमि पर निर्माण कर चुके लोगों को राहत मिलेगी। बता दें कि फरीदाबाद में कांत एन्क्लेव में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई के बाद हरियाणा के कुल क्षेत्रफल का 25 फीसद (10,94,543 हेक्टेयर) क्षेत्र में लोगों पर कार्रवाई की तलवार लटकी हुई थी। वैसे राज्य सरकार में वन संरक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए भारतीय वन सेवा के अधिकारी स्वामी ज्ञानानंद सरस्वती पीएलपीए-1900 के संशोधन विधेयक को निरस्त करने की मांग करते रहे हैं।

असमंजस में है प्रशासन

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वन क्षेत्र की भूमि से अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई अब तक फरीदाबाद के खोरी और इससे पहले सितंबर 2018 में कांत एन्क्लेव में हो चुकी है। शीर्ष अदालत ने 23 जुलाई को नया आदेश दिया है कि वन क्षेत्र की भूमि पर हुए अन्य सभी निर्माण भी हटाए जाएं। इसे लेकर शासन-प्रशासन असमंजस में है। इसका कारण है कि हरियाणा सरकार ने पीएलपीए-1900 की धारा तीन व चार में संशोधन कानून बनाया हुआ है। इसमें 10,94,543 हेक्टेयर भूमि को वन क्षेत्र से मुक्त किया गया है। इससे अरावली में बने फार्म हाउस, बड़े शैक्षिक, व्यापारिक समेत अन्य सरकारी-गैर सरकारी संस्थान भी वन क्षेत्र की भूमि से बाहर आ जाते हैं। शासन-प्रशासन जानता है कि पीएलपीए-1900 के नए प्रारूप के अनुसार ही आगे की कार्रवाई की जानी है मगर सुप्रीम कोर्ट ने एक मार्च 2019 को जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। तब सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य मामले की सुनवाई में कहा था कि अरावली को हानि पहुंचाने वाले हर कानून की समीक्षा होगी। इसके बाद इस मामले में कोई आदेश नहीं हुआ।

पहल

यमुना खादर में तैयार किया जाएगा देशज पेड़ों का जंगल

यमुना खादर को उसका प्राकृतिक सौंदर्य लौटाने के लिए डीएनडी फ्लाईवे के पास बनाया जा रहा पार्क, दो एकड़ के पार्क में 50 देशज प्रजातियों के 12 हजार पौधे लगाए जाएंगे, पहले यहां कीकर का जंगल था

कीकर का जंजाल

अरविंद कुमार द्विवेदी, नई दिल्ली

राजधानी को कीकर से मुक्त करने के लिए कई स्तर पर विभिन्न परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें कीकर की जगह देशज प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। बारापुला सूर्यघड़ी के पास यमुना खादर में दो एकड़ में एक ऐसा पार्क बनाया जा रहा है, जिसमें यमुना खादर की मूल प्रजातियों वाले पेड़-पौधे ही लगाए जाएंगे।

प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाजर (पीएसए) टू द गवर्नमेंट आफ इंडिया भी इस पर काम कर रही हैं। पीएसए ने डीडीए, आइजीएल व मरुवन फाउंडेशन के साथ मिलकर वर्ष- 2018 में इस पर काम शुरू किया था। जहां यह पार्क विकसित किया जा रहा है, वहां पहले कीकर के पेड़ और नाले का पानी भरा होता था। लेकिन अब यहां पर देशज प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। चार हजार से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं।

बारापुला के पास लगाए गए 50 प्रजातियों के पेड़ों से तैयार किया गया घना जंगल। अब इन्हीं प्रजातियों के पौधे यहां दो एकड़ जमीन में रोपे जा रहे हैं। जागरण

मरुवन फाउंडेशन के ईकोलाजिस्ट ने बताया कि दिल्ली में देसी पेड़ों का जंगल तैयार करने के लिए यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। वर्ष 2018 में डीडीए ने ट्रायल के रूप में यहां पर पौधे लगाने की अनुमति दी थी। तब 750 वर्गमीटर भूमि में 2214 पौधे लगाए गए थे।

> तत्कालीन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की पहल पर इस प्रोजेक्ट को शुरू किया गया था। जब हमें यह जमीन मिली थी तो यहां सिर्फ कीचड़ और कीकर ही था। लेकिन तकनीक व इच्छाशक्ति के कारण ही अब यहां पर खूबसूरत पार्क बनाने का सपना साकार हो रहा है। यहां आकर लोग मनोरंजन व शुद्ध ताजा हवा के साथ ही प्रकृति व देशज पेड़-पौधों के बारे में जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे। पार्क को सुंदर व लोगों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए इसमें वाकिंग ट्रैक, पत्थर की सुंदर बेंच, पत्थर की बड़ी कलाकृतियां लगाई जाएंगी।
>
> -शैलजा वैद्य गुप्ता, सीनियर एडवाइजर, प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर टू द गवर्नमेंट आफ इंडिया

आज ये बड़े पेड़ बन गए हैं। इनमें पलाश, कैम (कृष्ण कदम), देसी बबूल, बेलपत्र, अडूसा, खाबर (यह सिर्फ खादर में पाया जाता है), तीन प्रजातियों के जामुन, अर्जुन, झाऊ, वेटी वेयर, चित्रक गूलर, महुआ, गुग्गल, बकैन, झाऊ, फराश, कांस घास सफेद सिरस, ढाक, मिस्वाक, गम्हर समेत औषधीय गुण वाले तमाम पेड़ व लताएं शामिल हैं। इस प्रयोग की सफलता के बाद ही डीडीए ने यहां पर दो एकड़ जमीन में पार्क विकसित करने की अनुमति दी है।

इस प्रायोगिक जंगल में छोटे, बड़े लता वाले सभी तरह के पौधे लगाए गए थे। अब यहां एक बहुस्तरीय जंगल तैयार हो गया है। इसमें बड़े पेड़ों की पांच, सपोर्टिंग कैटेगरी की 13 व छोटे पौधों की 26 प्रजातियां लगाई गई थीं।

डीजल मुक्त होगा दिल्ली रेल मंडल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अगले कुछ माह में दिल्ली रेल मंडल पूरी तरह से डीजल मुक्त हो जाएगा। एक मात्र बची हुई रेल लाइन नोली-शामली-टपरी का अक्टूबर तक विद्युतीकरण हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली मंडल के प्रत्येक रूट पर बिजली से रेल चलने लगेगी। इससे न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी बल्कि यात्रियों का सफर भी आसान होगा। ट्रेनों और मालगाड़ियों की रफ्तार बढ़ेगी। इसके साथ ही माल ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा।

142 किलोमीटर लंबे नोली-शामली-टपरी रेलखंड के विद्युतीकरण कार्य को वर्ष 2016-2017 में मंजूरी दी गई थी। खेकड़ा, बागपत रोड, बड़ौत, कासिमपुर खेड़ी, कांधला और शामली स्टेशनों वाले नोली-शामली रेलखंड का विद्युतीकरण का काम पूरा हो गया है। रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) निरीक्षण के बाद इस वर्ष मार्च में इसे शुरू कर दिया गया है।

4,182 लोगों ने कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन किया इस साल मार्च से जुलाई के बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर। कोविड प्रोटोकाल के उल्लंघन की 529 शिकायतें हैदराबाद, 301 शिकायतें मुंबई और 150 शिकायतें बेंगलुरु हवाई अड्डे से मिली हैं।

'लोगों में पुलिस के प्रति नकारात्मक धारणा को बदलें'

आह्वान ▶ कहा, पीएम ने कहा, कोरोना महामारी की शुरुआत में थोड़ी बदली थी यह धारणा, फिर लौटे पुराने हालात

आइपीएस प्रोबेशनर्स से बोले- हर कार्य में दिखे राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के परिवीक्षार्थियों (प्रोबेशनर्स) से कहा कि उनके प्रत्येक कार्य में 'राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम' की भावना दिखनी चाहिए और उन्हें पुलिस के प्रति लोगों की नकारात्मक धारणा को बदलने के लिए भी काम करना चाहिए।

हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आइपीएस परिवीक्षार्थियों को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अनुरोध किया कि फील्ड में रहते उनका हर फैसला देशहित और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आपको हमेशा याद रखना है कि आप एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अगुआ हैं। इसलिए आपके हर कार्य में राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना दिखनी चाहिए।'

एनडीआरएफ का दिया उदाहरण : मोदी ने कहा कि लोगों के बीच पुलिस की नकारात्मक धारणा एक बड़ी चुनौती है। कोरोना महामारी की शुरुआत में यह धारणा थोड़ी बदली थी, जब लोगों ने पुलिसकर्मियों को मदद करते हुए देखा था, लेकिन हालात अब फिर से पुरानी धारणा वाले हो गए हैं।

इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने लोगों के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की विश्वसनीयता एवं अच्छी छवि का हवाला दिया और कहा कि पुलिस के लिए भी समाज में ऐसी ही भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में आ रही नई पीढ़ी की यह जिम्मेदारी है कि वह इस छवि को बदले और पुलिस के प्रति नकारात्मक धारणा दूर हो।

नई दिल्ली में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के आइपीएस प्रोबेशनर्स से संवाद किया। एएनआइ

पहले स्वराज के लिए आगे आए थे अब सुराज के लिए आएं

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 75 वर्षों में भारत ने एक बेहतर पुलिस सेवा के निर्माण का प्रयास किया है और हाल के वर्षों में पुलिस प्रशिक्षण से जुड़े बुनियादी ढांचे में भी काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, '1930 से 1947 के बीच देश के युवा जिस तरीके से आगे आए और पूरी युवा पीढ़ी एक लक्ष्य के लिए एकजुट हो गई, आज आपसे वैसी ही भावना की उम्मीद है। उस समय देश के लोगों ने स्वराज के लिए लड़ाई लड़ी थी, आज आपको सुराज के आगे आना होगा। आप अपना करियर ऐसे समय में शुरू कर रहे हैं जब भारत हर क्षेत्र, हर स्तर में बदलाव के दौर से गुजर रहा है। आपके करियर के आने वाले 25 साल, भारत के विकास के भी सबसे अहम 25 साल होने वाले हैं। इसलिए आपकी तैयारी, आपकी मनोदशा इस बड़े लक्ष्य के अनुकूल होनी चाहिए।'

> हमारे पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवाद से लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति भी दी। वे कई दिनों तक घर नहीं जा पाते, वे त्योहारों पर भी घर नहीं जा पाते, लेकिन जब पुलिस की छवि की बात आती है तो लोगों की धारणा अलग ही होती है।
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

महिला पुलिसकर्मियों से जताई बड़ी उम्मीद

तकनीकी व्यवधानों के इस दौर में पुलिस को तैयार रहने की जरूरत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनौती नए-नए तरीकों से नए तरीकों के अपराधों को रोकने की है। पुलिस में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रयासों का जिक्र करते हुए मोदी ने उम्मीद जताई कि वे पुलिस सेवा में कुशलता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को स्थापित करेंगी, साथ ही विनम्रता, सुगमता और संवेदनशीलता के तत्वों को भी समाहित करेंगी। प्रधानमंत्री ने कि राज्य 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में आयुक्त प्रणाली शुरू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। 16 राज्यों के कई शहरों में इस प्रणाली को पहले ही शुरू कर दिया गया है।

हरियाणा की महिला अधिकारी को दिए सुझाव

प्रधानमंत्री ने परिवीक्षार्थियों से बातचीत भी की और उन्हें कई सुझाव दिए। हरियाणा निवासी एक महिला अधिकारी रंजीता शर्मा को उन्होंने सुझाव दिया कि वह अपनी तैनाती के स्थान पर लड़कियों के स्कूलों में हर हफ्ते एक घंटा दें, इससे छात्राओं को अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने की प्रेरणा मिलेगी। रंजीता को राजस्थान कैडर आवंटित हुआ है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाग लिया।

भारत ने पूर्वी लद्दाख में तैनात किए स्ट्राइक कोर के विशेष दस्ते

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ भारतीय दस्ते में शामिल जवान व अधिकारी कर रहे हैं युद्धभ्यास

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ सैन्य गतिरोध को देखते हुए सैन्य प्रशासन ने स्ट्राइक कोर के विशेष दस्तों को लद्दाख में तैनात कर दिया है। फिलहाल, इन दस्तों में शामिल जवान और अधिकारी लद्दाख की भौगोलिक और आपरेशनल परिस्थितियों के मुताबिक खुद को तैयार करते हुए युद्धाभ्यास में जुटे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन के बीच बने सैन्य तनाव और गतिरोध को घटाने की जारी प्रक्रिया के बीच चीन ने अपने इलाके में विशेषकर देमचुक के सामने अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर रखी हैं। उसने अपने सैनिकों की संख्या व उनके लिए आवश्यक ढांचागत सुविधाओं को भी बढ़ाया है। बीते दिनों चीन की सेना और वायुसेना ने पाकिस्तानी सेना व वायुसेना के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास भी किया है।

संबंधित सूत्रों के अनुसार, चीन की सैन्य तैयारियों को देखते हुए भारतीय सेना ने भी अपने बैटल आर्डर में व्यापक बदलाव किया है। वास्तविक नियंत्रण रेखा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की तीन डिवीजनों के साथ अतिरिक्त संख्या में सेना व साजो सामान तैनात किया है। इसके अलावा एक स्ट्राइक कोर भी आपरेशनल जिम्मेदारियों के साथ लद्दाख में तैनात की जा रही है। चीन की सैन्य तैयारियों का रक्षा विशेषज्ञों ने आकलन करते हुए महसूस किया है कि वह पूर्वी लद्दाख में बीते साल से जारी सैन्य तनाव को ज्यादा से ज्यादा लंबे समय तक खींचना चाहता है और मौका पाकर भारतीय इलाके में घुसपैठ कर सकता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की स्ट्राइक कोर पहले मुख्य तौर पर पाकिस्तान के साथ सटे इलाकों और पाकिस्तान की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखते हुए अपनी आपरेशनल गतिविधियों को अंजाम देती थी। अब यह लद्दाख में भी चीन पर नजर रखा करेगी।

उन्होंने ने बताया कि स्ट्राइक कोर तोपखाना, टैंक सहित सभी अत्याधुनिक हथियारों और मैकेनाइज्ड कालम के साथ इस समय लद्दाख में है। उन्होंने बताया कि लद्दाख में बीते एक पखवाड़े के दौरान पहुंचे स्ट्राइक कोर के इन दस्तों को फिलहाल वहां स्थायी तौर पर तैनात नहीं किया जाएगा। इन्हें अग्रिम इलाकों में भी नहीं भेजा जाएगा बल्कि यह अभी वहां अपनी ट्रेनिंग और अपनी युद्धकला में सुधार लाएंगे, ताकि किसी भी आपात परिस्थिति में आपरेशनल ड्यूटी को संभालने में दिक्कत न हो।

ओबीसी आरक्षण देने का राज्यों को मिलेगा अधिकार : आठवले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा, सरकार जल्द लाने जा रही है संशोधन बिल

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री व रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आरपीआइ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण में जातियों को शामिल करने का अधिकार देने जा रही है। इसके लिए सरकार जल्द ही एक संशोधन बिल लाएगी।

आठवले ने कहा, मराठा आरक्षण को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा था कि 102वें संविधान संशोधन के बाद राज्यों को सामाजिक व आर्थिक आधार पर पिछड़ी जातियों की अलग से कोई सूची बनाने का अधिकार नहीं है। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार अब संसद में संशोधन बिल लाने जा रही है। इसके बाद राज्यों को ओबीसी में जातियों को शामिल करने का अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति व अन्य योजना में घपला करने वाले जेल जाएंगे। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत लखनऊ, कानपुर सहित कई जिलों में हुए घपलों पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में आठवले ने कहा कि इस मामले की जांच हो रही है।

केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि आरपीआइ 26 सितंबर से बहुजन कल्याण यात्रा शुरू करने जा रही है। गाजियाबाद से शुरू होकर यह यात्रा प्रदेश के विभिन्न जनपदों से होते हुए 18 दिसंबर को लखनऊ में खत्म होगी। लखनऊ में समापन दिवस पर बहुजन कल्याण महारैली होगी, जिसमें एक लाख लोग शामिल होंगे। समापन के मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व उप्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। आठवले ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके लिए भाजपा से सीटों की भी मांग की जा रही है। इसी सिलसिले में उनकी शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात हुई।

जेपीसी गठन के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का अनुरोध

नई दिल्ली, प्रेट्र : शिरोमणि अकाली दल के नेतृत्व में कुछ विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से मुलाकात की और अनुरोध किया कि किसानों की मौत के विषय पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन और संसद में पेगासस जासूसी मामले तथा किसानों से जुड़े मुद्दे पर चर्चा करवाने के लिए वह हस्तक्षेप करें।

अकाली दल, राकांपा व नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और इन मामलों में दखल देने के लिए विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर वाला पत्र सौंपा। हालांकि, इस पत्र पर कांग्रेस के किसी प्रतिनिधि ने हस्ताक्षर नहीं किया। अकाली दल, शिवसेना, राकांपा, बसपा, नेशनल कांफ्रेंस, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भाकपा और माकपा ने राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। इसमें अनुरोध किया कि केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान किसानों की मृत्यु का पता लगाने के लिए जेपीसी का गठन करने तथा किसानों से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा करवाने के लिए हस्तक्षेप करें।

समय से पहले खत्म हो सकता है संसद सत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पेगासस का साया

▶ जासूसी कांड के खिलाफ विपक्ष के हंगामे से बढ़े टकराव के मद्देनजर सरकार कर रही विचार

▶ विपक्ष ने किया सत्र जल्द खत्म करने का कड़ा विरोध करने का एलान

जागरण आर्काइव

पेगासस जासूसी कांड पर विपक्ष के साथ संसद में दो हफ्ते से चल रहे टकराव को देखते हुए सरकार मानसून सत्र को समय से पूर्व खत्म करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर विपक्ष की एकजुटता और बहस की अपनी मांग से पीछे नहीं हटने के चलते दोनों सदनों में सियासी घमासान थमने के आसार नजर नहीं आ रहे। इसलिए सरकार ने भी बीते चार दिनों के दौरान हंगामे में ही आठ विधेयकों को बिना चर्चा के पारित करा अपने विधायी एजेंडे को पूरा करने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। वहीं संसद सत्र समाप्त करने की योजना को लेकर विपक्ष ने सरकार पर संसद से भागने का आरोप लगाया है। सत्र खत्म करने के प्रस्ताव का विरोध करने का भी एलान किया है।

जासूसी कांड को लेकर विपक्ष की आक्रामकता को देखते हुए टकराव का हल निकलने की उम्मीद कमजोर पड़ने लगी है। इसे देखते हुए सत्र को जल्द समाप्त किए जाने की आशंका से सत्तापक्ष के रणनीतिकार इन्कार नहीं कर रहे हैं। सत्तापक्ष जासूसी कांड पर दोनों सदनों में संग्राम को विपक्ष का राजनीतिक एजेंडा बताते हुए इस पर बहस को जरूरी नहीं मान रहा है। उसका कहना है कि सत्र में जनता से जुड़े दूसरे जरूरी मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

ममता बनर्जी के दिल्ली आने के अगले ही दिन जासूसी कांड पर विपक्ष की गोलबंदी जिस तरह मजबूत हुई और सदन में घमासान तेज हुआ उसे देखते हुए सरकार ने लोकसभा में पांच अहम विधेयकों को पिछले चार दिनों में पारित करा लिया। इसमें वित्तीय अनुपूरक मांगों के अलावा दिवालिया संशोधन, फैक्ट्री रेगुलेशन संशोधन और पोत परिवहन विधेयक जैसे जरूरी बिल हैं। इसी तरह राज्यसभा में भी सरकार ने तीन विधेयकों को पारित करा लिया है।

मानसून सत्र खत्म करने की सरकार की योजना पर विपक्ष की ओर से कड़ा एतराज जताते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि सरकार जासूसी की सच्चाई छिपाना चाहती है। सत्र खत्म करने के प्रस्ताव का विपक्ष कड़ा विरोध करेगा, क्योंकि पेगासस पर चर्चा न हो, इसलिए सरकार ही संसद को नहीं चलने देना चाहती। सिंघवी ने कहा कि जासूसी कांड पर बहस कराने का सरकार एलान कर दे तो संसद का गतिरोध दो मिनट में खत्म हो जाएगा। सरकार को केवल दो प्रश्नों का उत्तर देना है कि क्या उसने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पेगासस खरीदा और ऐसा किया तो इसका इस्तेमाल किन लोगों पर किया गया? राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सभापति वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर सदन में विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका नहीं दिए जाने पर चिंता जाहिर की है।

हंगामे से सरकारी खजाने को 133 करोड़ रुपये का नुकसान

सरकार का कहना है कि 19 जुलाई से शुरू हुए सत्र में विपक्ष लगातार दोनों सदनों की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। लोकसभा के 54 घंटे के कामकाज की कुल अवधि में सदन सिर्फ सात घंटे ही चला है। राज्यसभा में 53 घंटे के कामकाज की अवधि में सदन केवल 11 घंटे सकारात्मक रहा है। इस तरह दोनों सदनों के कुल 107 घंटों में संसद महज 18 घंटे चल पाई है। सत्र को चलाने पर खर्च होने वाली रकम के हिसाब से हंगामे के चलते सरकारी खजाने का 133 करोड़ रुपये बर्बाद हो चुका है। सरकार सत्र को जल्द खत्म करने के लिए इस तर्क का भी सहारा ले सकती है।

भाजपा ने लगाया आरोप, कमजोर वर्गों के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं किया

▶ मेडिकल में ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को आरक्षण देने के मोदी के फैसले को सराहा

▶ भूपेंद्र यादव ने समतावादी समाज की स्थापना के लिहाज से इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय कोटे में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों को आरक्षण देने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय की सराहना की। पार्टी ने शनिवार को कहा कि सरकार ने समतावादी समाज की स्थापना के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया, जबकि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कुछ नहीं किया।

सरकार ने अखिल भारतीय कोटा के तहत वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2021-22 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं डेंटल कोर्स में ओबीसी के लिए 27 फीसद और ईडब्ल्यूएस के लिए 10 फीसद आरक्षण का गुरुवार को एलान किया था।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी इस ऐतिहासिक कदम के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देती है। यादव ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक न्याय पर आधारित समतावादी समाज की स्थापना के लिहाज से यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विकास में योगदान को लेकर विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस पर सवाल उठाया।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव। प्रेट्र

यादव ने आरोप लगाया कि इतने लंबे समय तक देश में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने समाज के पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सभी को साथ लेकर देश का समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम करती है।

इस फैसले के पीछे सरकार की मंशा पर संदेह करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, जो लोग पिछड़े समुदायों के उत्थान की बात करते थे, उन्हें केवल अपने-अपने परिवारों और अपने कल्याण की चिंता थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार समाज में सभी के लिए काम कर रही है और इसलिए उसने सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर तबके को भी आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने विभिन्न आयोगों द्वारा दी गई कई रिपोर्टों के बावजूद इस मोर्चे पर कुछ नहीं किया।

वाइस एडमिरल घोरमाड़े ने नौसेना उप प्रमुख का प्रभार संभाला

नई दिल्ली, प्रेट्र : नौवहन एवं दिशा विशेषज्ञ वाइस एडमिरल एसएन घोरमाड़े ने शनिवार को नौसेना के उप प्रमुख का प्रभार संभाल लिया। एडमिरल घोरमाड़े के पास भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों का विस्तृत संचालन का अनुभव है। इन युद्धपोतों में कमांडिंग गाइडेड मिसाइल पोत आइएनएस ब्रह्मपुत्र, पनडुब्बी रेस्क्यू पोत आइएनएस निरीक्षक और माइनस्वीपर आइएनएस अल्लेप्पे शामिल हैं। वह वाइएस एडमिरल जी अशोक कुमार की जगह लेंगे। अशोक 39 वर्ष की सेवा के बाद रिटायर हुए हैं।

एसएन घोरमाड़े। फाइल

वाइस एडमिरल घोरमाड़े ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, रहोडे द्वीप पर अमेरिकी वार कालेज के नेवल स्टाफ कालेज और नेवल वार कालेज मुंबई से प्रशिक्षण पूरा किया है। भारतीय नौसेना में वह एक जनवरी, 1984 में कमीशंड हुए। 2017 में उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक से नवाजा गया था। इसके अलावा राष्ट्रपति ने उन्हें 207 में नौसेना पदक भी प्रदान किया।

'कानून बनने के बाद तत्काल तीन तलाक के मामलों में आई कमी'

▶ नकवी ने कहा, कानून बनने का देशभर में मुस्लिम महिलाओं ने किया स्वागत

▶ दो साल पहले मोदी सरकार ने तत्काल तीन तलाक की प्रथा को बनाया था अपराध

नई दिल्ली, प्रेट्र : अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि देश में तत्काल तीन तलाक के खिलाफ कानून बनने के बाद इस तरह के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि देशभर में मुस्लिम महिलाओं ने तत्काल तीन तलाक के खिलाफ कानून का जोरदार स्वागत किया है। नकवी की यह टिप्पणी मुस्लिम महिला अधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर सामने आई है। इस सामाजिक बुराई के खिलाफ कानून बनाए जाने की याद में एक अगस्त को मुस्लिम महिला अधिकार दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एक अगस्त, 2019 को कानून बनाया, जिसने तत्काल तीन तलाक की प्रथा को अपराध बना दिया। नकवी ने एक बयान में कहा कि कानून लागू होने के बाद तत्काल तीन तलाक के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। देशभर के विभिन्न संगठन एक अगस्त को मुस्लिम महिला अधिकार दिवस के रूप में मनाएंगे।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और नकवी रविवार को मुस्लिम महिला अधिकार दिवस मनाने के लिए नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्तार अब्बास नकवी। फाइल/इंटरनेट मीडिया

नकवी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश में मुस्लिम महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और आत्मविश्वास को मजबूत किया है और तत्काल तीन तलाक के खिलाफ कानून लाकर उनके संवैधानिक, मौलिक और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर जल्द आएगी किताब

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर जल्द ही एक किताब आने वाली है। इस किताब में 25 सेवारत और पूर्व नौकरशाहों के साथ एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भी अपने लेख लिखे हैं। इस किताब की प्रस्तावना राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने लिखी है। 'एक्सेलरेटिंग इंडिया-7 इयर्स आफ मोदी गवर्नमेंट' शीर्षक वाली पुस्तक में

यह किताब कई सांसदों के लिए एक गाइड का काम सकती है जो अपनी सरकार के कामकाज के बारे में विस्तार से जानना समझना चाहते हैं। इस किताब का संपादन सेवानिवृत्त आइएएस व पूर्व केंद्रीय केजे अल्फोंस ने किया है। अल्फोंस सहित कई नौकरशाहों का मानना है कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार के कामकाज को विकास और सुधारों के तथ्यों व आंकड़ों के साथ कथात्मक तरीके से लोगों को बताने की जरूरत है। जो लोग पीएम मोदी से प्यार करते हैं या नफरत करते हैं, उन्हें इसे जरूर पढ़ना चाहिए। ओकब्रिज द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन नौ अगस्त को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा होने की उम्मीद है।

समानता की मांग

स्वामी जितेंद्रानंद की मांग, मुस्लिमों, ईसाइयों व पारसियों जैसे अधिकार हिंदुओं, जैनियों, बौद्धों व सिखों को भी मिलें, मंदिरों, गुरुद्वारों के अधिग्रहण को संविधान के अनुच्छेद 14,15 और 26 की भावना के विपरीत बताया

धर्मार्थ दान के लिए समान संहिता को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक एवं धर्मार्थ दान के लिए समान संहिता के अनुरोध को लेकर एक नई जनहित याचिका (पीआइएल) दायर की गई है। इसमें देश भर में हिंदू मंदिरों पर अधिकारियों के नियंत्रण का उल्लेख कर कहा गया कि कुछ समूहों को अपने स्वयं के संस्थानों का प्रबंधन करने की अनुमति है, जबकि कुछ को नहीं है।

याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि हिंदुओं, जैनों, बौद्धों और सिखों को अपने धार्मिक स्थानों की स्थापना, प्रबंधन और रख-रखाव के उसी तरह का अधिकार मिलना चाहिए जैसे मुस्लिमों, पारसियों और ईसाइयों को प्राप्त हैं। संत स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती द्वारा दाखिल याचिका में यह दिशा-निर्देश भी देने का अनुरोध किया गया है कि धार्मिक स्थानों की चल-अचल संपत्ति के स्वामित्व, अधिग्रहण और प्रशासन के जैसे अधिकार मुस्लिमों, ईसाइयों और पारसियों को मिले हैं, वैसे ही हिंदुओं, जैनियों, बौद्धों और सिखों को भी होने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट। जागरण आकाईव

पीआइएल में दलील दी गई कि याचिकाकर्ता का विश्वास है कि राज्य केवल कुछ धार्मिक संप्रदायों जैसे हिंदुओं एवं सिखों के धार्मिक स्थानों को नियंत्रित करके धार्मिक मामलों के प्रबंधन के मामले में भेदभाव कर रहे हैं।

याचिका में कहा गया कि अनुच्छेद 26-27 में धार्मिक मामलों के प्रबंधन के संबंध में धर्मों में किसी तरह के भेदभाव की गुंजाइश नहीं रखी गई है। इसमें कहा गया है कि राज्य न तो संवैधानिक रूप से और न ही धार्मिक मामलों के प्रबंधन को चलाने में सक्षम है जिसमें अनूठे अनुष्ठान और प्रथाएं शामिल हैं जो श्रद्धालुओं के लिए बहुत ही व्यक्तिगत हैं।

जनहित याचिका में यह निर्देश देने और घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि मंदिरों और गुरुद्वारों की चल-अचल संपत्तियों के स्वामित्व, अधिग्रहण और प्रशासन के लिए बनाए गए सभी कानून मनमाने, तर्कहीन हैं और ये संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 26 का उल्लंघन करते हैं। वकील संजय कुमार पाठक के जरिये दायर याचिका में केंद्र या विधि आयोग को 'धार्मिक और धर्मार्थ संस्थानों के लिए सर्वमान्य चार्टर' और 'धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती के लिए समान संहिता' का मसौदा तैयार करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। इससे पहले, इसी तरह की याचिका वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने भी दायर कर चुके हैं।

दुष्कर्म करने वाले पूर्व पादरी से शादी की अनुमति को कोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली, प्रेट्र : केरल के कोट्टियूर निवासी दुष्कर्म पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए उस पूर्व पादरी से शादी की अनुमति देने का आग्रह किया है जो उस अपराध में 20 साल कैद की सजा काट रहा है। पीड़िता के साथ जब दुष्कर्म हुआ तब वह नाबालिग थी। महिला ने पूर्व पादरी को जमानत पर रिहा करने की मांग की है। रोबिन वडक्कुमचेरी को 2019 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो) कानून के तहत मामलों की सुनवाई करने वाली अदालत ने दोषी ठहराया था। पीड़िता ने दावा किया था कि दोनों में सहमति से संबंध बने थे। केरल हाई कोर्ट ने वडक्कुमचेरी की याचिका को ठुकरा दिया, जिसमें उसने पीड़िता से शादी करने के लिए जमानत का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने 13 जुलाई, 2018 को मामले में नाबालिग व तत्कालीन कैथोलिक पादरी से जुड़े आरोपों को बहुत गंभीर करार देते हुए मामले की सुनवाई पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।

कह के रहेंगे — माधव जोशी

मैं तुम्हारी बात नहीं समझ पा रहा...
फेसबुक लाइव करो या जल्द मुझे ट्वीट करो!

150 लोगों ने धार्मिक जुलूस में भाग लिया गुजरात के सुरेंद्र नगर जिले में। पुलिस ने कार्यक्रम के दो आयोजकों समेत तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिले के पाटदी कस्बे में शुक्रवार दोपहर जुलूस निकाला गया था।

मिली जिम्मेदारी, ललन सिंह बने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

ललन सिंह के नाम से मशहूर राजीव रंजन सिंह 'ललन' अब जदयू के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री और निवर्तमान जदयू अध्यक्ष आरसीपी सिंह, केसी त्यागी, वशिष्ठ नारायण सिंह जैसे वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। बिहार में पार्टी के राजनीतिक समीकरण पर बड़ा दांव लगाते हुए अपने भरोसेमंद ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर नीतीश कुमार ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि जदयू सिर्फ पिछड़े वर्ग की ही पार्टी नहीं है।

ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर सामाजिक समीकरण साधने के साथ ही नीतीश कुमार ने पुराने सहयोगी पर भरोसा भी जताया है। वैसे तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए बिहार प्रदेश के मौजूदा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा का भी नाम चल रहा था, लेकिन माना जा रहा है कि नीतीश से दूरी बनाकर अलग पार्टी बनाना और अंत में वापस लौटना उनकी राह का रोड़ा बन गया। कद्दावर नेता होते हुए ललन सिंह लगातार नीतीश के विश्वस्त साथी बने रहे। नीतीश की मौजूदगी में जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आरपीसी सिंह ने अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा की और इसके बाद नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रकिया शुरू की हुई।

आरसीपी ने ही ललन सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा और वशिष्ठ नारायण सिंह, केसी त्यागी सरीखे नेताओं ने इसका समर्थन किया और फिर सर्वसम्मति से मुंगेर से लोकसभा सदस्य राजीव रंजन सिंह को पार्टी अध्यक्ष चुन लिया गया। वैसे मोदी सरकार के हाल में हुए विस्तार के समय ललन सिंह को जदयू के कोटे से केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनने के भी कयास लगाए गए थे, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार में सिर्फ आरसीपी सिंह को जगह मिली। उसके बाद से ही ललन सिंह को जदयू में अहम जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा शुरू हो गई थी। पार्टी में एक व्यक्ति-एक पद के फार्मूले के तहत कैबिनेट मंत्री बनने के बाद आरसीपी सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ने की पेशकश कर दी थी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के साथ ही ललन सिंह लोकसभा में पार्टी के नेता भी हैं। माना जा रहा है कि इसी फार्मूले के तहत ललन सिंह की जगह किसी अति पिछड़े या पिछड़े वर्ग के नेता को लोकसभा पार्टी के नेता का पद दिया जा सकता है। ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के पीछे नीतीश की एक मंशा बिहार के बाहर पार्टी के संगठन को मजबूत करना माना जा रहा है। कुशल संगठनकर्ता व मिलनसार ललन सिंह को अन्य राज्यों में पार्टी के सांगठनिक ढांचे को खड़ा करना है।

नई दिल्ली में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान (दाएं से) सर्वसम्मति से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, वरिष्ठ नेता केसी त्यागी और वशिष्ठ नारायण सिंह। एएनआइ

जदयू ने एक तीर से साधे कई निशाने

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना

▸ ललन सिंह पार्टी प्रबंधन में महारत रखते हैं

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी के बहाने पार्टी ने एक तीर से कई निशाने साध लिए हैं। राजनीतिक गलियारे में ललन के अध्यक्ष बनने के बाद चर्चा है कि जदयू ने संकेत दिया है कि वह केवल अति पिछड़े या पिछड़े वर्ग की पार्टी नहीं। समय के हिसाब से सशक्त सवर्ण नेतृत्व से भी उसे गुरेज नहीं।

ललन सिंह पूर्व में जदयू के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके हैं। नीतीश कुमार के सर्वाधिक विश्वासपात्र लोगों में शुमार ललन की विशेषता रही है कि वह पार्टी प्रबंधन में महारत रखते हैं। इस वक्त जब जाति आधारित जनगणना को लेकर जदयू के लोग मुखर हैं तो ऐसे समय में सवर्ण को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के भी विशेष मायने हैं। यह भी संदेश साफ दिया गया कि जदयू केवल अति पिछड़े-पिछड़े या फिर दलित-महादलित पर केंद्रित दल नहीं है।

सवर्ण समाज के किसी व्यक्ति को पहली बार जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। जिस समय केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार की बात चल रही थी उस समय यह चर्चा थी कि ललन सिंह भी मंत्री बनेंगे, लेकिन आरसीपी सिंह को ही केंद्र में मंत्री बनाया गया। विधानसभा चुनाव के समय सीटों के तालमेल के समय भी उनकी सक्रियता विशेष अधिकार के साथ थी।

ललन सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब यह तय है कि लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता पद से उन्हें इस्तीफा देना होगा। पूर्व में आरसीपी सिंह जब जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे तब उन्हें राज्यसभा में जदयू संसदीय दल के नेता का पद छोड़ना पड़ा था। ऐसे में अब तय है कि किसी अन्य सांसद को यह जगह मिलेगी। यहां भी समीकरण साफ-साफ असर में रहेगा, इतना तय है। नीतीश कुमार ने इस सिद्धांत को भी सही तरीके से पुनः स्थापित कर दिया कि उनके दल में एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत हर हाल में चलेगा।

'जाति आधारित जनगणना सभी के हित में, पीएम को पत्र लिखेंगे'

राज्य ब्यूरो, पटना

▸ जदयू संसदीय दल इस मसले पर प्रधानमंत्री से मिल ज्ञापन सौंपेगा

▸ नीतीश कुमार ने कहा- जनसंख्या नियंत्रण कानून से संभव नहीं, पार्टी जनजागरण अभियान चलाएगी

दिल्ली में शनिवार को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति आधारित जनगणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना सभी के हित में है। जाति आधारित जनगणना कराए जाने के संबंध में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगे। इस मसले पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने एक प्रस्ताव भी पारित किया। यह भी तय हुआ कि जदयू संसदीय दल इस बाबत प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री से समय मांगा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पुनः यह दोहराया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून प्रभावकारी नहीं हो सकता। इसके लिए लड़कियों का शिक्षित होना जरूरी है। बिहार में इसके असर पर भी उन्होंने बात कही। यह तय हुआ कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए जदयू द्वारा वृहत स्तर पर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में यह तय हुआ कि जदयू उत्तर प्रदेश और मणिपुर में विधानसभा चुनाव लड़ेगा। उत्तर प्रदेश में जदयू एनडीए के घटक दल के रूप में चुनाव लड़ना चाहता है। इस संबंध में पार्टी के उप्र प्रभारी केसी त्यागी ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बात की है। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह इस बारे में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित सिंह व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात कर चुके हैं। अगर बात नहीं बनती है जदयू दो सौ सीटों पर अपने उम्मीदवार देगा।

मणिपुर के संबंध में यह कहा गया कि वहां कई पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री जदयू में शामिल हुए हैं। पार्टी वहां अच्छी स्थिति में है। इसलिए वहां विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया।

कैप्टन और सिद्धू ने ऊधम सिंह को अलग-अलग दी श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तनातनी का माहौल खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह को लेकर भी यह तनातनी साफ तौर पर नजर आई। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने के लिए संगरूर के सुनाम में गए और वहां शहीद के नाम पर बने म्यूजियम का लोकार्पण किया। वहीं, नवजोत सिंह सिद्धू फतेहगढ़ साहिब में बने शहीद ऊधम सिंह स्मारक पर नतमस्तक हुए। दोनों नेताओं ने एक ही समय पर फेसबुक लाइव करके अपने-अपने तरीके से शहीद ऊधम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री विजय इंदर सिंगला मौजूद थे। वहीं, नवजोत सिंह सिद्धू के साथ पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष कुलजीत नागरा गए थे। यह नागरा का हलका भी है।

गौरतलब है कि इससे पहले कोरोना काल में जब भी राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किए जाते रहे, तो मुख्यमंत्री वर्चुअल तौर पर ही इसमें शामिल होते रहे हैं। उनके साथ पार्टी के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और पंजाब यूथ कांग्रेस के बरिंदर सिंह ढिल्लों भी बुलाए जाते रहे, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री राज्य सरकार के हेलीकाप्टर पर सवार होकर सुनाम गए। वहीं, उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को इस समारोह में शामिल होने का न्योता नहीं दिया।

ऊधम सिंह की डायरी व पिस्टल को भारत लाया जाएगा : कैप्टन

जासं, संगरूर : शहीद ऊधम सिंह के 82वें शहीदी दिवस पर सुनाम में राज्य स्तरीय समागम को संबोधित करते मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह शहीद की डायरी व पिस्टल को यूके से वापस लाने संबंधी पूरे मामले को केंद्रीय विदेश मंत्रालय (भारत सरकार) के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले जद्दोजहद के बाद 40 वर्ष बाद विदेश से शहीद की अस्थियां उनके पुश्तैनी शहर सुनाम पहुंची थीं। अब उनके जनरल ओड्वायर को मारने में इस्तेमाल किए स्काटलैंड में पड़े पिस्टल व निजी डायरी को भी भारत लाया जाएगा। वह भारत सरकार से बात करेंगे कि मामले को ब्रिटिश हाई कमीशन के पास उठाएं। पंजाब सरकार यादगार को विश्व स्तरीय ऐतिहासिक यादगार के तौर पर बनाना चाहती है। करीब 10 मिनट के भाषण में कैप्टन ने कोई राजनीतिक बात नहीं की। इस मौके पर सीएम ने शहीद ऊधम सिंह को श्रद्धांजलि भेंट की व उनकी याद में बने म्यूजियम का लोकार्पण किया गया।

असम में कांग्रेस को झटका, विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दिया

सियासत ▸ दो अगस्त को भाजपा में शामिल हो सकते हैं सुशांत बोरगोहेन

पार्टी ने दिया कारण बताओ नोटिस

गुवाहाटी, एएनआइ : असम में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी विधायक सुशांत बोरगोहेन ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि ऊपरी असम की थोवरा सीट से चुने गए बोरगोहेन ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दिया। उन्हें पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अपूर्ब कुमार भट्टाचार्य ने बोरगोहेन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

समाचार एजेंसी प्रेट्र के मुताबिक, असम में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने असम विस अध्यक्ष बिस्वजीत दैमरे को सुशांत को दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने के लिए पत्र लिखा है। विस में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने दैमरे को लिखे पत्र में भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने और बोरगोहेन को अयोग्य ठहराने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि बोरगोहेन दो अगस्त को भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

मप्र में कांग्रेस को लग सकता है झटका

धनंजय प्रताप सिंह, भोपाल

मध्य प्रदेश में तीन विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारियों को पुख्ता करने में जुटी कांग्रेस की किलेबंदी में सेंध लग सकती है। वरिष्ठ नेताओं के वर्चस्व की लड़ाई में उपचुनाव से पहले एक झटका लगभग वैसा ही लग सकता है, जैसा ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने से लगा था। दरअसल, भाजपा उपचुनाव में जीत के दावेदार कांग्रेस नेताओं के संपर्क में है। खंडवा लोकसभा सीट को लेकर पूर्व सांसद व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे अरुण यादव की नाराजगी की बात सामने आ रही है, वहीं पृथ्वीपुर विधानसभा सीट पर कई बार विधायक रहे स्व. बृजेंद्र सिंह राठौर के पुत्र नीतेंद्र से भाजपा नेताओं की मुलाकात की चर्चा है।

खंडवा से अरुण यादव की तगड़ी दावेदारी मानी जा रही है, उधर भाजपा के पास मजबूत विकल्प का अभाव है। हालांकि, अरुण यादव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ सहज नहीं हैं। दरअसल, अरुण यादव की कथित नाराजगी की कई वजह हैं। कमल नाथ ने कहा था कि सर्वे के आधार पर टिकट दिया जाएगा, जबकि अरुण यादव खंडवा के जमीनी नेता हैं। वह यहां से सांसद रहे हैं। केंद्रीय मंत्री भी बने। उनका प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का साढ़े चार साल का कार्यकाल रहा। अगर उन्हें चुनाव में उतरने का आश्वासन मिलता तो वह तैयारी में जुट जाते। अब जो वक्त तैयारी का है, संगठन उसे अंदरूनी सियासत में जाया कर रहा है। यादव की नाराजगी तब और बढ़ गई जब पत्नी के लिए टिकट मांगने वाले निर्दलीय विधायक सुरेश सिंह शेरा समर्थकों के साथ कमल नाथ से मिलने आए तो उन्हें खूब तवज्जो मिली। एक अन्य वजह यह भी है कि कमल नाथ से जब अरुण यादव को चुनाव में उतारने पर सवाल हुआ तो उनका जवाब था कि उन्होंने (अरुण यादव) मुझसे न कभी कहा, न कभी इच्छा जाहिर की।

> कांग्रेस में कहीं भी, किसी भी प्रकार का असंतोष नहीं है। उपचुनाव में हमारी जीत से भयभीत भाजपा अपने चरित्र के अनुरूप आपदा में अवसर खोज रही है। उसे हताशा ही हाथ लगेगी।
> –केके मिश्रा, महासचिव (मीडिया), मध्य प्रदेश कांग्रेस

उधर, यादव की नाराजगी में भाजपा को अवसर नजर आ रहा है। उसने अपने दूत यादव से संपर्क के लिए दौड़ा दिए हैं। भाजपा इस मामले में कांग्रेस को दो तरफ से घेरने की कोशिश में है। पहला यह कि यदि अरुण यादव भाजपा में आ जाते हैं, तो कांग्रेस को बड़ा झटका लगेगा, यदि वे कांग्रेस में ही रहते हैं तो ऐसी कवायद से उनकी निष्ठा सवालों के घेरे में आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस में अंदरूनी बिखराव होगा, जिसका फायदा भाजपा को मिल सकेगा।

पृथ्वीपुर विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक बृजेंद्र सिंह राठौर के निधन से रिक्त हुई है। राठौर कद्दावर नेता थे। उनके निधन से लोगों की सहानुभूति राठौर परिवार के प्रति है। यहां से संभावित प्रत्याशी उनके बेटे नीतेंद्र सिंह राठौर हैं।

सोनिया के निर्देश पर गहलोत के चुनावी वादों की समीक्षा

जागरण संवाददाता, जयपुर

▸ छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री और घोषणा-पत्र क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष ताम्रध्वज साहू ने की सीएम संग बैठक

राजस्थान में सत्ता और संगठन में फेरबदल से पहले अशोक गहलोत सरकार से कांग्रेस के चुनाव घोषणा-पत्र में किए गए वादों को पूरा करने को लेकर हिसाब मांगा गया है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर उनसे पूछा गया है कि अब तक कितने वादे पूरे हुए हैं।

वादों की समीक्षा करने के लिए छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री और घोषणा-पत्र क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष ताम्रध्वज साहू व समिति के सदस्य सांसद अमर सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें गहलोत सरकार के ढाई साल के कार्यकाल में पूरे किए गए वादों पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि 64 फीसद वादों पर काम पूरा हो गया। 28 फीसद को पूरा करने पर काम जारी है। शेष आठ फीसद वादों पर अब काम शुरू होगा। साहू और सिंह ने गहलोत के साथ अलग से भी बैठक की।

इसके बाद साहू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सोनिया गांधी के निर्देश पर वह यहां आए हैं। घोषणा-पत्र में किए गए वादों के क्रियान्वयन की जानकारी लेने के बाद उनको रिपोर्ट दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पहली बार किसी सरकार ने चुनाव घोषणा-पत्र में किए वादों का हिसाब दिया है। सरकार ने दो साल के कार्यकाल में ही 52 फीसद वादे पूरे कर लिए थे, जबकि डेढ़ साल कोरोना संक्रमण की चपेट में रहा है। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने से पहले सरकार सभी वादे पूरे कर देगी।

ममता के दौरे के बाद अब दिलीप व सुवेंदु करेंगे दिल्ली का रुख

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ बंगाल में विपक्ष के नेता अधिकारी करेंगे राष्ट्रपति से मुलाकात, देंगे चुनाव बाद हिंसा की जानकारी

▸ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष घोष पीएम से मिलकर बंगाल के मौजूदा हालात से कराएंगे अवगत

बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद अब प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप घोष व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी दिल्ली का रुख करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों अगले हफ्ते दिल्ली रवाना होंगे। सुवेंदु अधिकारी पार्टी के 10 विधायकों के साथ राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से मिलेंगे और उन्हें बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा की घटनाओं की जानकारी देंगे। दिलीप घोष अगले दो-तीन दिनों में पार्टी के कुछ राज्यसभा सदस्यों व लोकसभा सदस्यों के साथ दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उन्हें बंगाल के मौजूदा हालात से अवगत कराएंगे।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी शुक्रवार को ही पांच दिवसीय दिल्ली दौरा खत्म कर कोलकाता लौटी हैं। उसके बाद बंगाल भाजपा के दो शीर्ष नेताओं का दिल्ली दौरा महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। ममता ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अभी से भाजपा विरोधी दलों को लामबंद करने की कोशिश शुरू कर दी है।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष ने ममता पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें हर दो महीने में क्यों, हर महीने दिल्ली जाना चाहिए। दिलीप का यह बयान ममता द्वारा एक दिन पहले पांच दिवसीय दिल्ली दौरे के बाद कोलकाता लौटने से पहले दिए उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब वह हर दो महीने में दिल्ली आएंगी। भाजपा नेता ने साथ ही नसीहत भी दी कि ममता पहले बंगाल संभालें, फिर दिल्ली देखें। घोष ने इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस की ओर से बंगाल में सात विस सीटों पर जल्द से जल्द उपचुनाव कराए जाने की लगातार की जा रही मांग को लेकर भी तंज कसा। कहा कि ममता बनर्जी को सीएम पद पर बने रहने के लिए उपचुनाव की इतनी हड़बड़ी है।

विंध्य की पहाड़ियों में आज रोप-वे की सौगात देंगे शाह

सतीश रघुवंशी, मीरजापुर : विंध्य की पहाड़ियों पर पूर्वांचल के पहले रोप-वे से देश-दुनिया के श्रद्धालु 260 फीट की ऊंचाई से विंध्यधाम, अष्टभुजा व कालीखोह के साथ ही गंगा की छटा निहार सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को रोप-वे का उद्घाटन करेंगे। पर्यटकों को विंध्याचल की धार्मिक महत्ता व अपूर्व प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू कराने के लिए विंध्य पर्वत पर रोप-वे का निर्माण कराया गया है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने 16.50 करोड़ की लागत से रोप-वे का निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) माडल पर दिल्ली की ग्लोरियस इंपेक्स प्रा. लि. कंपनी से कराया है। इसका निर्माण वर्ष 2014 में शुरू हुआ और फरवरी, 2020 में पूरा हुआ। तब से रोप-वे को उद्घाटन का इंतजार था, जो अब पूरा हो रहा है।

रोप-वे इंचार्ज सौरभ मिश्रा ने बताया कि रोप-वे में छह अष्टभुजा में तो चार केबिन कालीखोह में लगाए गए हैं। अष्टभुजा के रोप-वे की लंबाई 297 मीटर व कालीखोह रोप-वे की लंबाई 167 मीटर है।

मेकेदातु परियोजना पर तमिलनाडु और कर्नाटक के भाजपा नेता आमने-सामने

नई दिल्ली, प्रेट्र : कर्नाटक के मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता बासवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि पड़ोसी तमिलनाडु के विरोध के बावजूद राज्य मेकेदातु परियोजना के लिए मंजूरी हासिल करेगा। कर्नाटक कावेरी नदी पर इस पेयजल परियोजना को जरूर लागू करेगा। उधर, भाजपा की तमिलनाडु इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने इस फैसले का विरोध किया है। तमिलनाडु भाजपा ने कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पांच अगस्त को एक दिवसीय भूख हड़ताल का एलान किया है।

बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा, 'वह (अन्नामलाई) अपना काम करेंगे। अन्नामलाई की भूख हड़ताल से हमारा लेनादेना नहीं है।' उन्होंने कहा कि कावेरी के पानी पर कर्नाटक का पूरा अधिकार है और वह मेकेदातु परियोजना को निश्चित तौर पर लागू करेंगे। सीएम ने बताया, 'राज्य ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी है। हम इसके लिए मंजूरी प्राप्त करेंगे। चाहे कई भूखे रहे या खाए।'

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, बोम्मई ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक को 11,400 करोड़ रुपये का लंबित जीएसटी मुआवजा जारी करने पर सहमति दी है। उन्होंने राज्य को 18 हजार करोड़ रुपये का कर्ज प्रदान करने का भी भरोसा दिया है।

कैबिनेट विस्तार जल्द : बासवराज बोम्मई

सीएम बासवराज बोम्मई ने शाम में बेंगलुरु में कहा कि कैबिनेट विस्तार के संबंध में भाजपा हाईकमान से दो दिनों में संदेश प्राप्त हो सकता है। इसके बाद वह फिर दिल्ली जाएंगे और कैबिनेट को अंतिम रूप देंगे। बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा, 'कैबिनेट विस्तार जल्द होगा। भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है और विचार-विमर्श के बाद ही इस संबंध में ठोस फैसला लिया जाएगा।' उधर, राज्य कैबिनेट में जगह पाने के लिए विधायक व पूर्व मंत्री पूरी ताकत लगा रहे हैं। कुछ दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं तो एमपी रेणुकाचार्य व मुनिरत्न आदि ने पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा से मुलाकात की। हावेरी से तीसरी बार विधायक चुने गए नेहरू ओलेकर ने यह कहते हुए मंत्री पद पर दावेदारी की है कि भाजपा ने उनके समुदाय से अब तक किसी को मौका नहीं दिया, जबकि कांग्रेस ने दिया है। केएस ईश्वरप्पा ने तो यहां तक कह दिया कि लोग फोन करके कह रहे हैं कि येदियुरप्पा के बाद उन्हें मुख्यमंत्री होना चाहिए था। बता दें कि बोम्मई ने बुधवार को ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद संभाला है।

विवादित बोल

इंटरनेट मीडिया पर कांग्रेस मप्र के मंत्री के बयान के खिलाफ हुई हमलावर, पूछा- क्या कोरोना काल में मौतों के लिए भी नेहरू जिम्मेदार

महंगाई के लिए नेहरू का भाषण जिम्मेदार : सारंग

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने महंगाई बढ़ने के लिए 15 अगस्त,1947 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिए गए भाषण को जिम्मेदार बताया है। इसके बाद कांग्रेस नेता इंटरनेट मीडिया पर हमलावर हो गए हैं। कांग्रेस-भाजपा समर्थकों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चुटीले कमेंट भी किए जा रहे हैं।

मीडिया से चर्चा में सारंग ने कहा कि देश में महंगाई बढ़ाने का श्रेय नेहरू परिवार को जाता है। महंगाई एक-दो दिन में नहीं बढ़ती। 15 अगस्त, 1947 को लाल किले की प्राचीर से जवाहरलाल नेहरू ने जो भाषण दिया था, उसी की गलती के कारण देश की अर्थव्यवस्था बिगड़ी है। मोदी सरकार ने तो अर्थव्यवस्था में सुधार किया है। इस पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री (मीडिया) केके मिश्रा ने ट्वीट किया कि शिवराज सरकार के मंत्री ने महंगाई के लिए नेहरू के भाषण को जिम्मेदार ठहरा दिया। यह भी बता दीजिए कि कोरोना काल में हुई मौतों के लिए भी क्या नेहरू ही जिम्मेदार हैं।

मप्र के मंत्री विश्वास सारंग। फाइल/इंटरनेट मीडिया

प्रदेश कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर भी सारंग के बयान का वीडियो अपलोड किया गया है, जिसे कई कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग कमेंट के साथ रिट्वीट किया। बाद में सारंग ने कहा कि कांग्रेस के मित्र मुझ पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए कि देश में महंगाई का कारण सिर्फ और सिर्फ जवाहरलाल नेहरू परिवार और कांग्रेस की गलत नीतियां थीं। अर्थव्यवस्था की शुरुआत कृषि आधारित होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। नेहरू का विलायत की विचारधारा के प्रति आकर्षण था। उन्होंने इस देश की परंपरा को खत्म करने का काम किया। यदि वह हिंदू संस्कृति को आगे बढ़ाते तो शायद हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था ठीक रहती।

देर रात मंत्री ने दी सफाई

उधर, देर रात मंत्री सारंग ने फोन पर दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया को बताया कि उनका जो वीडियो प्रसारित किया जा रहा है, उसमें कांट-छांट की गई है। उनके बयान का मंतव्य यही था कि अर्थव्यवस्था को कृषि आधारित रखना था और इस बात का जिक्र नेहरू जी को अपने पहले ही भाषण में करना था।

शिकायत मिली तो एक-दो को कौए जैसे टांगना पड़ेगा : कुलस्ते

नईदुनिया, जबलपुर : केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने प्रशासनिक मशीनरी की शिकायत पर कहा कि मेरे पास ऐसी शिकायत आई तो उनकी बदमाशी अब नहीं चलेगी। इसके लिए एक-दो को कौए जैसे टांगना पड़ेगा, चाहे वह सरपंच हो या सचिव। मध्य प्रदेश में सिवनी जिले के आदिवासी अंचल घंसौर पहुंचे कुलस्ते कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। हालांकि, बाद में मीडिया के कैमरे देख मंत्रीजी ने अपनी बातों को सुधारने का प्रयास किया और कहा कि मैं उन्हें धमका नहीं रहा हूं पर मुझे लगता है कि गांव के लोग इतनी शिकायत करते हैं तो शिकायत का समाधान क्या है। कुलस्ते के इस बयान पर सरपंच संघ घंसौर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सरपंच भी जनता से जुड़ा जनप्रतिनिधि ही होता है। मंत्री ने सरपंच, सचिवों के बारे में जो बयान दिया है, वह निंदनीय है।

पहले ही पार्टी छोड़ना चाहते थे

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

राजनीति में आने से पहले गायक के रूप में प्रसिद्ध बाबुल ने इस बात का भी जिक्र किया है कि वह काफी पहले ही पार्टी छोड़ना चाहते थे, लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के रोकने की वजह से उन्होंने अपने फैसले को हर बार वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा को राजनीति छोड़ने के फैसले के बारे में बता दिया था। उन्होंने दोनों नेताओं के प्रति आभार भी जताया और कहा कि मुझे कई मायनों में उन्होंने प्रेरित किया है। मैं उनके प्यार को कभी नहीं भूलूंगा।

पोस्ट के अंत में भावुक अंदाज में लिखा... : बंगाल में भाजपा की बढ़ती ताकत पर बाबुल ने कहा कि अब पार्टी के पास कई नेता मौजूद हैं। नौजवान भी हैं और दिग्गज भी साथ खड़े हैं, ऐसे में अगर कोई अब पार्टी छोड़ भी देता है तो ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला। बाबुल ने अपनी पोस्ट के अंत में भावुक अंदाज में कहा है कि 1992 में बैंक की नौकरी छोड़कर मुंबई भागते वक्त जो किया था, अब फिर मैंने वहीं किया है।

टीएमसी ने बताया ड्रामा, घोष ने निजी फैसला : बाबुल के राजनीति छोड़ने के इस कदम को टीएमसी ने भाजपा के अंदर का ड्रामा करार दिया। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि ये बात किसी से नहीं छिपी है कि मंत्री पद से हटाने के बाद भाजपा ने बाबुल सुप्रियो को भाव नहीं दिया था। वहीं, बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि किसे राजनीति में रहना है और किसे जाना है, ये एक निजी फैसला है।

3.45 लाख अलर्ट मिले 2020 से जून, 2021 के बीच वनों में आग लगने की घटना को लेकर। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआइ) द्वारा बीते तीन साल में भेजे गए अलर्ट में यह सर्वाधिक है।

मौत सामने देख औरतों और बच्चों के पीछे छिप गया गुनाहगार

कार्रवाई ▸ जवानों ने तीन मिनट में दोनों को मार गिराया

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

पुलवामा हमले के साजिशकर्ताओं में शामिल मुहम्मद इस्माइल अल्वी उर्फ लंबू के मारे जाने को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी बताते हुए मेजर जनरल रशिम बाली ने कहा कि सुबह सुरक्षाबलों ने उन ढोक (पहाड़ों व चट्टानों के बीच सुरंगनुमा जगह) को चारों तरफ से घेर लिया, जहां लंबू और समीर डार छिपे थे। मौत को सामने देख दोनों ने वहां मौजूद दो औरतों और चार बच्चों को अपनी ढाल बना फायरिंग की, लेकिन जवानों ने तीन मिनट में ही दोनों को मार गिराया। इस दौरान किसी प्रकार का कोई नागरिक नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि लंबू अक्सर घेराबंदी में फंसने पर बच्चों और औरतों को ढाल बनाकर भाग जाता था।

चार दिन पहले शुरू हुई थी दुष्कर्मी लंबू की घेराबंदी: मेजर जनरल रशिम बाली ने बताया कि लंबू बीते कुछ महीनों से दाचीगाम के ऊपरी हिस्से में तारसर मारसर इलाके में छिपा हुआ था। वह जहां भी जाता, लड़कियों को तंग करता था। कुछ दिन पूर्व उसने इसी इलाके में दो औरतों के साथ दुराचार का प्रयास किया था। इसकी खबर लगते ही हमें उसके ठिकाने का सुराग मिला। 27 जुलाई को जब तेज बारिश शुरू हुई तो उसी दिन उसे मार गिराने का अभियान शुरू किया गया। जवानों ने जानबूझकर उसकी घेराबंदी के लिए एक लंबा रास्ता चुना, ताकि उस तक कोई खबर न पहुंचे।

पुलवामा हमले के पांच साजिशकर्ता अब भी जिंदा जिंदा : कश्मीर के आइजीपी विजय कुमार ने कहा कि पुलवामा हमले में एनआइए ने जिन 19 आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्करों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, उनमें से छह पहले ही मारे जा चुके थे। सात पकड़े जा चुके हैं। लंबू व समीर आज मारे गए। अब पांच ही जिंदा बचे हैं। वह भी जल्द मारे या पकड़े जाएंगे।

मुठभेड़ के दौरान मारा गया पुलवामा हमले का साजिशकर्ता मुहम्मद इस्माइल अल्वी उर्फ लंबू। फाइल फोटो, एएनआइ

अजहर मसूद के भाई रौउफ का करीबी था लंबू

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, लंबू का असली नाम मुहम्मद इस्माइल अल्वी है। वह जैश के सरगना अजहर मसूद के भाई मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर का बहुत करीबी था। कुछ लोग उसे अजहर मसूद का करीबी रिश्तेदार तो कुछ दावा करते हैं कि वह रऊफ असगर का अंगरक्षक रह चुका है। वह बहावलपुर, पाकिस्तान का रहने वाला है। जैश का मुख्यालय भी बहावलपुर में ही है। उसने ही पुलवामा हमले के लिए आदिल डार को आत्मघाती बनने के लिए तैयार किया था। इसके अलावा हमले में इस्तेमाल वाहन बम को भी तैयार करने में उसकी भूमिका अहम थी। लंबू ने ही आदिल डार के चचेरे भाई समीर डार को जैश में भर्ती करते हुए हुए आतंकी ट्रेनिंग दी थी।

लंबू 2017 में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर दाखिल हुआ था।

आइईडी बनाने में माहिर था लंबू : आइजीपी विजय कुमार ने बताया लंबू आइईडी बनाने में माहिर था। वह कश्मीर में नए लड़कों को आइईडी बनाने की ट्रेनिंग भी दे रहा था। बीते साल भी उसने पुलवामा में एक कार आइईडी तैयार की थी। वह भी अफगानिस्तान में तालीबान के साथ मिलकर अमेरिकी सेनाओं के खिलाफ लड़ चुका है।

जम्मू-पुंछ हाईवे पर साजिश विफल, दो आइईडी बरामद

जागरण संवाददाता, राजौरी

स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में हमलों की साजिश रच रहे आतंकी संगठनों के प्रयास को विफल बनाने के लिए पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान पूरी तरह सतर्क हैं। जम्मू संभाग के राजौरी जिले में को ग्रेफ (जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स) शिविर के पास लगाई गई दो आइईडी का सेना व पुलिस ने समय रहते पता लगाकर आतंकियों की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया।

जम्मू-पुंछ हाईवे पर हमले की योजना बनाते हुए आतंकियों ने बथूनी क्षेत्र में ग्रेफ के शिविर के पास दो आइईडी लगाई थीं। यह आइईडी हाईवे पर स्थित एक पुलिया के नीचे रखी गई थी। एक आइईडी का वजन तीन किलो व दूसरी का वजन 500 ग्राम था। शनिवार को सुबह पुलिस को सूचना मिली कि हाईवे के साथ लगते दलोगरा इलाके में कुछ संदिग्ध देखे गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने सेना के संयुक्त दल के साथ इलाके में सर्च आपरेशन शुरू कर दिया। बथूनी इलाका जोकि ग्रेफ शिविर से कुछ ही दूरी पर स्थित है, में सड़क किनारे एक संदिग्ध वस्तु देखी गई। सेना ने जब उसकी जांच की तो उन्हें लगा कि यह आइईडी है। सुबह साढ़े सात बजे के करीब जम्मू-राजौरी हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। उसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। दल में शामिल जवानों ने आइईडी को निष्क्रिय कर दिया। इस प्रक्रिया में करीब तीन घंटे का समय लगा।

भारतीय सीमा में घुस रहे दो पाक घुसपैठियों को मार गिराया

जागरण टीम, तरनतारन : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने शुक्रवार रात दस बजे भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसे दो पाकिस्तानी नागरिकों को ढेर कर दिया। थाना खालड़ा स्थित पोस्ट थेह कलां पर तैनात बीएसएफ की 103 बटालियन के जवानों ने शुक्रवार रात को सीमा पर पाकिस्तान की ओर से हरकत देखी। नाइटविजन कैमरों की मदद से पता चला कि पाक की तरफ से कुछ लोग भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो रहे हैं। बीएसएफ के जवानों ने इन लोगों को पहले चेतावनी दी। मगर वह नहीं रुके। इस पर फायरिंग कर उन्हें मार गिराया गया। शनिवार सुबह आठ बजे बीएसएफ ने इलाके में सर्च अभियान चलाया जो दोपहर दो बजे तक जारी रहा।

तालिबान नहीं करेगा कश्मीर का रुख, यह 1990 नहीं

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

चिनार कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडेय ने शनिवार को एलओसी पार से घुसपैठ की खबरों को नकारते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि तालिबान कश्मीर की तरफ रुख करेगा, क्योंकि यह 1990 नहीं है। कोर कमांडर ने कहा कि इस साल अब तक सरहद पार से कश्मीर में कोई भी घुसपैठ कामयाब नहीं रही है।

डीपी पांडेय जैश कमांडर लंबू व उसके साथी समीर डार के मारे जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कोर कमांडर डीपी पांडेय ने कहा कि लंबू और समीर डार का मारा जाना जैश के लिए एक बड़ा धक्का है। उन्होंने कहा कि वादी में आतंकवाद के समूल नाश के लिए आतंकरोधी अभियान लगातार जारी रहेंगे।

वादी में आतंकियों की संख्या के बारे में पूछे पर उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के हाथों आतंकी लगातार मारे जा रहे हैं। पहले यहां कभी तीन-चार सौ आतंकी सक्रिय रहते थे, इस समय वादी में 200-225 ही आतंकी सक्रिय रह गए हैं।

पिछले साल की तुलना में कम आतंकी मारे गए : इस बीच, कश्मीर के आइजीपी विजय कुमार ने बताया कि बीते साल की तुलना की जाए तो इस साल पहले सात माह में कम आतंकी मारे गए हैं। इस साल अब तक 89 आतंकी मारे गए हैं और इनमें तीन पाकिस्तानी हैं। पिछले साल इन अवधि में करीब 130 आतंकी मारे गए थे।

जो खून-खराबा करने आएगा, मारा जाएगा : हाल ही में बांडीपोरा के शोकबाबा में हुई मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के पाकिस्तान से घुसपैठ किए जाने की तरफ ध्यान दिलाने पर कोर कमांडर पांडेय ने कहा कि इनमें से दो आतंकी 2017-18 के दौरान पासपोर्ट लेकर पाकिस्तान गए थे। यह शायद पिछले साल ही लौटे थे। यह एक नई और खतरनाक साजिश है कि यहां से कश्मीरी नौजवानों को पढ़ाई के नाम पर सही दस्तावेजों के आधार पर पाकिस्तान ले जाकर आतंक की ट्रेनिंग दी जाती है। हमारी जानकारी के मुताबिक, करीब 40 लड़के पासपोर्ट लेकर आतंकी बनने गए हैं। इनमें से 27 मारे जा चुके हैं। जो सही रास्ते से और सही मकसद से लौटेगा, उसका हम स्वागत करेंगे जो हथियार लेकर खून खराबा करने आएगा, मारा जाएगा। वहीं आइजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि इन 40 में से बचे 13 आतंकियों में से कुछ अपने स्वजन से लगातार संपर्क में हैं। हम उन पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं।

न्यूज गैलरी

परिणाम : उत्तर प्रदेश में 100 वर्षों का रिकार्ड टूटा

लखनऊ : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा के नतीजे आने के अगले ही दिन उप्र, उत्तराखंड सहित कई राज्यों ने हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के रिजल्ट घोषित कर दिए। कोरोना संक्रमण की वजह से बगैर परीक्षा के ही परिणाम घोषित किए गए हैं। उप्र में बोर्ड के 100 वर्ष के इतिहास में पहली बार हाईस्कूल में 99.53 व इंटरमीडिएट में 97.88 फीसद विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। इंटर में 99.56 प्रतिशत और हाईस्कूल में 99.09 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे। जो पिछले साल की तुलना में क्रमशः 19.30 प्रतिशत 12.18 प्रतिशत अधिक है। (राब्यू)

मिजोरम विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच शुरू

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एएनआइ) ने मिजोरम विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय द्वारा मामले की जांच सौंपे जाने के बाद आतंक विरोधी एजेंसी ने गुरुवार को यह मामला अपने हाथों में लिया और केस दर्ज किया। यह मामला 26 जुलाई को मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद शुरू होने के बाद दर्ज किया गया था। इस मामले में असम राइफल्स ने 22 जुलाई को म्यांमार ले जाया जा रहा विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया था। (एएनआइ)

गधी के दूध में मिलने वाले पोषक तत्वों का पता लगाएंगे

हिसार : जल्द ही यह जाना जा सकेगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गधी का दूध कितना फायदेमंद होता है। देश में पहली बार हिसार के राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र (एनआरसीई) में गधी के दूध पर शोध शुरू किया जा रहा है। विज्ञानी इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों और माइक्रो न्यूट्रिएंट का पता लगाएंगे। एनआरसीई में इस डेयरी को खोलने के लिए पहले ही योजना तैयार कर ली गई थी। 18 पशु मंगाए गए थे, जिनमें गुजरात से हलारी नस्ल की गधी भी थीं। मगर कोविड के कारण डेयरी शुरू नहीं हो सकी। अब शुक्रवार को इसकी शुरुआत की गई। डेयरी का नाम जेनी (गधी) दूध डेयरी रखा गया है। (जासं)

मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पर फिर दरका पहाड़, मलबे में दबे तीन वाहन

जागरण संवाददाता, मंडी

मनाली-चंडीगढ़ हाईवे मंडी जिले के सात मील में शुक्रवार रात पहाड़ दरकने से तीन वाहन मलबे की चपेट में आ गए। इससे तीन चालकों को चोटें आई हैं। कई लोगों ने भागकर जान बचाई। हाईवे बंद होने से पर्यटकों व लोगों ने रात वाहनों में या सड़क पर बैठ कर गुजारी। 14 घंटे तक सैकड़ों लोग भूखे प्यासे हाईवे बहाल होने का इंतजार करते रहे। शनिवार सुबह दो पोकलेन से मार्ग बहाल करने में पांच घंटे का समय लग गया। दोपहर बाद साढ़े 12 बजे हाईवे पर यातायात बहाल होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

हाईवे बंद होने की सूचना मिलने के बाद मंडी व कुल्लू जिला प्रशासन ने मालवाहक वाहनों को बजौरा, नागचला में रोक अन्य वाहनों को वैकल्पिक मार्ग मंडी कमांद कटौला होकर कुल्लू व मंडी भेजा। 14 घंटे बाद सात मील में पहले ही हाईवे बहाल कर दिया गया है, लेकिन खतरा अब भी बना हुआ है। यहां फोरलेन का निर्माण कर रही एक कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही फिर सामने आई है। करीब एक माह से सात मील में लगातार पहाड़ दरक रहा है। इससे रोजाना यहां मार्ग बाधित हो रहा है। लोगों की जान पर खतरा हर समय मंडरा रहा है। किसानों व बागवानों को अपने उत्पाद मंडियों तक पहुंचाना पहाड़ जैसी चुनौती बन गया है।

बल्ह उपमंडल के स्यांह गांव का रहने वाला जीप चालक श्याम लाल शुक्रवार रात कुल्लू से अपनी जीप में सब्जी की खेप लेकर आ रहा था। जैसे ही वह रात साढ़े दस बजे के करीब सात मील में पहुंचा अचानक पहाड़ दरकने से चट्टानें व मलबा जीप पर गिर गया।

19 लोगों का नहीं लगा सुराग

संस, किश्तवाड़ : जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले की दक्षन तहसील के हंजर गांव में बादल फटने से लापता 19 लोगों का शनिवार को चौथे दिन भी कोई सुराग नहीं लग पाया। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस व स्थानीय लोग राहत व खोज अभियान में जुटे हुए हैं।

सुरक्षित लौटे ट्रैक पर गए पर्यटक

जासं, मनाली : लाहुल घाटी के घेपन झील ट्रैक से लापता हुए तीनों पर्यटक सुरक्षित लौट आए हैं। लाहुल स्पीति पुलिस ने इन्हें तलाशने की तैयारी कर ही रही थी कि सभी शाम को सुरक्षित होटल पहुंच गए।

बारिश से झारखंड भी बेहाल

जल निकासी का अच्छा प्रबंध न होने से सड़कें कुछ ही घंटों की बारिश से तालाब में तब्दील हो जा रही हैं। झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार को हुई बारिश के बाद कुछ इस तरह दिखी शहर की तस्वीर। प्रेट्र

अगले चार दिनों में उत्तर व मध्य भारत में होगी तेज बारिश

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने शनिवार को बताया कि उत्तर व मध्य भारत के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होगी। राजस्थान व मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। वहीं, एक से दो अगस्त के बीच पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश की संभावना है, जबकि कुछ जगहों पर बहुत तेज बारिश भी हो सकती है। निम्न दबाव का क्षेत्र और एक मानसूनी प्रवाह के कारण एक अगस्त को मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

मानसून की चाल

मानसून को दो महीने बीत गए हैं। अब तक देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य बारिश हुई है। वहीं कुछ हिस्से कम और कुछ हिस्से बहुत ज्यादा बारिश का भी सामना कर रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के आधार पर प्रमुख राज्यों में पहली जून से 31 जुलाई तक हुई बारिश की स्थिति पर एक नजर :

178 लोग रेस्क्यू, मुख्यमंत्री पहुंचे लाहुल

जागरण संवाददाता, मनाली

बादल फटने से बाढ़ प्रभावित लाहुल-स्पीति जिले में शनिवार को भी झूला पुल व रस्सी के सहारे रेस्क्यू अभियान चला। जाहलमा व शांशा में झूले की व्यवस्था कर 178 लोगों को रेस्क्यू किया। सभी लोग उदयपुर की पट्टनघाटी से निकाले गए। कुछ पर्यटक भी हिम्मतकर झूले से अपने गंतव्य तक पहुंचे हैं। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार 37 लोग जाहलमा, 14 लोग फूडा और 15 लोग शांशा में फंसे हुए हैं।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी शनिवार देर सायं सड़क से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लेने लाहुल-स्पीति पहुंच गए। उन्होंने पटन वैली में राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों से सड़क सुचारू करने व क्षतिगस्त पुलों की जगह वैकल्पिक व्यवस्था करने व राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

प्रदेश का हाल

- मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पर शुक्रवार देररात सात मील में दरका पहाड़, तीन वाहन मलबे की चपेट में आ गए। 14 घंटे बाद यातायात बहाल
- शिमला के रुलदूभट्ठा में ढारा गिरने से नौ साल की बच्ची घायल।
- मंडी शहर की टारना पहाड़ी दरकी, 25 परिवार खतरे की जद में।
- चंबा-भरमौर एनएच धरवाला के निकट भूस्खलन से पौने दो घंटे बंद रहा।
- पांवटा-हाटकोटी एनएच पर हो रहा भूस्खलन।
- प्रदेश में जुलाई में 2005 के बाद सबसे अधिक बारिश हुई।
- 378 सड़कें बंद, 107 पेयजल योजनाएं प्रभावित।

16 घंटे लहरों से संघर्ष... 20 किमी बही, पर अंतत : जीती जिंदगी

संवाद सूत्र, कुरारा (हमीरपुर)

रात का घुप अंधेरा, चारों ओर अथाह पानी और बीच भंवर में फंसी जिंदगानी। 16 घंटे तक यमुना की हाहाकारी लहरों से जीवन संघर्ष के दौरान डूबती-उतराती वह 20 किमी बही, पर अंततः हौसले के आगे मौत ने हार मान ली और जिंदगी जीत गई। इस दौरान एक लकड़ी 'डूबते को तिनके का सहारा' बनी और वह जीत गई।

लकड़ी के सहारे महिला ने अदम्य साहस दिखाते हुए जिस तरह से मौत को मात दी, उसने लोगों को हालीवुड फिल्म टाइटेनिक की याद दिला दी। फिल्म की नायिका जहाज डूबने के बाद लकड़ी के सहारे समुद्री लहरों के थपेड़ों से अपनी जान बचाने के लिए घंटों जूझती है और बाद में उसे बचा लिया जाता है।

कमोबेश कुछ ऐसा ही जालौन के कदौरा थानाक्षेत्र के लोची का डेरा (शारदा नगर) निवासी स्व. सुदर्शन यादव की 55 वर्षीय पत्नी जयदेवी के साथ हुआ। गुरुवार शाम करीब पांच बजे खेत से लौटते समय पैर फिसलने से वह कलिंदर नाले में गिरीं तो बहकर यमुना में पहुंच गईं। इसी बीच लकड़ी का बड़ा सा टुकड़ा दिखा तो हिम्मत करके उसे पकड़ लिया। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे मनकी गांव के पास चौकीदार रामसजीवन की निगाह पड़ी तो मछुआरों की मदद से बाहर निकलवाया। वह बेहोश थीं। चौकीदार ने बताया कि तेज बहाव से महिला की साड़ी तक बह गई, लेकिन चप्पलें पैर अकड़ने के कारण चिपकी मिलीं। चौकी इंचार्ज भारत यादव ने बताया कि महिलाओं ने गर्म तेल की मालिश के साथ उन्हें आग भी तपाई। होश में आने पर चाय पिलाई गई, तब उन्होंने आपबीती सुनाई। जय देवी ने बताया, तेज धारा में पहुंचते ही आंखें बंद कर लेती थीं और मुंह बंद रखा। इससे पानी अंदर नहीं गया। लकड़ी के सहारे हाथ-पांव चलाती रही। फिर पता नहीं कब बेहोश हो गई।

...तो रात में बच गई होतीं जयदेवी

उधर, पता चला है कि लकड़ी के सहारे बहती महिला को गुरुवार देर रात हरौलीपुर गांव के सामने ग्रामीणों ने देखा था, लेकिन वो भूत-भूत चिल्लाते हुए भाग गए। उस समय लोग जागरूकता दिखाते तो रात में ही बचाया जा सकता था।

लखनऊ में दो मंदिरों सहित संघ कार्यालय को उड़ाने की धमकी

जासं, लखनऊ : लखनऊ के दुबग्गा और मड़ियांव से पकड़े गए आतंकियों को छुड़ाने के लिए अराजकतत्वों ने अलीगंज के नए हनुमान मंदिर व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय के अलावा मनकामेश्वर मंदिर को भी पत्र भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी है। सेवादार से मिली सूचना के बाद महंत देव्या गिरि ने शनिवार को पुलिस को इसकी जानकारी दी। खुफिया विभाग और पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की पड़ताल की। धमकी भरे पत्र त्रिवेणीनगर स्थित डाकघर से भेजे गए हैं।

खुफिया एजेंसियां डाकघर और उसके आसपास लगे सीसी कैमरे भी खंगाल रही हैं। पत्र में लिखा है, दुबग्गा और मड़ियांव से जिन मुजाहिदों को गिरफ्तार किया गया है उन्हें 14 अगस्त तक रिहा कर दिया जाए। वरना, 15 अगस्त को कहर बरपाया जाएगा। 10 लोगों की सूची तैयार है उसमें कुछ आरएसएस के बड़े पदाधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

अपहरण कर नाबालिग से दुष्कर्म के बाद कराया था मतांतरण

जासं, हापुड़ : पांच दिन पहले थाना हाफिजपुर क्षेत्र के एक गांव से अपहृत हुई 13 वर्षीय किशोरी के बरामद होने के बाद मेडिकल जांच के आधार पर उससे दुष्कर्म किए जाने पुष्टि हुई है। इतना ही नहीं आरोपितों ने उसका मतांतरण भी कराया था। शुक्रवार देर शाम पुलिस ने किशोरी को बरामद कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया था। हालांकि अभी इस मामले में लिप्त तीन आरोपितों का सुराग नहीं लगा है। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है।

बता दें कि हाफिजपुर क्षेत्र के एक गांव से 26 जुलाई को 13 वर्षीय नाबालिग का गांव निवासी दूसरे समुदाय के चार लोगों ने अपहरण कर लिया था। गुरुवार शाम पीड़ित पक्ष के लोग एकत्र होकर एसपी कार्यालय पहुंचे थे। जहां उन्होंने नाबालिग से दुष्कर्म व मतांतरण कराने की आशंका व्यक्त की थी।

अदाणी के विरोध के चक्कर में 400 युवक बेरोजगार

मुनीश शर्मा, लुधियाना

15 हजार से चार लाख तक वेतन पा रहे थे यहां काम करने वाले कर्मचारी

पंजाब में किसान भले ही कृषि कानूनों का गुस्सा अदाणी और रिलायंस ग्रुप के प्रतिष्ठानों पर निकाल रहे हों, लेकिन इसका सबसे ज्यादा नुकसान उनके अपने बच्चों पर ही पड़ रहा है। किलारायपुर स्थित अदाणी ग्रुप का लाजिस्टिक पार्क बंद होने से आसपास के गांवों के 400 से ज्यादा युवा बेरोजगार हो गए हैं। खास बात यह है कि इनमें ज्यादातर उन्हीं किसानों के बच्चे हैं, जो तीन कृषि कानूनों के विरोध में अदाणी व रिलायंस ग्रुप के प्रतिष्ठानों के सामने सात माह से धरने दे रहे हैं।

यहां काम करने वाले कर्मचारियों को 15 हजार से लेकर चार लाख रुपये तक का मासिक वेतन मिल रहा था। सात माह से जारी किसानों के धरने के कारण यहां काम लगातार प्रभावित हो रहा था। इसी के चलते इसे बंद करने का निर्णय लिया गया। बेरोजगार हुए युवकों में पढ़े-लिखे युवा और श्रमिक शामिल हैं। अब उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। युवाओं को एक सप्ताह पहले ही प्रबंधन ने अपना हिसाब-किताब कर लेने का संकेत दिया था।

लाजिस्टिक पार्क में ट्रांसपोर्ट मैनेजर के रूप में तैनात राजीव शर्मा ने कहा, 'यह एक दुखद फैसला है। इससे हमारा भविष्य अंधकारमय हो गया है। बेरोजगार होने वाले ज्यादातर युवा आसपास के गांवों से हैं। इनमें काफी युवा छोटे किसान परिवार से हैं।' एक अन्य युवा ने बताया कि उन्हें 2018 में नौकरी मिली थी और उनका घर परिवार अच्छा चल रहा था।

अब प्रबंधन के हाथ खड़े करने के बाद कुछ समझ में नहीं आ रहा। लाजिस्टिक पार्क 2018 में शुरू हुआ था तो प्रबंधन ने बाहर से कर्मचारियों को लाने के बजाय लोकल स्तर पर बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी दी थी।

जज हत्याकांड की होगी सीबीआइ जांच, झारखंड सीएम ने की अनुशंसा

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड सरकार ने न्यायाधीश उत्तम आनंद की मौत मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया गया है। शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सीबीआइ जांच की अनुशंसा कर दी है। इसके पहले मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया था। न्यायाधीश की सरेआम हत्या पर झारखंड हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गंभीर है। राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से जांच और कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। वहीं झारखंड हाईकोर्ट ने भी सरकार को निर्देश दिया कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाय।

मार्निंग वॉक के दौरान हुई थी घटना: धनबाद में 28 जुलाई की सुबह मार्निंग वॉक के दौरान एक ऑटो के टक्कर से धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तम आनंद की मौत का मामला सामने आया था। जज की पत्नी ने इस मामले में हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं हाई कोर्ट ने भी सीसीटीवी के फुटेज देखकर इसे जान-बूझ कर की गई हत्या बताया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त आटो को जब्त कर उसके चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया था।

दोषियों की गिरफ्तारी के लिए एसआइटी का गठन किया गया था। उधर, आटो के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों ने नशे की हालत में टक्कर मारे जाने की बात कही है। पुलिस की जांच अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है, वहीं अब तक हत्या की साजिश का भी पर्दाफाश नहीं हो सका है। पुलिस टेंपो के मालिक की भी तलाश कर रही है।

न्याय की आस

- चार दिन पहले धनबाद में सैर कर रहे न्यायाधीश उत्तम आनंद को टेंपो चालक ने टक्कर मार कर ले ली थी जान
- सरकार ने जांच के लिए एसआइटी का किया था गठन, मामले पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी है गंभीर

परिजनों ने सरकार के प्रयास पर जताया था संतोष :

दिवंगत न्यायाधीश उत्तम आनंद के स्वजनों ने एक दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने इस दु:खद घटना के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा था कि सरकार इस दु:ख की घड़ी में उनके साथ है। मामले की जांच को लेकर राज्य सरकार गंभीर है और त्वरित गति से इस घटना का अनुसंधान पूरा कर स्वजनों को न्याय दिलाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

जांच में पता चले रीयल इस्टेट कंपनी व अभिनेता की पत्नी के संबंध

जागरण संवाददाता, कानपुर

पान मसाला कारोबारी पर मारे गए छापे के बाद आयकर विभाग के अधिकारी नोएडा स्थित जिस रीयल इस्टेट कंपनी तक पहुंचे उससे एक बड़े फिल्म अभिनेता की पत्नी के भी संबंध मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल उनका जुड़ाव तीन वर्ष के लिए है और वह इंटीरियर डेकोरेशन और इंटीरियर डिजाइनिंग का काम करती हैं।

इस छापे के दौरान आयकर अधिकारियों को मुखौटा कंपनियों के जरिए रीयल इस्टेट में 250 करोड़ रुपये से ज्यादा धन आने की जानकारी मिली है। साथ ही पता चला है कि करीब 150 करोड़ रुपये पान मसाला कारोबार में मुखौटा कंपनियों से आए। आयकर अधिकारियों का मानना है कि यह कानपुर की टीम का अब तक का सबसे बड़ा छापा है।

आयकर विभाग ने छापे के दौरान पान मसाला कारोबारी के कानपुर स्थित पान मसाला कारोबार और दिल्ली स्थित रीयल इस्टेट कारोबार पर कार्रवाई की थी। इससे ही आयकर अधिकारी नोएडा बेस एक अन्य रीयल इस्टेट कंपनी तक पहुंची थी। यह कंपनी रजिस्ट्रार आफ कानपुर में पंजीकृत है और अगस्त, 2012 में उसकी शेयर कैपिटल 71 करोड़ से अधिक थी।

कंपनी रीयल इस्टेट के क्षेत्र में किस तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाजा इससे लग सकता है कि इस समय कंपनी के 11 रेजीडेंशियल और छह कामर्शियल प्रोजेक्ट नोएडा, दिल्ली और आसपास चल रहे हैं। इनमें से दो बड़े प्रोजेक्ट में एक फिल्म अभिनेता की पत्नी का नाम आने के बाद आयकर विभाग के अधिकारी इसे और गंभीरता से देख रहे हैं। इसके चलते छापे की कार्रवाई चौथे दिन भी जारी है।

खुलने लगे राज

- कानपुर के पान मसाला कारोबारी के यहां चल रही आयकर की कार्रवाई
- मुखौटा कंपनियों के जरिये रीयल इस्टेट प्रोजेक्ट्स में 250 करोड़ से ज्यादा लगाए

देश में वास्तविक कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 30 गुना ज्यादा

दावा ▶ चौथे सीरो सर्वे के आधार पर महामारी रोग विशेषज्ञ डा. लहारिया ने किया आकलन

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में कोरोना संक्रमितों की वास्तविक संख्या 30 गुना ज्यादा है जो मौजूदा 3.16 करोड़ के आंकड़े के हिसाब से 90 करोड़ बैठती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के चौथे सीरो सर्वे के आंकड़ों के आधार पर स्वतंत्र महामारी रोग विशेषज्ञ डा. चंद्रकात लहारिया ने यह दावा किया है। उनके मुताबिक प्रत्येक कोरोना संक्रमित पर 30 मामले छूट गए या उनका पता ही नहीं चल पाया।

हालांकि, डा. लहारिया ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि जानबूझकर मामलों को दर्ज नहीं किया गया। उनके इस विश्लेषण से मामलों पर निगरानी रखने के लिए बनाई गई प्रणाली के प्रदर्शन का पता चलता है। साथ ही यह भी मालूम होता है कि किस राज्य ने संक्रमितों का पता लगाने में कितनी सक्रियता दिखाई। देश के 70 जिलों में कराए गए चौथे सीरो सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक 67.6 फीसद लोगों में कोरोना के खिलाफ एंटीबाडी मिली थी। किसी वायरस से संक्रमित होने या उसका टीका लगाने के बाद शरीर में उस वायरस के खिलाफ एंटीबाडी बनती है। डा. लहारिया ने कहा अगर बेहतर तरीके से संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की तलाश की गई होती तो बिना लक्षण वाले मामले भी पकड़ में आ गए होते।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा और केरल में सबसे कम अंतर: विश्लेषण के अनुसार, देश में प्रयोगशाला की जांच में संक्रमित पाए गए प्रत्येक मामले पर अप्रमाणित या अनिर्धारित मामलों की संख्या 6 से 98 तक थी। प्रमाणित और अप्रमाणित मामलों के बीच सबसे ज्यादा 98 का अंतर उत्तर प्रदेश में रहा। यानी राज्य में प्रत्येक कोरोना केस पर 98 मामले छूट गए या पकड़े नहीं गए। केरल में यह अंतर सबसे कम छह का रहा। इसी तरह मध्य प्रदेश में प्रत्येक केस पर 83 मामले, झारखंड में 63, राजस्थान में 62, गुजरात में 61 और बिहार में 59 मामले छूट गए या उनका पता नहीं चल पाया।

सूरत में टीका लगवाने के लिए एक टीकाकरण शिविर में लोगों की भीड़ नजर आई। प्रेट्र

सीरो सर्वे के लिए सैंपल वैज्ञानिक तरीके से लिए

डा. लहारिया ने यह भी कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सीरो सर्वे के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 21 राज्यों से वैज्ञानिक तरीके से सैंपल लिए गए थे और उसमें 67.6 फीसद लोगों में सीरो पाजिटिविटी पाई गई थी और इसको लेकर किसी तरह का विवाद भी नहीं है। संख्या में यह आंकड़ा 90.95 करोड़ बैठता है।

राहुल गांधी ने ली कोविड वैक्सीन की पहली खुराक

नई दिल्ली, एएनआइ : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है। पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार शाम को बताया, 'कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 28 जुलाई को कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली है। इसकी वजह से वह 29 व 30 जुलाई को संसद के मानसून सत्र में शामिल नहीं हो सके।'

बता दें कि राहुल गांधी 20 अप्रैल को कोविड संक्रमित पाए गए थे। इसकी वजह से उनके टीकाकरण में देरी हुई। इसी साल 20 अप्रैल को एक ट्वीट में उन्होंने कहा था, 'हल्के लक्षणों के बाद जांच में कोविड संक्रमित पाया गया हूं। हाल में जो लोग भी मेरे संपर्क में आए हों, कृपया सुरक्षा प्रक्रिया का पालन करें और सुरक्षित रहें।' 17 जून को पार्टी सूत्रों ने बताया था कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी आवश्यक अंतराल पर कोविड वैक्सीन की दोनों खुराक लगवा चुकी हैं।

10 फीसद संक्रमण दर वाले जिलों में सख्ती बरतें राज्य

जेएनएन, नई दिल्ली

चेतावनी

- केंद्र ने अधिक मामलों और संक्रमण दर वाले जिलों में लोगों की आवाजाही भी सीमित करने को कहा
- देश के 46 जिलों में संक्रमण दर 10 फीसद से ज्यादा, 53 में पांच से 10 फीसद के बीच

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण के नए मामले फिर बढ़ने लगे हैं। अभी भी देश के 46 जिलों में संक्रमण दर 10 फीसद से ज्यादा बनी हुई है। तीसरी लहर की आशंका से सजग केंद्र सरकार ने संबंधित राज्यों से 10 से ज्यादा संक्रमण दर वाले जिलों में सख्ती बरतने को कहा है और लोगों की आवाजाही को भी प्रतिबंधित करने की सलाह दी है।

केंद्र ने 10 राज्यों में फैले 10 फीसद से ज्यादा वाले 46 जिलों के साथ ही पांच से 10 फीसद संक्रमण दर वाले 53 जिलों में भी सख्ती बरतने को कहा है। संबंधित राज्यों से कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए इन जिलों में जांच तेज करने की भी सलाह दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शनिवार को इन राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और संक्रमण दर को लेकर चिंता जताई। इन राज्यों में केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, असम, मिजोरम, मेघालय, आंध्र प्रदेश और मणिपुर शामिल हैं।

बैठक में इन राज्यों द्वारा संक्रमण रोकने के लिए उठाए गए कदमों और उसके प्रभाव की भी समीक्षा की गई। इन राज्यों में या तो प्रतिदिन ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं या संक्रमण दर बढ़ रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इन राज्यों में 80 फीसद से ज्यादा मरीज होम आइसोलेशन में हैं। ऐसे में इन राज्यों से होम आइसोलेशन में रहने वाले लोगों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है, ताकि वे दूसरे लोगों के संपर्क में न आने पाएं।

महामारी पर मुश्किल से मिली बढ़त केरल के चलते खतरे में: मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार दिनों से लगातार केरल में ज्यादा मामले पाए जाने से सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ रही है। बीते 24 घंटे के दौरान भी केरल में 20 हजार से ज्यादा नए मामले पाए गए हैं और सौ से ज्यादा मौतें हुई हैं। पिछले कुछ दिनों से रोजाना पांच सौ से ज्यादा मरीजों की जान भी जा रही है। सक्रिय मामले चार लाख से नीचे आ गए थे और बढ़कर 4.08 लाख से ज्यादा हो गए हैं। पिछले एक दिन में सक्रिय मामलों में 3,765 की वृद्धि हुई है। केरल के चलते महामारी पर मिली बढ़त खतरे में पढ़ गई है।

देश में कोरोना की स्थिति	
24 घंटे में नए मामले	41,649
कुल सक्रिय मामले	4,08,920
24 घंटे में टीकाकरण	52.79 लाख
कुल टीकाकरण	46.15 करोड़

शनिवार सुबह 08 बजे तक कोरोना की स्थिति	
नए मामले	41,649
कुल मामले	3,16,13,993
सक्रिय मामले	4,08,920
मौतें (24 घंटे में)	593
कुल मौतें	4,23,810
ठीक होने की दर	97.37 फीसद
मृत्यु दर	1.34 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.34 फीसद
सा. पाजिटिविटी दर	2.42 फीसद
जांचें (शुक्रवार)	17,76,315
कुल जांचें (शुक्रवार)	46,64,27,038

शनिवार शाम 06 बजे तक किस राज्य में कितने टीके	
मध्य प्रदेश	9.16 लाख
उत्तर प्रदेश	5.69 लाख
महाराष्ट्र	5.51 लाख
राजस्थान	3.71 लाख
बिहार	3.57 लाख
गुजरात	2.66 लाख
हरियाणा	1.19 लाख
झारखंड	0.91 लाख
दिल्ली	0.82 लाख
छत्तीसगढ़	0.79 लाख
हिमाचल	0.71 लाख
उत्तराखंड	0.67 लाख
जम्मू-कश्मीर	0.40 लाख
पंजाब	0.31 लाख

(कोविन प्लेटफार्म के आंकड़े)

राज्यों के पास अभी वैक्सीन की 3.14 करोड़ डोज

मंत्रालय ने बताया कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास अभी कोरोना वैक्सीन की 3.14 लाख डोज उपलब्ध हैं। केंद्र की तरफ से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक कुल 48.78 करोड़ डोज मुहैया कराई गई हैं और जल्द ही इन्हें 68.57 लाख डोज उपलब्ध करा दी जाएंगी।

अब तक करीब 50 करोड़ वैक्सीन डोज की आपूर्ति

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

अधिकारी ने बताया कि 31 जुलाई तक 51.6 करोड़ डोज सप्लाई करने के लक्ष्य को लगभग हासिल कर लिया गया है। 30 जुलाई तक केंद्र की ओर से राज्यों को 48.78 करोड़ डोज की आपूर्ति की गई थी। 31 जुलाई को केंद्र ने बताया कि 68.58 लाख डोज पाइपलाइन में हैं। इस तरह केंद्र की ओर से राज्यों को कुल 49.47 करोड़ डोज की सप्लाई की गई। इनमें निजी क्षेत्र को मिली वैक्सीन शामिल नहीं है।

अब से दिसंबर तक 135 करोड़ डोज की सप्लाई : हाल ही में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को को बताया था कि अगस्त से दिसंबर के बीच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की 135 करोड़ डोज सप्लाई की जाएंगी। इनमें से कोवैक्सीन और कोविशील्ड की 66 करोड़ डोज की सप्लाई के लिए 14,505.75 करोड़ रुपये का आर्डर दिया जा चुका है। इसके अलावा ये दोनों कंपनियां इस दौरान 22 करोड़ डोज निजी क्षेत्र को भी सप्लाई करेंगी। सरकार 30 करोड़ डोज सप्लाई करने के लिए बायोलाजिकल ई को अग्रिम भुगतान कर चुकी है। अनुमति मिलने पर कैडिला भी दिसंबर तक 10 करोड़ डोज की सप्लाई करेगी। स्पुतनिक-वी का भारत में अगस्त से उत्पादन शुरू हो जाएगा।

कोविड इमरजेंसी फंड से केंद्र ने राज्यों को 1,827 करोड़ रुपये जारी किए

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने कोविड-19 इमरजेंसी रिस्पांस एंड हेल्थ सिस्टम प्रीपेयर्डनेस (ईसीआरपी-2) पैकेज के तहत राज्यों को 15 फीसद धनराशि जारी की है। इसका उपयोग स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए किया जाना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 1827.8 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। यह धनराशि इस पैकेज के तहत आवंटित कुल 12,185 करोड़ रुपये की 15 फीसद है। मांडविया ने ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने एक इंफोग्राफिक्स भी साझा किया जिसमें सभी राज्यों को 1,827.8 करोड़ रुपये में से आवंटन दिखाया गया है।

बयान से पलटे गोवा के मंत्री, कहा- आक्सीजन की कमी से नहीं हुई मौत

पणजी, प्रेट्र : राज्य सरकार के गोवा मेडिकल कालेज व अस्पताल (जीएमसीएच) में आक्सीजन की कमी के कारण कई कोविड-19 मरीजों की मौत होने की बात कहने के दो महीने बाद स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे बयान से पलट गए। अब उन्होंने विधानसभा में कहा है कि महामारी के दौरान जीएमसीएच में आक्सीजन की कमी नहीं थी, इसलिए इसकी वजह से किसी की मौत का सवाल ही नहीं बनता।

विश्वजीत राणे का यू टर्न। फाइल फोटो

सदन में शुक्रवार को दिए गए बयान में राणे ने कहा, 'जीएमसीएच में आक्सीजन की कमी के कारण एक भी मरीज की मौत नहीं हुई।' वह नेता प्रतिपक्ष दिगंबर कामत के सवाल का जवाब दे रहे थे। लिखित जवाब में उन्होंने यह भी कहा है कि जीएमसीएच में आक्सीजन की कभी किल्लत ही नहीं हुई। बता दें कि राणे ने 11 मई को बयान दिया था कि जीएमसीएच में आक्सीजन की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण 24 घंटे के भीतर 26 मरीजों की मौत हुई है।

पति के इलाज में 1.4 करोड़ खर्च कर चुकी महिला ने मांगी मदद

माला दीक्षित, नई दिल्ली

गुहार

- सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा, अभी भी कोरोना पीड़ित पति के इलाज में है एक करोड़ का खर्च
- फाइब्रोसिस से जूझ रहा पति ईसीएमओ सपोर्ट पर, फेफड़ों के ट्रांसप्लांट की है जरूरत

कोरोना के बाद फेफड़ों में फाइब्रोसिस के कारण जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे पति के इलाज के लिए एक महिला ने पीएम केयर्स फंड और सीएम केयर्स फंड से आर्थिक मदद दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। मध्य प्रदेश की इस महिला ने पति के इलाज के लिए तत्काल आर्थिक मदद मुहैया कराने का अनुरोध करते हुए कोर्ट से अस्पताल को मामले पर सुनवाई होने तक इलाज जारी रखने का अंतरिम आदेश दिये जाने की भी मांग की है। कोरोना संक्रमण के बाद फेफड़ों में फाइब्रोसिस से जूझ रहे याचिकाकर्ता के पति अस्पताल में ईसीएमओ (एक्स्ट्राकारपोरियल मेम्ब्रेन आक्सीजेनेशन) सपोर्ट पर हैं। उन्हें तत्काल फेफड़ों के ट्रांसप्लांट की जरूरत है। इलाज पर अब तक 1.4 करोड़ खर्च कर चुकी महिला को ट्रांसप्लांट के लिए लगभग एक करोड़ की जरूरत है।

ईसीएमओ एक तरह की मशीन है जिसका उपयोग फेफड़ों और दिल के ठीक से काम न करने पर मरीज के शरीर में बाहर से खून और आक्सीजन पंप करने में किया जाता है।

मध्य प्रदेश होशंगाबाद की रहने वाली याचिकाकर्ता शीला मेहरा और अस्पताल में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे उनके पति मनीष कुमार गोहिया उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। दोनों आईटी कंपनी में साफ्टवेयर डेवलपर हैं। शीला और मनीष की पिछले साल 19 जून को शादी हुई थी। अभी उनकी शादी को एक साल पूरा हुआ है। वर्षगांठ पर मनीष इतने बीमार हो चुके थे कि वेंटीलेटर और ईसीएमओ सपोर्ट पर थे। हालांकि डाक्टरों ने भरोसा दिलाया है कि इलाज और फेफड़ों के ट्रांसप्लांट से मनीष ठीक हो जाएंगे। याचिकाकर्ता ने गुहार लगाई है कि प्लीज सरकार मेरी मदद करे।

राष्ट्रीय फलक

असम-मिजोरम सीमा शांत, सरमा ने एफआइआर पर उठाया सवाल

सीमा विवाद

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम-मिजोरम की सीमा पर शनिवार को भी तनावपूर्ण शांति रही। सोमवार को संघर्ष की घटना के बाद से सीमा पर केंद्रीय बल मुस्तैद है। दोनों राज्यों की पुलिस सीमा से 100 मीटर अंदर तैनात है। असम की ओर से एक भी ट्रक मिजोरम की ओर नहीं गया। जबकि मिजोरम की ओर से कुछ ट्रक असम की ओर से आए। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने मिजोरम प्रशासन द्वारा अपने और अपने छह अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराए जाने पर सवाल उठाया है।

उल्लेखनीय है दोनों राज्यों के सीमा विवाद को लेकर सोमवार को हुए खूनी संघर्ष में असम पुलिस के छह जवानों समेत सात लोगों की जान जली गई थी। वहीं एक आइपीएस अफसर समेत करीब 50 लोग घायल भी हुए थे।

इस बीच असम ने अपने पड़ोसी राज्यों नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के साथ तनाव घटाने और अंतरराज्यीय सीमाओं पर शांति सुनिश्चित करने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। मिजोरम पुलिस ने मिजोरम और असम पुलिस के बीच मुठभेड़ के बाद सोमवार देर रात वैरेंगटे पुलिस थाने में सरमा और छह अधिकारियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक साजिश से जुड़े विभिन्न आरोपों के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। एफआइआर के औचित्य पर सवाल उठाते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि घटना का स्थान हमारे राज्य के संवैधानिक क्षेत्र के भीतर है। जांच में शामिल होने में खुशी होगी, लेकिन आश्चर्य है कि इसे तटस्थ एजेंसी को क्यों नहीं सौंपा जा रहा है।

असम से मिजोरम नहीं आ रहे वाहन: वैरेंगटे पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी लालचाविमावा ने कहा कि सोमवार से असम से कोई यात्री या माल वाहन मिजोरम नहीं आया है।

असम, नगालैंड में समझौता

दीमापुर, प्रेट्र : असम और नागालैंड के मुख्य सचिवों ने शनिवार को अगले 24 घंटों के भीतर सुरक्षा बलों को एक साथ वापस बुलाकर देसोई घाटी के जंगल व सुरंगकोंग घाटी में दो जगह तनावपूर्ण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। नगालैंड के उपमुख्यमंत्री वाई पैटन और असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू की उपस्थिति में असम के मुख्य सचिव जिष्णु बरुआ और नगालैंड के समकक्ष जे आलम के बीच दीमापुर में बैठक हुई।

लोस में उठा सकते मुद्दा

नई दिल्ली, एएनआइ : असम के भाजपा सांसद आगामी सोमवार को असम-मिजोरम सीमा का मुद्दा लोकसभा में उठा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार भाजपा सांसद इस मुद्दे को नियम 377 के तहत उठा सकते हैं। पार्टी के ज्यादातर वरिष्ठ नेता इस संवेदनशील मुद्दे पर टिप्पणी करने से बचते रहे।

अरुणाचल के परमिट पर अंतरराज्यीय शराब तस्करी

दीपक बहल, अंबाला

चंडीगढ़ शराब फैक्ट्री से अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी होने वाले परमिट की आड़ में अंतरराज्यीय शराब तस्करी का बड़ा खेल हो रहा है। चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश की कई शराब फैक्ट्रियां संदेह के घेरे में हैं। परमिट दूसरे राज्य के लिए जारी हो रहा है, लेकिन शराब की खेप कहीं और पहुंच रही है। ऐसे में सरकार को करोड़ों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। अंबाला पुलिस ने हाल ही में एक गाड़ी पर ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) लगाकर परमिट के खेल का भंडाफोड़ किया है। अंबाला पुलिस ने आबकारी एवं कराधान आयुक्त (डीईटीसी) चंडीगढ़ को चिट्ठी लिखकर पूछा है कि अरुणाचल प्रदेश के लिए कितने परमिट जारी किए गए हैं।

पुलिस की टीम डाटा मिलने के बाद अरुणाचल प्रदेश जाकर भौतिक सत्यापन करेगी कि जो परमिट अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी किए गए हैं वहां पर शराब पहुंची भी या नहीं। पुलिस की एफआइआर में चंडीगढ़ की संचेती पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का जिक्र है, जहां से शराब लोड की गई। इसके अलावा चंडीगढ़ स्थित विनायक डिस्टिलरी पहले ही एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) और शराब तस्करी में विवादों में आ चुकी है।

झांसी में पकड़ी गई थी 2481 पेटी शराब

शराब फैक्ट्री में बिना परमिट ईएनए सप्लाई होता है जिस कारण अतिरिक्त शराब बनाकर बिहार, गुजरात, दिल्ली, छत्तीसगढ़ शराब तस्करी बड़े पैमाने पर की जाती है। बता दें चंडीगढ़ से अरुणाचल प्रदेश के लिए भेजी गई 2481 पेटी शराब उत्तर प्रदेश के झांसी में पकड़ी गई। इसकी जांच लखनऊ की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) कर रही है।

ट्रेन संचालन से पहले नहीं होगी चालक व गार्ड की नशे की जांच

प्रदीप चौरसिया, मुरादाबाद: कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने रेलकर्मियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के उपाय शुरू कर दिए हैं। सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए अब तक चालक व गार्ड को ड्यूटी पर आने व जाने पर लाबी में ब्रीथ एनालाइजर में फूंक मारनी पड़ती थी, जिससे आठ घंटे पहले तक शराब पीने की जानकारी मिल जाती है। अब कोरोना की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए ड्यूटी पर जाने व आने वाले गार्ड की ब्रीथ एनालाइजर जांच नहीं होगी। उत्तर रेलवे के उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (ओएंडएफ) जितेंद्र कुमार ने 30 जुलाई की शाम रेलवे अधिकारियों को पत्र भेजकर कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए चालक व गार्ड के शराब पीने की जांच ब्रीथ एनालाइजर द्वारा नहीं की जाए। ड्यूटी पर आने वाले चालक व गार्ड की कड़ी निगरानी रखी जाए। शराब पीने की संभावना वाले चालक की ही जांच कराई जाए।

बिहार लोक सेवा आयोग ने राष्ट्रपति को लेकर पूछा विवादास्पद प्रश्न

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 66वीं मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन-2 के एक विवादास्पद प्रश्न ने परीक्षार्थियों को उलझा दिया। सवाल यह है कि 'भारत के राष्ट्रपति की भूमिका परिवार के उस बुजुर्ग के समान है, जो सभी प्राधिकार रखता है किन्तु यदि घर के शैतान युवा सदस्य उसकी न सुनें तो वह कुछ भी नहीं कर सकता है,मूल्यांकन कीजिए।' बहरहाल, विवादित सवाल ने आयोग के अधिकारियों को भी परेशान किया है।

सिविल सेवा से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि संवैधानिक पद और व्यवस्था से जुड़े प्रश्न पूछा जाना सामान्य है, लेकिन, इस शैली में प्रश्न पूछना गलत है। वहीं आयोग के संयुक्त सचिव सह परीक्षा नियंत्रक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि परीक्षा संपन्न होने के बाद आपत्तियों पर विचार किया जाता है। फिलहाल उक्त प्रश्न संज्ञान में नहीं है। ज्ञात हो, 2019 में बीपीएससी 64वीं मुख्य परीक्षा में भी बिहार के राज्यपाल को कठपुतली बताते हुए एक प्रश्न पूछा गया था। इसे लेकर विधानसभा में भी हंगामा हुआ था। तब आयोग को राजभवन ने तलब किया था। पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने बताया कि भारत के राष्ट्रपति को लेकर यह प्रश्न गलत है। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को लेकर विवादास्पद प्रश्न पूछना उचित नहीं है। बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो. शिवजतन ठाकुर ने कहा, विषय विशेषज्ञ को शैतान शब्द का चयन नहीं करना चाहिए। राष्ट्रपति पद की एक गरिमा है। इससे गलत संदेश जाएगा।

बीपीएससी में माडरेशन की व्यवस्था नहीं : कई राज्यों के आयोग ने विवादित और गलत प्रश्नों से बचने के लिए माडरेशन की व्यवस्था कर रखी है। लेकिन, बीपीएससी में माडरेशन की व्यवस्था नहीं है। विषय विशेषज्ञ जो प्रश्न आयोग को सीलबंद लिफाफे में भेजते हैं, वही प्रिंटिंग के लिए भेज दिए जाते हैं। विवादास्पद और गलत प्रश्नों से बचने के लिए अभ्यर्थी माडरेशन व्यवस्था की मांग करते रहे हैं। बीपीएससी 66वीं की मुख्य परीक्षा शनिवार को संपन्न हो गई।

अपील दायर करने में देरी न हो यह सुनिश्चित करे सीबीआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाए कि अपील दायर करने में कोई देरी न हो और इसकी समुचित निगरानी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित तंत्र अपनाया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जून 2019 के एक आदेश के खिलाफ जांच एजेंसी द्वारा याचिका दायर करने में 647 दिन की देरी पर संज्ञान लेते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआइ द्वारा इस मामले में दिया गया स्पष्टीकरण साफ तौर पर अपर्याप्त है। भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपितों को बरी करने के खिलाफ याचिका दायर करने में देरी के लिए सीबीआइ द्वारा बताए गए आधार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने दी जांच एजेंसी को सूचना प्रौद्योगिकी आधारित तंत्र अपनाने की सलाह
- छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के खिलाफ याचिका दायर करने में देरी के कारणों को अपर्याप्त बताया

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और एमआर शाह की पीठ ने पिछले सप्ताह अपने आदेश में कहा, सीबीआइ को यह निर्देश दिया जाता है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाए कि भविष्य में इस तरह का विलंब न हो। निर्धारित अवधि की सीमा में अपील दायर करने में संबंधित अधिकारी की तरफ से की गई देरी विलंब के कारणों के बारे में गंभीर संदेह पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। न्यायालय ने कहा कि यह कहना कि महामारी शुरू हो जाने के कारण याचिका दायर करने में देरी हुई, विलंब की कुल अवधि को लेकर न्यायोचित नहीं है। फैसला जून 2019 में सुना दिया था, जबकि महामारी मार्च 2020 में शुरू हुई।

सब मुकरे... एफएसएल रिपोर्ट और वीडियो क्लिप के आधार पर सजा

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ

बिहार के नालंदा जिले में पहली बार कोर्ट ने इस तरह का फैसला सुनाया है। मुकदमे में सुनवाई के दौरान दुष्कर्म पीड़िता व गवाह आरोपों से मुकर गए। इसपर कोर्ट ने वीडियो क्लिप व फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट के आधार पर तीन आरोपितों को 20-20 साल कैद की सजा सुना दी। सभी आरोपी शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय के निवासी हैं।

मामला, 2019 की 11 जुलाई का है। उस दिन 13 साल की किशोरी के साथ बिहारशरीफ के खंदकपर इलाके में तीन युवकों ने दुष्कर्म किया था और मोबाइल से वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी थी। पीड़िता की मां के बयान पर महिला थाने में केस हुआ था। चार दिन बाद 15 जुलाई को एसीजेएम शेफाली नारायण ने पीड़िता का बयान कलमबद्ध किया था। दो साल बाद 26 जुलाई को जब फाइनल बहस हुई तो पीड़िता व सभी गवाह अपने बयानों से मुकर गए। परंतु कोर्ट के पास आरोपितों को सजा सुनाने के पर्याप्त विज्ञानी साक्ष्य थे। इसी आधार पर एडीजे (छह) सह पाक्सो स्पेशल न्यायाधीश आशुतोष कुमार ने दुष्कर्म के तीनों आरोपितों को दोषी माना और विकास कुमार, संतोष कुमार व श्रवण कुमार को 20 वर्ष के कारावास सहित 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुना दी। पीड़िता पढ़ाई के सिलसिले में उन दिनों बिहारशरीफ के हास्टल में अपनी बहन के साथ रहती थी। उसी दौरान संतोष कुमार उसे बहला-फुसलाकर बाइक से साथ ले गया और दोस्तों संग दुष्कर्म किया था।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने बंदरों की हत्या के मामले में लिया संज्ञान

बेंगलुरु, आइएएनएस : कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य के हासन जिले में सड़क के किनारे कई बंदरों के मृत पाए जाने के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। इस बारे में मीडिया रिपोर्टों को आधार मानते हुए अदालत ने बंदरों की हत्या के मामले में जनहित याचिका की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है हासन में बुधवार को सड़क किनारे बोरों में बंद कई बंदर पाए गए थे। इन्हें जहर दिया गया था। इनकी जमकर पिटाई भी की गई थी। स्थानीय लोगों ने इन्हें बोरों से बाहर निकाला तो तकरीबन साठ बंदर मृत मिले। शेष जंगल की ओर चले गए। चीफ जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका और जस्टिस एनएस संजय गौड़ा की पीठ ने खबरों को परेशान करने वाला बताया।

बंगाल में शराब से 173 की मौत का मुख्य अभियुक्त दोषी करार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के संग्रामपुर में दिसंबर, 2011 में जहरीली शराब पीने से हुई 173 लोगों की मौत के मामले में कोलकाता की अलीपुर नगर दायरा अदालत ने मुख्य अभियुक्त नूर इस्लाम फकीर उर्फ खोड़ा बादशाह को दोषी करार दिया है। दो अगस्त को सजा की घोषणा होगी। वहीं, दूसरी ओर कोई साक्ष्य नहीं मिलने के कारण अदालत ने सात लोगों को बेकसूर करार दिया है।

सरकारी वकील के मुताबिक खोड़ा बादशाह को हत्या, गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाने सहित चार धाराओं के तहत दोषी करार दिया गया है। दिसंबर, 2011 में जहरीली शराब पीने से 173 लोगों की मौत हो गई थी।

अब यूपीआइ व नेट बैंकिंग से भी एपल एप स्टोर पर भुगतान

वाशिंगटन: एपल ने भारत में अपने एप स्टोर और आइट्यून यूजर्स के लिए भुगतान के तीन नए विकल्प जोड़े हैं। इनमें इनमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ), रुपये तथा नेट बैंकिंग शामिल हैं। इससे भारत में एपल के ग्राहकों को क्रेडिट व डेबिट कार्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय भुगतान विकल्पों के अलावा घरेलू माध्यम भी मिलेंगे। इन माध्यमों से एपल के स्टोर्स में ट्रांसफर किए गए फंड्स का उपयोग एपल आर्केड व एपल वन जैसी विशेष सेवाओं समेत नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं के लिए भी किया जा सकता है। (एएनआइ)

देश में प्राकृतिक संसाधनों का अभाव नहीं है। ऐसे में खनन की सभी संभावनाएं तलाशने की जरूरत है, ताकि आयात पर निर्भरता खत्म की जा सके।
— प्रल्हाद जोशी
खनन मंत्री

टैफे ने उत्तर प्रदेश में लांच किया मैसी फर्ग्यूसन 7235

नई दिल्ली, (वि.): देश की अग्रणी ट्रैक्टर निर्माता और अपने सेग्मेंट में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने उत्तर प्रदेश में अपना दमदार ट्रैक्टर 35एचपी मैसी फर्ग्यूसन 7225 डीआइ लांच किया है। ट्राली और कामर्शियल अनुप्रयोगों के लिए खासतौर पर लांच किए गए इस ट्रैक्टर को कंपनी मात्र 35,000 रुपये की बुकिंग पर दो वर्षों के लिए फ्री मेंटेनेंस के साथ दे रही है। कंपनी का कहना है कि इस ट्रैक्टर की तकनीकी विशिष्टता से सालाना 60,000 रुपये तक की ईंधन बचत हो सकती है। कंपनी का कहना है कि अपनी श्रेणी में यह सबसे अधिक पावर, कम ईंधन खपत, विश्व प्रसिद्ध हाइड्रोलिक्स सिस्टम और कम मेंटेनेंस वाला ट्रैक्टर है, जो चालक को भी बेहतर आराम प्रदान करता है। बेहतरीन परफार्मेंस के कारण यह यह ग्रामीण उद्यमियों, ट्रैक्टर फ्लीट के मालिकों, ठेकेदारों और ड्राइवरों के लिए आदर्श ट्रैक्टर है। यह ईंट भट्ठों, रेत खदानों, पत्थर खदानों, गन्ने की ढुलाई, पानी के टैंकर, निर्माण सामग्री परिवहन, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं विकास जैसे कामर्शियल एवं ढुलाई के कार्यों में अत्यंत उपयोगी है।

छोटे लेनदेन से लांच होगी डिजिटल करेंसी

बैंकों में जमा राशि को बदल सकेंगे डिजिटल करेंसी में, इस्तेमाल की नहीं होगी बाध्यता

राजीव कुमार • नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की तरफ से जिस डिजिटल करेंसी की तैयारी चल रही है, उसकी शुरुआत छोटे मूल्य के लेनदेन से होगी। सूत्रों के मुताबिक शुरुआत से ही छोटे-बड़े सभी प्रकार के ट्रांजेक्शन के लिए डिजिटल करेंसी की इजाजत देने पर इकोनामी में रुपये के स्टाक में बढ़ोतरी की आशंका रहेगी। शुरुआत में इस डिजिटल करेंसी के इस्तेमाल की कोई अनिवार्यता नहीं होगी।

डिजिटल करेंसी लांच होने के बाद ग्राहक बैंक में जमा अपनी रकम को डिजिटल वालेट में रख सकेंगे। हाल ही ही में आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर ने अपनी डिजिटल करेंसी लाने की घोषणा की थी। आरबीआइ का कहना है कि अपनी डिजिटल करेंसी होने से भविष्य में नोट छपाई की लागत भी घटेगी और क्रिप्टो जैसी वर्चुअल करेंसी से अर्थव्यवस्था को खतरा भी नहीं रहेगा। यही वजह है कि भारत के अलावा अमेरिका और चीन जैसे देश के सेंट्रल बैंक भी अपनी डिजिटल करेंसी लाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। डिजिटल करेंसी का एक फायदा यह भी है कि आरबीआइ इस पर आसानी से नजर रख सकता है।

ऐसी होगी डिजिटल करेंसी: सूत्रों के मुताबिक डिजिटल करेंसी भी पर्स या वालेट में रखे जाने वाले नोट की तरह होगी। अंतर इतना होगा कि वह डिजिटल वालेट में होगी। अभी क्रिप्टो जैसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी प्रचलन में हैं, लेकिन उसकी कोई सरकारी गारंटी नहीं होती है।

नोटों का लेनदेन रहेगा जारी

डिजिटल करेंसी जारी होने के बाद कागज के नोट हटाए नहीं जाएंगे। ग्राहक नोट जमा और निकासी कर सकेंगे और अपनी राशि को जरूरत के मुताबिक डिजिटल करेंसी में बदल सकेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंकों में जमा राशि डिजिटल रूप में लेने के बाद जमाकर्ता को उस पर ब्याज नहीं मिलेगा।

सरकार को यह फायदा

डिजिटल करेंसी जारी करने में आरबीआइ को नोट के मुकाबले बहुत कम लागत आएगी। नोटों की छपाई और वितरण का खर्च घटेगा और जाली नोटों की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इसके इलेक्ट्रानिक वितरण में भी कोई खर्च नहीं होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआइ की डिजिटल करेंसी लेने के बाद छिपाई नहीं जा सकती है।

कल ई-रुपी लांच करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को ई-रुपी लांच करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार यह व्यक्ति और उद्देश्य केंद्रित डिजिटल भुगतान सुविधा है। इसका मकसद सरकार और लाभार्थी के बीच बेहद सीमित संपर्क के साथ लक्षित और सुरक्षित तरीके से लाभार्थियों तक समुचित लाभ पहुंचाया जाए। पीएमओ ने कहा, ई-रुपी डिजिटल भुगतान की एक कैशलेस और कांटैक्टलेस व्यवस्था है। इसके तहत एक क्यूआर कोड या एसएमएस स्ट्रिंग-आधारित ई-वाउचर लाभार्थियों के मोबाइल पर पहुंचाया जाता है। इसे लाभार्थी किसी कार्ड, डिजिटल भुगतान एप या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग किए बिना भुना सकेंगे। लोक कल्याणकारी सेवाओं की लीक-प्रूफ डिलिवरी सुनिश्चित करने की दिशा में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। इसका उपयोग मातृ एवं बाल कल्याण योजनाओं के तहत दवा व पोषण उपलब्ध कराने वाली योजनाओं, टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत ड्रग्स व डायग्नास्टिक्स तथा उर्वरक सब्सिडी जैसी योजनाओं के तहत सेवाएं देने के लिए भी किया जा सकता है। निजी क्षेत्र भी कर्मचारी कल्याण और कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में इन डिजिटल वाउचर का लाभ ले सकते हैं।

बाजार का अनुमान छोड़ें, अपने पोर्टफोलियो पर फोकस करें

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च आनलाइन डाट काम

निवेशकों को बचाव के मजबूत उपाय करने की जरूरत है। निवेशकों को बाजार को ऐसे लेना चाहिए जैसे कि वे कोविड हास्पिटल जा रहे हों। इसमें कपड़े का मास्क काम नहीं करेगा। आपको उच्च गुणवत्ता वाला एन-95 मास्क और फेस शील्ड पहनना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि निवेश रणनीति और पोर्टफोलियो में कोई गलती न हो।

बोनस

आर्थिक मोर्चे की हकीकत और स्टाक कीमतों के बीच अभी जो फासला है उसे देखते हुए

चीन में पुराने जमाने में एक श्राप दिया जाता था- आप रोमांचक जीवन जीएं। अब उसी चीन के वायरस ने पूरी दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है कि निश्चित रूप से कुछ कह पाना मुश्किल है। फरवरी, 2020 में कारोबार व निवेशकों के लिए संभावनाएं डरावनी, लेकिन अनुमान लायक लग रहीं थीं। ऐसा लग रहा था कि दुनिया भर के इंवेस्टमेंट मार्केट में तेज गिरावट आएगी और वायरस की कहानी खत्म होने तक ऐसे ही हालात बने रहेंगे। मार्च इस उम्मीद के मुताबिक गुजरा। लेकिन अप्रैल से यह कहानी बदल गई और इसके बाद चीजें अनुमान के विपरीत रही हैं।

पिछले एक वर्ष के दौरान चीजें उम्मीद के अनुरूप क्यों नहीं हो रही हैं, इसमें जाना बेमानी है। यह सच है कि कंपनियां और व्यक्तिगत निवेशक जिस आर्थिक वास्तविकता का सामना कर रहे हैं और शेयर बाजार जैसा व्यवहार कर रहा है, इन दोनों के बीच बड़ा फासला है। यह सही है कि रिकवरी के लिए रास्ता तैयार किया गया है और ग्लोबल इकोनामी का बड़ा हिस्सा इस रास्ते को तय करने के लिए कदम बढ़ा चुका है। दूसरी तरफ, यह भी उतना ही सच है कि फरवरी, 2020 के बड़े पैमाने पर शुरू हुआ नुकसान अब भी जारी है। जिन सेक्टरों में हालात लगभग सामान्य हो गए हैं, उनमें भी ऐसी दर्जनों कंपनियां हैं जिनके भविष्य पर सवाल है। आर्थिक मोर्चे की हकीकत और इक्विटी मार्केट में अपेक्षाकृत अच्छे समय के बीच का विरोधाभास निवेशकों के लिए चिंता का सबब बन रहा है। सवाल यह है कि क्या व्यक्तिगत निवेशक को इन हालातों से डर कर भाग जाना चाहिए और तब वापस आना चाहिए जब हालात सामान्य हो चुके हों? या कि उन्हें हिम्मत दिखानी चाहिए और हर दिन के हालात का सामना करना चाहिए?

इसका जवाब इस सवाल में है कि क्या आपने यह अनुमान लगाकर मास्क पहनने का प्रयास किया कि किसे कोरोना है और किसे नहीं? और क्या आप मास्क पहनने का फैसला इसी आधार पर करते हैं कि जिसके बारे में आपको लगता है कि उसे कोरोना है, उसके सामने मास्क पहन लें और बाकी लोगों के सामने नहीं पहनें? मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा नहीं होगा। स्टाक मार्केट को लेकर भी यही सिद्धांत काम करता है। हम निवेशकों को काम पर फोकस करने की जरूरत है। यानी सतर्कता के साथ सभी संभावनाओं पर विचार करते हुए निवेश करना। बाजार का ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका जवाब मायने नहीं रखता है क्योंकि हमारे पास कोई चुनाव नहीं है। इसमें हमारा पोर्टफोलियो कैसा हो, खुद से यह सवाल पूछने से भविष्य को समझने में मदद मिलेगी।

भारत सर्विस सेक्टर के लिए उच्च मानक निर्धारित करेगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अपने सर्विस सेक्टर के लिए उच्च मानक निर्धारित करने में जुटा है, ताकि इसके निर्यात को प्रोत्साहन मिल सके। भारत की कानूनी सेवा के बारे में उन्होंने कहा, भारतीय वकील उच्च गुणवत्ता वाले हैं और उनके लिए दुनिया भर में बड़े अवसर खुलने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आइटी के अलावा कानून, हेल्थकेयर, साइबर सुरक्षा, एग्रीटेक, फिनटेक जैसे सर्विस सेक्टर में भारत व अमेरिका के बीच आपसी कारोबार को बढ़ाने की पूरी संभावना है। इससे दोनों देश लाभान्वित होंगे।

शनिवार को इंडो-अमेरिकन चेंबर आफ कामर्स (आइएसीसी) की तरफ से आयोजित दूसरी इंडो-यूएस सर्विस समिट को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, सर्विस सेक्टर का कारोबार भारत और अमेरिका के बीच के संबंध को और मजबूती प्रदान करेगा। भारत सर्विस सेक्टर के लिए एक मानक निर्धारित कर रहा है ताकि वह दुनिया बेहतर सेवा दे सके। भारत तेजी से दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजार में शुमार हो रहा है। वर्ष 2001-02 में भारत का सर्विस सेक्टर निर्यात मात्र 17 अरब डालर का था जो पिछले वित्त वर्ष में 205 अरब डालर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद पिछले 15-16 माह में भारत सर्विस सेक्टर को लेकर अपनी प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हटा।

पेटेंट, डिजाइन व ट्रेडमार्क को बढ़ावा दे रही सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार देश की विरासत में छुपी नवीनता और ज्ञान को वैश्विक मंचों पर लाने की कोशिशों में जुटी है।

टाटा मोटर्स करेगी 28,900 करोड़ निवेश

नई दिल्ली, प्रेट्र: टाटा मोटर्स चालू वित्त वर्ष में 28,900 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इस निवेश का बड़ा हिस्सा कंपनी की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को जाएगा। टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कंपनी की सलाना आमसभा में कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उपयुक्त समय पर अलग से पूंजी जुटाने पर गौर करेगी। मध्यम से दीर्घावधि में कंपनी अपनी कुल बिक्री में ईवी का योगदान 25 फीसद पर ले जाने का लक्ष्य रख रही है, जो फिलहाल सिर्फ दो फीसद है।

झुनझुनवाला की कंपनी से बोइंग को मिलेगा दम

नई दिल्ली, रायटर : देश के अरबपति निवेशक राकेश झुनझुनवाला द्वारा विमानन कंपनी शुरू करने की घोषणा से विमान निर्माता बोइंग को उबरने का नया मौका मिल सकता है। उद्योग जगत के सूत्रों का कहना है कि भारत में अपने सबसे बड़े ग्राहक जेट एयरवेज के बंद होने के बाद इस अमेरिकी कंपनी के भारतीय कारोबार पर बेहद बुरा असर पड़ा है। शेयर बाजारों में सफल निवेश के चलते भारत के वारेन बफेट कहे जाने वाले झुनझुनवाला ने पिछले दिनों आकाशा नाम से बेहद सस्ती एयरलाइन सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इसके लिए वह देश की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी इंडिगो और जेट एयरवेज के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक टीम गठित करने की प्रक्रिया में हैं।

झुनझुनवाला ने विमानन कंपनी की घोषणा ऐसे समय में की है जब सेक्टर की कंपनियों को कोरोना संकट के चलते अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि सेक्टर के भविष्य को देखते हुए अमेरिकी कंपनी बोइंग और नीदरलैंड्स स्थित एयरबस दोनों के लिए भारतीय बाजार बेहद मुफीद साबित हो सकता है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि आकाशा बोइंग 737 विमानों की खरीद व लीजिंग की ओर कदम बढ़ा चुकी दिख रही है। यह बोइंग के लिए अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा लीजिंग या खरीद सौदा हो सकता है। हालांकि विमान खरीदने के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन पिछले दिनों झुनझुनवाला ने कहा था कि वह आकाशा में 40 फीसद हिस्सेदारी रखेंगे। इस कंपनी के पास अगले चार वर्षों में 180 सीट क्षमता वाले 70 विमान होंगे।

अरबपति निवेशक झुनझुनवाला ने की है आकाशा नाम से विमानन कंपनी लांच करने की घोषणा

एसबीआइ ने होम लोन पर किया प्रोसेसिंग फीस खत्म

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश के सबसे बड़े कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने होम लोन पर प्रोसेसिंग फीस खत्म कर दिया है। बैंक ने शनिवार को कहा कि उसने इस वर्ष अगस्त अंत तक अपने होम लोन पर प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लेने का निर्णय किया है। बैंक के अनुसार वर्तमान में होम लोन पर प्रोसेसिंग फीसद 0.40 फीसद है। यानी 20 लाख रुपये होम लोन लेने वाले ग्राहक को प्रोसेसिंग फीस के मद में 8,000 रुपये देने पड़ते हैं।

एसबीआइ ने कहा कि बैंक ने मानसून धमाका आफर पेश किया है, जिसके तहत ग्राहक यह लाभ हासिल कर सकते हैं। यह आफर 31 अगस्त तक के लिए है। बैंक ने कहा कि वर्तमान में एसबीआइ के होम लोन की ब्याज दर 6.70 फीसद से शुरू होती है। ऐसे में लोन लेकर अपना घर खरीदने के लिए इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। यह पेशकश 31 अगस्त तक के लिए है।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

राजस्थान में दिल का दौरा पड़ने से हुई थी बाघ की मौत

जयपुर: राजस्थान में सवाईमाधोपुर जिले के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ टी-65 की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइवीआरआइ) की ओर से आई विसरा रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट हो गई है। गौरतलब है कि रणथंभौर टाइगर रिजर्व की खंडार रेंज में वनकर्मियों को गत छह जुलाई को बाघ टी-65 उर्फ सूरज का शव मिला था। (जासं)

एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान ने आपात लैंडिंग की

तिरुअनंतपुरम: तिरुअनंतपुरम से वंदे भारत अभियान के तहत सऊदी से भारतीय यात्रियों को लाने जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान ने विंडशील्ड में दरार आने की वजह से शनिवार को आपात लैंडिंग की। विमान में यात्री नहीं थे। केवल कार्गो और क्रू के आठ सदस्य ही थे। (प्रेट्र)

तस्करी के आरोपित विनय मिश्रा को देश लाने की कोशिश तेज

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

दिल्ली में हुई सीबीआइ की अहम बैठक, विदेश मंत्रालय ने वनातु द्वीप प्रशासन से किया संपर्क

कोयला व गाय तस्करी के आरोपित तृणमूल कांग्रेस नेता विनय मिश्रा को देश में वापस लाने की कोशिश तेज हो गई है। इसी कड़ी में नई दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) के अधिकारियों की अहम बैठक हुई। इसमें कोलकाता के भी वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सीबीआइ सूत्रों ने बताया कि विनय मिश्रा को देश में वापस लाने के लिए अंतिम रणनीति बना ली गई है। विदेश मंत्रालय ने प्रशांत महासागर के वनातु द्वीप प्रशासन से संपर्क किया है, जहां विनय मिश्रा छिपा हुआ है। ऐसा सीबीआइ का दावा है। हालांकि, सीबीआइ ने विनय मिश्रा के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए इंटरपोल से आवेदन भी किया है, लेकिन अभी क्रियान्वयन नहीं हुआ है। गौरतलब है कि कोयला व गाय तस्करी मामला सामने आने के तुरंत बाद से ही तृणमूल कांग्रेस नेता देश छोड़कर चला गया था। सीबीआइ का कहना है कि उसने वनातु द्वीप की नागरिकता भी ले ली है। इससे पहले सीबीआइ ने विनय मिश्रा को देश वापस लाने के लिए उसे गिरफ्तार नहीं करने का वादा किया था, लेकिन वह राजी नहीं हुआ। इसके बाद सीबीआइ ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। विनय मिश्रा पर दबाव बनाने के लिए सीबीआइ ने उसके माता-पिता को तीन बार तलब कर चुकी है, लेकिन वे अभी तक सामने नहीं आए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विनय मिश्रा की करीब 172 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुका है।

नक्सली धमकी पर बिहार के जमुई में दो घंटे बंद रहा रेल परिचालन

जागरण संवाददाता, जमुई : नक्सलियों की स्टेशन उड़ाने की धमकी के बाद शनिवार अलसुबह बिहार में पटना-हावड़ा मुख्य रेलखंड पर दो घंटे तक रेल परिचालन बाधित रहा। पुलिस-प्रशासन के पहुंचने पर परिचालन सामान्य कराया जा सका। जमुई जिले के चौरा हाल्ट पर आन ड्यूटी स्टेशन मास्टर विनय कुमार ने बताया कि सुबह तीन बजकर 42 मिनट पर डाउन लाइन से हिमगिरि एक्सप्रेस को गुजारने के लिए तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस वर्दी में एक आदमी ने अपने आप को नक्सली बताते हुए कार्यालय में प्रवेश किया। उसने कहा कि नक्सलियों का मजदूर दिवस चल रहा है। रेल बंद करो, नहीं तो तुमको कार्यालय में बंद कर स्टेशन उड़ा देंगे। कंट्रोल रूम और पुलिस को भी इसकी सूचना देने को कहा। नक्सली ने उन्हें अपने साथ चलने को कहा, लेकिन वे स्टेशन छोड़कर गांव की ओर भाग गए। चर्चा है कि नक्सलियों की संख्या अधिक थी और स्टेशन के चारों ओर फैले थे।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 1 अगस्त, 2021 से शनिवार 7 अगस्त, 2021 तक — पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ) कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में युक्ति से कार्य करें, भ्रम से बचें, यथार्थ को स्वीकार करें, अतिविश्वास से बचें, निजी मतभेद का योग, साधनों की पूर्ति, संतान से सहयोग, स्वास्थ्य क प्रति सजग रहें, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, राजनीतिक अपयश, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो) परिस्थिति के अनुसार योजना बनाएं, भौतिक साधनों पर ध्यान दें, रुके कार्य संपन्न होंगे, रचनात्मक-सामाजिक कार्य योग, भवन-साज सज्जा योग, चयन में सफलता, खानपान का ध्यान रखें, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, आय में सुधार, शुभ अंक 6

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा) अनुभव से कार्य क्षेत्र में सुधार करें, नई समस्या का समाधान होगा, प्रतिस्पर्धा से चिंता, अति महत्वाकांक्षा सें बचें, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, स्वजन के प्रति समय दें, कुशल देखरेख से प्रगति, अध्ययन में रुचि, क्रोध व ईर्ष्या से बचें,राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो) जीवन में संवेदनशीलता रहें, व्यापारिक क्षेत्र में संतुलन बनाना श्रेयस्कर, नए कार्य करने वालों से सावधान, निजी मतभेद, कलात्मक एवं रचनात्मक कार्य क्षेत्र में व्यस्तता, भूमि-भवन कार्य में सफलता, संतान के लिए योजना, वाद में विजय, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 8

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे) नकारात्मक विचारों से सावधान, स्वजन, मित्रजनों के साथ मनोरंजन, अतिविश्वास और भावना में न रहें, कुछ समय पठन पाठन में बिताएं, सामाजिक क्षेत्र में सलाह से कार्यरत हों, पारिवारिक कार्यों में भी रुचि लें, चयन में सफलता, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 9

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो) भविष्य की योजना में सावधानी, धन के आवागमन में सावधानी, जीवन प्रेम, शांति समाधान में लगें, स्वजन के सहयोग से सफलता, अध्ययन में रुचि, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, विचारों से सकारात्मक बनें, मित्रों से सहयोग, जीवनसाथी का मिलन, अनुबंध की प्राप्ति, शुभ अंक 1

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते) निजी कार्य तथा व्यवसाय में सहयोग से सफलता, धन साधन में प्रयास, साझेदारी में सावधानी, सामाजिक यश की प्राप्ति, साधनों की पूर्ति, अध्ययन-चयन में सफलता, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, दांपत्य में सुख, वाहन में सावधानी, जीवन में संतुलन बनाएं, शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू) जीवन में भ्रम एवं संशय से बचें, एक साथ कई विकल्पों से सजगता, सिद्धांतों के प्रति सजग रहें, भूमि-भवन कार्य में सफलता, नए कार्य क्षेत्र में प्रवेश का योग, स्वार्थीजनों से सावधान, कुछ नए सहयोगी से कार्य क्षेत्र में मार्ग प्रशस्त होंगे, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे) पारिवारिक तथा व्यापारिक कार्य में धैर्य से कार्य करें, शीघ्रता में सावधानी, परिस्थितियों से सामना करें, सतत प्रयास से लक्ष्य की प्राप्ति, संतान से सहयोग, शत्रुपक्ष से सावधान, वाद-विवाद से बचें, जीवनसाथी का मिलन, यात्रा योग प्रभावी, राजनीतिक अपयश, शुभ अंक 5

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी) व्यवसाय के क्षेत्र में योजना साकार होगी, अर्थसाधन में सफलता, साझेदारी में अनबन, साधनों की पूर्ति, संशय से दूर रहें, प्रेम संबंध में सफलता, चयन में-अध्ययन में सफलता, शारीरिक दूरी का पालन करें, वाहन में सावधानी, दांपत्य में सुख, शुभ अंक 6

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा) जीवन में सहजता से सफलता, पूंजी निवेश में सावधानी, चिंता का समाधान, भूमि-भवन कार्य में देरी, संतान के लिए चिंता, अतिविश्वास से बचें, योजना को साकार हेतु प्रयास सार्थक, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची) जीवन में आशा-निराशा के विचारों की अधिकता, सामाजिक क्षेत्र में यश, निजी प्रयास से सफलता, समस्या का समाधान, संतान से अनबन, चयन में सफलता, वाद-विवाद से बचें, शत्रुपक्ष प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, रक्षासाधन कार्य में प्रगति, आय में सुधार, शुभ अंक 8

खेल जागरण

अंडर-23 की जगह अंडर-25 टूर्नामेंट होगा

कोरोना के कारण आयु वर्ग के क्रिकेटरों का साल बर्बाद होने पर लिया फैसला

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने घरेलू क्रिकेट को लेकर बड़ा फैसला किया है। बीसीसीआइ इस साल अंडर-23 की जगह अंडर-25 टूर्नामेंट का आयोजन कराएगा जिससे उन क्रिकेटरों को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा जो कोरोना के कारण पिछले साल घरेलू क्रिकेट खेले बिना ही ओवर एज हो गए।

बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, संयुक्त सचिव जयेश जार्ज और कोषाध्यक्ष अरुण कुमार धूमल ने शनिवार को नई दिल्ली में बैठक की। इस बैठक में बीसीसीआइ का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने को लेकर भी चर्चा हुई। मालूम हो कि राहुल जौहरी के जाने के बाद से यह पद खाली है। जल्द ही इस पद के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा।

इसी महीने बीसीसीआइ ने घरेलू कार्यक्रम घोषित किया था जिसमें उसने कहा था कि प्रतिष्ठित रणजी ट्राफी के साथ सभी आयु वर्ग घरेलू टूर्नामेंटों का आयोजन कराया जाएगा। हालांकि बोर्ड इस बार ईरानी कप के अलावा देवधर व दलीप ट्राफी का आयोजन नहीं करेगा। बोर्ड की तरफ से पेश कार्यक्रम में कहा गया था कि अंडर-23 में वनडे, सीके नायुडू (बहुदिनी) और वीनू मांकड़ ट्राफी (वनडे) टूर्नामेंट कराए जाएंगे। बोर्ड के एक पदाधिकारी ने कहा बीसीसीआइ आयु वर्ग में अंडर-16, अंडर-19 व अंडर-23 टूर्नामेंट का आयोजन कराता है लेकिन 2020-21 में सिर्फ सीनियर वर्ग के दो टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्राफी और विजय हजारे टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। ऐसे में कई खिलाड़ी ऐसे रहे जो अंडर-23 खेले बिना ही ओवर एज हो गए। अंडर-16 में ओवर एज अंडर-19 खेल सकता है, अंडर-19 में ओवर एज अंडर-23 खेल सकता है लेकिन अंडर-23 में जो नहीं खेल सका है उसका सीनियर टीम में आना मुश्किल हो जाता है इसलिए हमने यह फैसला किया है कि इस बार अंडर-23 की जगह अंडर-25 कराया जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को मौका मिल जाएगा जो पिछले साल नहीं खेल पाने के कारण ओवर एज हो गए।

मालूम हो कि मौजूद सत्र 21 सितंबर (2021) से सीनियर महिला वनडे लीग के साथ शुरू होगा। 27 अक्टूबर 2021 से सीनियर महिला वनडे चैलेंजर ट्राफी आयोजित होगी। सैयद मुश्ताक अली ट्राफी का फाइनल 12 नवंबर 2021 को होगा। रणजी ट्राफी का आयोजन 16 नवंबर 2021 से 19 फरवरी 2022 तक होगा। विजय हजारे ट्राफी का फाइनल 26 मार्च को खेला जाएगा। सीके नायुडू ट्राफी 18 नवंबर से, वीनू मांकड़ ट्राफी 28 सितंबर से व वनडे टूर्नामेंट अगले साल 23 फरवरी से शुरू होने हैं। बीसीसीआइ ने यह भी तय किय है कि इस आयुवर्ग में सिर्फ दो रणजी खिलाड़ियों को खिलाने की अनिवार्यता भी नहीं रहेगी।

बोल्ट के बाद फर्राटा दौड़ में नई सनसनी की तलाश

संतोष शुक्ल • मेरठ

महान फर्राटा धावक उसेन बोल्ट के संन्यास के बाद फर्राटा दौड़ में नए चैंपियन की तलाश है। बोल्ट के वारिस माने जा रहे तूफानी धावक अमेरिका के क्रिस्चियन कोलमैन और नोह लाइल्स 100 मीटर दौड़ से नदारद रहेंगे। ऐसे में दुनिया को 100 मीटर दौड़ का नया बादशाह मिलेगा। 100 मीटर स्पर्धा का फाइनल रविवार को होगा।

ट्रैक पर चौंका सकते हैं ब्रोमेल : जमैका के बोल्ट के संन्यास लेने के बाद 100 मीटर दौड़ में अमेरिका के क्रिस्टियन कोलमैन (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 9.76 सेकेंड) और 200 मीटर में नोह लाइल्स (19.50 सेकेंड) ही बोल्ट की भरपाई करते नजर आए, लेकिन नवंबर तक प्रतिबंधित होने की वजह से टोक्यो ओलिंपिक में कोलमैन नहीं उतरेंगे, जबकि लाइल्स सिर्फ 200 मीटर के लिए क्वालीफाई कर पाए हैं। इनके बीच 100 मीटर दौड़ में अमेरिका के फ्लोरिडा से ट्रेवोन ब्रोमेल 9.77 सेकेंड के साथ नई सनसनी बनकर सामने आए हैं।

स्पर्धा	ओलिंपिक रिकार्ड (समय)	विश्व रिकार्ड (समय)
पुरुष 100 मी	उसेन बोल्ट (9.63 सेकेंड)	बोल्ट (9.58 सेकेंड)
पुरुष 200 मी	बोल्ट (19.30 सेकेंड)	बोल्ट (19.19 सेकेंड)

2020-21 सत्र में सबसे तेज समय

स्पर्धा	एथलीट	समय	देश
पुरुष 100 मी	ट्रेवोन ब्रोमेल	9.77 सेकेंड	अमेरिका
पुरुष 200 मी	नोह लाइल्स	19.74 सेकेंड	अमेरिका

खुशी है मैंने गलतियों से सबक लिया : पंत

नाटिंघम, प्रेट्र: भारतीय विकेटकीपर रिषभ पंत को खुशी है कि उन्होंने अपने छोटे अंतरराष्ट्रीय करियर में अभी तक उतार-चढ़ाव देखे हैं जिससे उन्हें एक खिलाड़ी के तौर पर निखरने में मदद मिली, क्योंकि उन्होंने अपनी गलतियों से सबक लिया। हाल में कोरोना से उबरने वाले पंत भारत की तरफ से अपना 22वां टेस्ट मैच उसी मैदान (ट्रेंटब्रिज) पर खेलने को तैयार हैं जिस पर उन्होंने 2018 में छक्का जड़कर टेस्ट मैचों में अपनी पहली छाप छोड़ी थी।

सूर्यकुमार और पृथ्वी को इंग्लैंड भेजने के पक्ष में जय शाह

नई दिल्ली, एएनआइ : श्रीलंका दौरे पर क्रुणाल पांड्या के कोविड पाजिटिव पाए जाने के बाद लग रहा था कि सूर्यकुमार यादव व पृथ्वी शा इंग्लैंड दौरे के लिए उड़ान नहीं भर पाएंगे, क्योंकि ये दोनों उन आठ खिलाड़ियों में थे जो दूसरे टी-20 से पहले क्रुणाल के संपर्क में आए थे। हालांकि, बीसीसीआइ सचिव जय शाह की योजना इन दोनों खिलाड़ियों को कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद इंग्लैंड भेजने की है।

हमारे भीतर आत्मबल का निर्माण आत्मनियंत्रण से होता है

पुलिस की छवि

प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पुलिस की छवि बदलने की जो जरूरत जताई, उस पर इन अधिकारियों के साथ-साथ अन्य पुलिस अफसरों और कर्मियों को भी गौर करना होगा, क्योंकि पूरे पुलिस बल के सहयोग से यह अभीष्ट काम हो सकेगा। आज इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि इसकी सख्त जरूरत है कि भारतीय पुलिस अपनी नकारात्मक छवि से मुक्ति पाए। जब तक पुलिस इस छवि से मुक्त नहीं होती, तब तक वह जनता का भरोसा नहीं जीत सकती और जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक वह समस्याओं से घिरी रहेगी और अपना काम सही तरह नहीं कर पाएगी। पुलिस किसी भी राज्य की हो, उसकी छवि जन हितैषी बल की नहीं है। आम आदमी अपनी समस्या-शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास जाने से पहले सौ बार सोचता है, क्योंकि उसे यह आशंका रहती है कि उसकी बात सही तरीके से नहीं सुनी जाएगी और उसके साथ खराब व्यवहार हो सकता है। बात केवल आम आदमी के साथ पुलिस थानों में होने वाले व्यवहार की ही नहीं है। बात अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस के आचरण की भी है और उसकी मानसिकता की भी। आम आदमी की नजर में पुलिस हमेशा लोगों पर रौब जमाने या फिर उन्हें डांटने-फटकारने वाली मुद्रा में रहती है।

पुलिस के स्तर पर भले ही बातें जनता की सेवा की होती हों, लेकिन सेवाभाव की जगह वर्दी की धौंस-धमक ही अधिक नजर आती है। ऐसे पुलिसिया तेवर आम लोगों को सशंकित भी करते हैं और हतोत्साहित भी। हालांकि पुलिस के तौर-तरीकों में बदलाव की बातें एक लंबे अर्से से हो रही हैं, लेकिन स्थितियों में कोई उल्लेखनीय सुधार इसलिए नहीं पा रहा है, क्योंकि वह उस ढांचे के तहत ही काम कर रही है, जिसे अंग्रेजों ने कायम किया था। यदि पुलिस की छवि में सुधार लाना है तो उसकी कार्यप्रणाली और उसके नजरिये में बदलाव लाने के ठोस कदम उठाने होंगे। इस दिशा में कोशिश हो तो रही है, लेकिन बहुत ही धीमी गति से। आखिर यह एक तथ्य है कि 2006 के पुलिस सुधार संबंधी वे दिशानिर्देश अभी तक ढंग से लागू नहीं हो सके हैं, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय किए गए थे। एक समस्या यह भी है कि पुलिस पर काम का बोझ तो बढ़ता जा रहा है, लेकिन वह संसाधनों के अभाव से मुक्त नहीं हो पा रही है। निःसंदेह पुलिस की छवि बदलने का काम पुलिस अधिकारियों को अपने हाथ में लेना होगा, लेकिन इसी के साथ नीति-नियंताओं को भी यह समझना होगा कि पुलिस की कुछ समस्याओं का समाधान उनके स्तर पर ही हो सकता है।

धैर्य कब तक

तीनों कृषि सुधार कानूनों के विरोध में हरियाणा-दिल्ली की सीमाओं पर आठ माह से चल रहे आंदोलन से त्रस्त हरियाणा के उद्यमियों का आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने बहादुरगढ़ (झज्जर) के टीकरी बार्डर को दस दिन में खुलवाने की चेतावनी दी है और कहा है कि ऐसा नहीं हुआ तो वे अपने कामगारों के साथ सड़क पर उतर आएंगे। शासन-प्रशासन के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। उनकी चेतावनी को शासन और प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए। उद्यमियों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन यदि वे और उनके कामगार सड़कों पर विरोध में उतरेंगे तो उनकी संख्या लाखों में पहुंच जाएगी। रेखांकित कर लें कि उद्यमियों ने चेतावनी दी है, धमकी नहीं। धमकी दुर्बल देता है, सशक्त व्यक्ति चेतावनी देता है, क्योंकि वह अपनी शक्ति और ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक दिशा में करना चाहता है।

> हरियाणा के उद्यमी आंदोलन के कारण आठ महीने से परेशान हैं, उनका आक्रोश स्वाभाविक है

उद्यमियों के अनुसार मार्ग बंद होने से 20 हजार करोड़ रुपये के टर्नओवर का नुकसान अब तक हो चुका है। एक तो उनका बड़ा नुकसान कोरोना संक्रमण ने किया। अब उद्यमों में कुछ उत्पादन शुरू होने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तो मार्ग बंद होने के कारण उन्होंने कच्चा माल गांवों से गुजरते हुए दिल्ली पहुंचने वाले रास्तों से मंगाना प्रारंभ किया। इन्हीं रास्तों से वे तैयार माल भी दिल्ली भेजते हैं, जहां से अन्य प्रदेशों को जाता है। कुछ दिन बाद ही असमाजाकि तत्त्वों ने उनकी गाड़ियों से वसूली शुरू कर दी। अब भी कर रहे हैं। धैर्य की भी एक सीमा होती है। इतने दिन तक वे सहन कर रहे थे। यह सोचकर कि आंदोलन अब समाप्त हो जाए, तब समाप्त हो जाए। लेकिन आंदोलनकारियों के दुराग्रह को देखते हुए इसकी आशा भी क्षीण होती गई। सो, उनका भी धैर्य अब समाप्त हो रहा है। सरकार को सोचना चाहिए कि उद्यमी कितनी परेशानियों में उद्यम चलाते हैं। सरकार को टैक्स देते हैं। उन्हें ऋण पर ली गईं मशीनों की किस्तें प्रतिमाह चुकानी होती हैं। बैंक को इससे मतलब नहीं होता कि आपका उद्योग चल रहा है अथवा नहीं। शासन और प्रशासन को उद्यमियों की ये परेशानियां तो समझनी ही होंगी, अन्यथा सरकार की परेशानियां बढ़ जाएंगी, क्योंकि उद्योग नहीं चलेंगे, राजस्व कहां से आएगा?

फिर खतरा बनता अफगानिस्तान

संजय गुप्त

> पाकिस्तान भले ही यह कह रहा हो कि वह तालिबान का प्रवक्ता नहीं, लेकिन सच यही है कि वह उसे हर तरह का सहयोग और समर्थन दे रहा है

अवधेश राजपूत

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सत्ता संभालते ही यह बात स्पष्ट होने लगी थी कि अमेरिका अफगानिस्तान से जल्द ही अपनी सेनाओं को वापस बुला लेगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। कुछ समय पहले बाइडन ने अचानक यह घोषणा कर दी कि 31 अगस्त तक अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान से अपने साजो-सामान के साथ लौट आएंगी। इस घोषणा के साथ ही तालिबान ने अपनी सैन्य सक्रियता और बढ़ा दी। वह अमेरिका के साथ हुए समझौते को दरकिनार कर अफगानिस्तान के ज्यादा से ज्यादा इलाके पर कब्जा करना चाह रहा है। वह सीमांत इलाकों को खास तौर पर कब्जाने की कोशिश कर रहा है, ताकि अफगानिस्तान सरकार को कमजोर किया जा सके। वह बड़े शहरों पर भी कब्जा करने की फिराक में है। इसी सिलसिले में उसने कंधार की घेरेबंदी शुरू की और पिछले दिनों पाकिस्तान से लगते स्पिन बोल्डाक इलाके पर कब्जा करने की कोशिश की। यह वही इलाका है, जहां तालिबान ने भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की बर्बरता से हत्या की। उनकी हत्या इसीलिए की गई, क्योंकि वह भारतीय थे। इससे यही पता चलता है कि तालिबान भारत से घृणा करते हैं।

तालिबान की लड़ाई आसान बनाने के लिए पाकिस्तान से लश्कर और जैश के लड़ाके भी अफगानिस्तान पहुंच गए हैं। जब अमेरिका की बची-खुची सेनाएं अफगानिस्तान से लौटने की तैयारी कर रही हैं, तब अमेरिका ने यह भी घोषणा की कि वह इराक से भी एक साल के अंदर अपनी सेनाओं को वापस बुलाएगा। अमेरिका ने दो दशक पहले अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया से आतंक को समाप्त करने के लिए यहां अपने कदम रखे थे, लेकिन वह ऐसा किए बगैर ही अपनी सेनाओं को वापस बुला रहा है। अफगानिस्तान और इराक से सेनाएं लौटाने का डेमोक्रेटिक पार्टी का फैसला अमेरिकी नागरिकों की इस सोच पर आधारित है कि आखिर उनके अपने लोग दूसरे देशों में अपनी जान क्यों गंवाएं? अमेरिका अब इस नीति पर पहुंच रहा है कि जिन देशों में आतंकी संगठन सक्रिय हैं और वे अमेरिकी हितों के लिए खतरा बन सकते हैं, वहां की जमीन पर अपने सैनिकों को उतारने से बचा जाए। इसके बजाय वह ड्रोन या हवाई हमलों से आतंकियों को निशाना बनाने का काम करेगा। इन दिनों वह यही काम अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ कर रहा है। यह कहना कठिन है कि अमेरिका के हवाई हमले तालिबान को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अफगानिस्तान छोड़ने के अमेरिका के फैसले से भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है, क्योंकि वहां उन तालिबान के काबिज होने की आशंका उभर आई है, जो न केवल किस्म-किस्म के आतंकी संगठनों को पनाह देते हैं, बल्कि पाकिस्तान के पिट्ठू हैं। तालिबान के खतरनाक इरादों से अफगानिस्तान में भारतीय हितों के लिए गंभीर खतरा पैदा होने के साथ ही इसकी भी आशंका बढ़ गई है कि पाकिस्तान तालिबान की मदद से कश्मीर में आतंकवाद बढ़ाने का काम कर सकता है। भारत अफगानिस्तान के निर्माण में जुटा हुआ था। उसने इस देश में स्कूल, सड़कें, संसद भवन समेत बुनियादी ढांचा खड़ा करने का एक बड़ा काम किया है। वह अफगानिस्तान को एक लोकतांत्रिक देश के रूप में स्थापित करने के लिए हर संभव मदद दे रहा था। तालिबान अफगानिस्तान के साथ-साथ मध्य एशिया के देशों और भारत के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। इस चुनौती के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारत आए और उनसे भारतीय नेताओं की अफगानिस्तान पर व्यापक बातचीत हुई। उनके बाद अमेरिकी सेना प्रमुख भी भारत यात्रा पर आए। अफगानिस्तान को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चर्चा इसलिए जरूरी है, क्योंकि जिस समय अमेरिकी विदेश मंत्री भारत में थे, उसी समय चीनी विदेश मंत्री तालिबान नेताओं को चीन बुलाकर बातचीत कर रहे थे। चीन ने तालिबान नेताओं की जिस तरह आवभगत की, उससे अमेरिका और भारत की चिंता बढ़ी है। यह अंदेशा गहरा रहा है कि चीन और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करेंगे।

अफगानिस्तान में अमेरिका की नाकामी पर हैरानी नहीं। वह वहां इसीलिए नाकाम हुआ, क्योंकि उसने तालिबान को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसके पहले रूस भी अफगानिस्तान में नाकाम हो चुका है। जब रूसी सेनाएं अफगानिस्तान में थीं, तब अमेरिका ने मुजाहिदीन तैयार कर उन्हें हथियार दिए। बाद में उनका स्थान तालिबान ने ले लिया। इन्हें पाकिस्तान ने प्रशिक्षित किया और अमेरिका ने भी उनकी सहायता की। तब शायद अमेरिका को यह पता नहीं था कि जिस तालिबान की वह मदद कर रहा है, वही उसके सीने में खंजर घोंप देगा। तालिबान ने उस अलकायदा को पाला-पोसा, जिसने 9-11 हमले को अंजाम दिया। तालिबान और अलकायदा जितना खतरनाक इस्लामिक स्टेट भी है, जिसने सीरिया और इराक में सिर उठाया। यह आतंकी संगठन भी अमेरिकी की गलत नीतियों से उभरा। ऐसे ही आतंकी संगठन लीबिया में भी उभरे। यह अंदेशा है कि अफगानिस्तान में तालिबान के काबिज होने से कोई नया आतंकी संगठन उभर सकता है, क्योंकि यह साफ दिख रहा कि वह अलकायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा। यह भी तय है कि पाकिस्तान तालिबान का पूरा साथ देगा।

पाकिस्तान भले ही यह कह रहा हो कि वह तालिबान का प्रवक्ता नहीं, लेकिन सच यही है कि वह उसे हर तरह का सहयोग और समर्थन दे रहा है। इसका पता पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के इस बयान से चलता है कि तालिबान कोई सैन्य संगठन नहीं, वे सामान्य नागरिक हैं। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के प्रति शत्रुवत रवैया अपनाया है। वह आज भी कश्मीर को हथियाने का सपना पाले हुए है। चूंकि वह आमने-सामने के युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिए वह कश्मीर में छद्म युद्ध छेड़े हुए है। इस छद्म युद्ध में वह तालिबान की भी सहायता ले सकता है। इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि कश्मीर में सक्रिय रहने वाले लश्कर और जैश तालिबान के सहयोगी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि मोदी सरकार अफगानिस्तान के मामले में किस नीति पर चलेगी, लेकिन उसकी जैसी विदेशी नीति रही है, उससे यह तय है कि वह न तो हाथ पर हाथ रख कर बैठे रहेगी और न ही अफगानिस्तान को तालिबान के हाथों में जाता हुआ देखती रहेगी।

response@jagran.com

मुलाकात एक स्वयंभू खिलाड़ी से

हास्य-व्यंग्य

सूर्यकुमार पांडेय

> वह अब भी अंधेरे में तीरंदाजी कर सकते हैं और घूंसेबाजी के अपने पुराने शौक का प्रदर्शन भी

बड़े लोगों के खेल भी बड़े होते हैं और उनकी बातें भी, ऐसा मैं दबंगीलाल से मिलकर ही जान पाया। वह हमारे क्षेत्र के एक कुविख्यात खिलाड़ी हैं। उनका असली नाम इतिहास के गर्त में दफन हो चुका है और अब वह पूरे इलाके में दबंगीलाल के नाम से ही पहचाने जाते हैं। दबंगीलाल से मिलकर मैं धन्य हो गया। वह खेलों के इतने शौकीन हैं कि जहां एक तरफ हमारे क्षेत्र की गिल्ली-डंडा की टीम के आजीवन संरक्षक हैं, वहीं दूसरी ओर महिला वालीबाल टीम को भी अपने कब्जे में लेने की खातिर नजरें गड़ाए हुए हैं। उनको इसका पूर्ण विश्वास है कि एक-न-एक दिन सफलता उनके चरणों में लोटती मिलेगी, उसी तरह जिस तरह जब उन्होंने स्थानीय स्टेडियम पर कृपादृष्टि डाली थी तो उसका जीर्णोद्धार करके ही माने थे। इसी के चलते आज उस स्टेडियम के पड़ोस में उनके द्वारा संचालित निजी स्कूल के विद्यार्थियों को एक क्रीड़ागाह हासिल हो गया है।

हमारे प्रथम मिलन में ही दबंगीलाल ने मुझे बताया कि अपने विद्यार्थी काल में जब वह हाकी खेला करते थे, तब स्टिक का उपयोग दूसरे पक्ष की टंगड़ियां तोड़ने में करते थे। और जब क्रिकेट के बैट को हाथ लगाया था तो मुहल्ले की खिड़कियों के इतने कांच तोड़े कि लोगों ने वहां पर दीवारें उठवा लीं। उनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्लेयर होने की ताकत थी, मगर लोकल राजनीति ने उन्हें उठने नहीं दिया। फिर भी स्थानीय स्तर पर ही सही, वह रिकार्ड और कमाई के मोर्चे पर किसी भी खिलाड़ी से उन्नीस नहीं बैठेंगे। जब वेल्थ की चर्चा आ ही गई तो दबंगीलाल की बातों का कामनवेल्थ गेम्स से होते हुए ओलिंपिक में अपने देश के प्रदर्शन पर आ जाना स्वाभाविक था। वह कहने लगे, 'हाय हम न हुए वहां, वरना दुनिया वालों को समझा आते कि असली खेल क्या होता है? हमसे बड़ा एथलीट कौन होगा? होललाइफ भागादौड़ी में ही गुजरी है। हम अपने जमाने के ऐसे फर्राटा धावक रहे हैं कि कई राज्यों की पुलिस पार्टियां हमारे पीछे भागती रहीं, पर हमसे सोना नहीं छीन सकीं।'

मुझे पूछना पड़ा, 'वाकई आप इस लेबल के खिलाड़ी रहे हैं!' दबंगीलाल अपनी हंसी के स्विमिंगपूल में गोता मारते हुए मुझे समझाने लगे, 'आज के तैराक तो हमारे सामने कल के छोकरे हैं। हमने अपने टाइम में ऐसी-ऐसी गोताखोरियां की हैं कि तरणताल का सारा पानी सोख गए। हमने इद्दी-पिद्दी खेलों में कभी कोई इंटरेस्ट नहीं रखा। हमने हमेशा वही गेम खेला जिसमें अपने लिए कम-से-कम एक-दो किलो सोने का इंतजाम हो सके।' मैंने दबंगीलाल से सवाल किया, 'क्या कभी आपकी तीरंदाजी में भी रुचि रही है?' उन्होंने शतरंजिया स्माइल मारी, 'तीरंदाजी की छोड़ो, पूरे चौबीस कैरेट के शूटर रहे हैं हम। आज हमारे खिलाड़ी एक स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक लाते हैं तो पूरा देश उन्हें सिर-आंखों पर बिठा लेता है।' इसके बाद वह फिर अपनी पर उतर आए और बोले, 'लेकिन यार ये बच्चे कितना सोना ला पाते होंगे?' मैंने कहा, 'वह मात्र सोना नहीं होता। उसमें अपने देश का सम्मान भी भरा होता है। हमारे ओलिंपिक के विजेता खिलाड़ी संपूर्ण राष्ट्र का गौरव होते हैं।' वह मेरी ही बाल मेरी ही कोर्ट में उछालते हुए बोले, 'तो क्या हम राष्ट्र-गौरव नहीं हैं? ओवरएज हो गए हैं, अन्यथा हम भी अपनी जवानी में शातिर शूटर रहे हैं। चाहो तो पुलिस के पुराने रिकार्ड से वेरिफाई करा सकते हो।' इसके बाद वह अपनी लफ्फाजी का हैवीवेट मुक्का तानते हुए कहने लगे, 'किसी से उन्नीस मत समझना हमको। हम अब भी अंधेरे में तीरंदाजी कर सकते हैं और अपना पुराना घूंसेबाजी का शौक आज भी बरकरार है। कल ही दो लोगों के जबड़े तोड़े हैं।'

दबंगीलाल के हाथों की खुजली और जिम्नास्टिकिया फ्री स्टाइल देखकर मैंने सोचा, अब शेष उपलब्धियों की जानकारियों के लिए इनका भी डोपिंग टेस्ट कराया जाना जरूरी है, क्योंकि ऐसे महान लोग यूं ही महान नहीं हो जाते हैं, इसके पीछे उनकी बरसों की नेटप्रैक्टिस की भूमिका भी मायने रखती है।

response@jagran.com

नरक के द्वार

धर्मशास्त्रों में वर्णित स्वर्ग-नरक सभी को रोमांचित करते हैं, पर आज तक किसी ने देखा नहीं। चाहे ये अन्यत्र भले न हों, पर इस धरती पर अवश्य हैं। दुनिया का हर व्यक्ति इसका अनुभव करता है, पर समझता नहीं। यहीं स्वर्ग जैसे सुख हैं और नरक जैसे दुख भी। जिस समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारा हैं वहीं स्वर्ग है, क्योंकि वहां सुख-समृद्धि है। इसके विपरीत जहां इनका अभाव है वहीं नरक है, क्योंकि वहां हिंसा, घृणा, द्वेष और अशांति के सिवा कुछ नहीं होता। स्वर्ग और नरक की परिभाषा भी यही है। यह पूर्णतः मनुष्य पर निर्भर है कि वह किसकी स्थापना करना चाहता है। इसके लिए अन्य कोई कारक जिम्मेदार नहीं।

गीता के सोलहवें अध्याय में श्रीकृष्ण कहते हैं- स्वयं का नाश करने वाले नरक के तीन द्वार हैं- काम, क्रोध और लोभ। आत्मकल्याण चाहने वाले पुरुष को इनका परित्याग कर देना चाहिए। जो इनके वशवर्ती होकर जीते हैं, उन्हें न कभी सुख मिलता है, न शांति। मानस के सुंदरकांड में बाबा तुलसीदास भी रावण से विभीषण के माध्यम से यही कहते हैं- हे नाथ! काम, क्रोध, लोभ और मोह नरक के पंथ हैं। इनका परित्याग कर दीजिए, पर वह नहीं माना। परिणाम किसी से छिपा नहीं। वस्तुतः संसार में होने वाले सभी अपराधों के मूल में यही हैं, जो दुनिया को नरक बनाते हैं।

काम से तात्पर्य केवल काम वासना से न होकर मनुष्य के मन में उत्पन्न होने वाली समस्त इच्छाओं से है, जिनकी पूर्ति में वह सदा यत्नशील रहता है। इस दृष्टि से काम मानव जीवन के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है, पर अनैतिक कामनाएं मनुष्य के लिए नरक के द्वार खोल देती हैं। अर्थात केवल दुख और अशांति को जन्म देती हैं। इसी प्रकार क्रोध और लोभ भी अनर्थ के मूल हैं। ये भी सदा पारिवारिक एवं सामाजिक अशांति का कारण बनते हैं। अतः सभ्य समाज की स्थापना के लिए इनका परित्याग ही श्रेयस्कर है।

डा. सत्य प्रकाश मिश्र

नए ग्रह खोजने के तरीके

मुकुल व्यास

> खगोल विज्ञानी बाहरी ग्रहों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए दो तरीके अपनाते हैं– पारगमन विधि और वोबल विधि

हमारे सौर मंडल से बाहर 4,000 से अधिक ग्रहों के अस्तित्व की पुष्टि हो चुकी है और 7,600 संभावित ग्रह खोजे जा चुके हैं, लेकिन अभी तक बहुत कम बाहरी ग्रहों की प्रत्यक्ष छवि प्राप्त करने में सफलता मिल पाई है। मेजबान तारों पर इन ग्रहों के प्रभावों का अध्ययन करके ही इनकी उपस्थिति का पता चलता है। अब हवाई विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता ने एक नई अनोखी विधि से 35 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक बाहरी ग्रह की छवि प्राप्त की है। अब तक जितने भी बाहरी ग्रहों की तस्वीरें ली गई हैं, उनमें यह ग्रह हमारे सबसे नजदीक है। इस ग्रह को 'कोकोनट्स-2बी' के नाम से जाना जाता है। इस ग्रह और मेजबान तारे के बीच की दूरी पृथ्वी और सूरज के बीच की दूरी की तुलना में 6000 गुणा अधिक है। खगोल विज्ञानियों के अनुसार यह दूसरा ठंडा ग्रह है, जिसकी छवि लेने में सफलता मिली है। विशाल गैसीय ग्रह ठंडे होते हैं, लेकिन इस ग्रह का तापमान 160 डिग्री सेल्सियस है।

खगोल विज्ञानी बाहरी ग्रहों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए आम तौर पर दो तरीके अपनाते हैं। एक पारगमन विधि है जिसमें तारे की रोशनी में होने वाले परिवर्तनों को देखा जाता है। दूसरी वोबल विधि में तारे की रोशनी की वेवलैंथ में होने वाले परिवर्तनों को देखा जाता है। नए कोकोनट्स-2बी ग्रह की प्रत्यक्ष छवि कैसे ली गई, यह जानना दिलचस्प है। इस ग्रह के गठन के समय की बची हुई गर्मी से प्रकाश उत्पन्न होता है। इसी प्रकाश की मदद से शोधकर्ता इस ग्रह की प्रत्यक्ष छवि हासिल करने में कामयाब रहे। इस ग्रह का ऊर्जा उत्पादन सूरज की तुलना में दस लाख गुणा कम है। लिहाजा इसका पता निम्न ऊर्जा वाली इंफ्रारेड लाइट के इस्तेमाल से ही लगाया जा सकता है। आम तौर पर तारों के इर्दगिर्द बड़े गैसीय ग्रहों से निकलने वाली रोशनी को डिटेक्ट करना और उनका अध्ययन करना कठिन होता है, क्योंकि हम जो ग्रह खोज रहे हैं उनकी कक्षा छोटी होती है और वे अपने मेजबान तारे की रोशनी में डूबे हुए होते हैं। कोकोनट्स-2बी को सबसे पहले वाइड फील्ड इंफ्रारेड सर्वे एक्सप्लोरर उपग्रह ने 2011 में खोजा था, लेकिन उस समय इसे किसी तारे के परिक्रमारत ग्रह के बजाय स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाला ग्रह समझा गया था। शोधकर्ताओं ने अब यह पता लगाया है कि यह ग्रह वास्तव में एक तारे के साथ जुड़ा हुआ है जिसका द्रव्यमान सूरज का एक तिहाई है और उससे करीब दस गुणा ज्यादा युवा है। इसकी आयु सिर्फ 80 करोड़ वर्ष है। दूसरी तरफ हमारे सूरज की आयु करीब 4.6 अरब वर्ष है।

कोकोनट्स-2बी और मेजबान तारे के बीच लंबी दूरी के कारण इसका आसमान किसी पर्यवेक्षक को पृथ्वी से एकदम भिन्न नजर आएगा। वहां दिन और रात का समय एक जैसा होगा। ग्रह का मेजबान तारा काले आसमान में एक चमकीले लाल तारे जैसा दिखाई देगा।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

दीदी का अंदाज

राजनीति में लंबी छलांग के लिए व्यक्ति की छवि की अहम भूमिका होती है। यह इसलिए भी कि छवि के आधार पर ही जनधारणा बनती है। इस कसौटी पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जुझारू ही नहीं, बल्कि आक्रामक नेता के रूप में भी जानी जाती हैं। हाल के विधानसभा चुनाव में उनकी आक्रामकता नए अंदाज में समाने आई थी, पर दिलचस्प यह है कि सियासत में ममता चाहे जितनी आक्रामक हों, मगर निजी व्यवहार और शिष्टाचार में उनकी नरमी हमेशा ही ध्यान खींचती रही है। अपने हालिया दिल्ली प्रवास के दौरान चाहे सोनिया गांधी से मुलाकात हो या फिर पत्रकारों के साथ अपनी अनौपचारिक बातचीत, दीदी ने शिष्टाचार और व्यवहार की नरमी से सबका ध्यान खींचा। ममता जब भी दिल्ली आती हैं तो पत्रकारों से बेबाक चर्चा का मौका नहीं छोड़तीं। मौजूदा प्रवास के दौरान वह तृणमूल राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय के महादेव रोड स्थित आवास पर आमंत्रित पत्रकारों से रूबरू हुईं तो हमेशा की तरह मैत्रीपूर्ण चर्चा कीं। दीदी ने राष्ट्रगान के साथ इसका समापन किया। सभी ने खड़े होकर राष्ट्रगान में हिस्सा लिया। इसके बाद दीदी ने सुखेंदु को पत्रकारों का धन्यवाद करने के लिए कहा तो उन्होंने बांग्ला भाषा में धन्यवाद भी कर दिया। इस पर ममता ने कहा कि यह दिल्ली है और हिंदी में भी इसे दोहराएं। तब सुखेंदु ने हिंदी और फिर अंग्रेजी में धन्यवाद किया। मगर दीदी यहीं पर नहीं रुकीं। वह भारत माता की जय का नारा लगाते हुए सुखेंदु से भी यह जयकार लगवाईं। दीदी के इस अंदाज से साफ है कि उन्हें भी अपनी छवि की चिंता है।

बिजली गुल

अगर अदालत में बड़े-बड़े दिग्गज वकील कानूनी दांवपेच चल रहे हों और उसी समय कोर्ट की बिजली गुल हो जाए तो। कुछ ऐसा ही पिछले दिनों हुआ। कोरोना काल में कोर्ट की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हो रही है। कई बार न्यायाधीश अपने घर के आफिस से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई करते हैं। ऐसे ही एक दिन सुनवाई कर रहे एक न्यायाधीश के घर की बिजली चली गई। अदालत रुक गई। सभी आश्चर्य में थे। थोड़ी देर में बिजली आई और वर्चुअल अदालत में सभी लोग मुकदमे की सुनवाई के लिए जुड़े। न्यायाधीश ने बिजली गुल होने से हुई असुविधा के लिए अफसोस जताते हुए कहा कि बिजली मरम्मत करने वालों ने अचानक सारी लाइटें बंद कर दीं, जिसके कारण बिजली चली गई थी। एक वकील ने आश्चर्य जताते हुए जज से पूछा, 'आपके यहां भी ऐसा होता है।' न्यायाधीश ने हंसते हुए कहा, 'हम भी आम लोग हैं। हमारे यहां भी बिजली जाती है, पानी जाता है।'

छुपाने की लत

कोरोना रोधी टीकाकरण के आंकड़ों को छुपाने की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की लत जाने का नाम नहीं ले रही है। माना जा रहा था कि मंत्री के बदलने के बाद अधिकारियों का रवैया भी बदलेगा और वे ज्यादा पारदर्शी होंगे, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी हर दिन देश में लगने वाले कोरोना रोधी टीके की डोज का आंकड़ा देते हैं और यह भी बताते हैं कि राज्यों के पास कितनी डोज बची हुई हैं और कितनी पाइपलाइन में हैं, लेकिन वे यह नहीं बताते हैं कि निजी अस्पतालों ने कुल कितनी डोज की खरीद की है और उनके पास कितनी डोज बची हुई हैं। इससे देश में वैक्सीन के उत्पादन और उपलब्धता की सही जानकारी नहीं मिल पा रही है।

अबकी बार नेताजी पीछे

अमूमन संसद सत्र के दौरान संसद परिसर के भीतर पत्रकारों की भरमार होती है और सांसदों को मीडिया के बीच अपनी बात पहुंचाने के लिए पत्रकारों को खोजना नहीं पड़ता है, पर कोरोना की वजह से पिछले एक साल से सीमित संख्या में मीडियाकर्मियों को संसद में प्रवेश की अनुमति दी गई है। इसका नतीजा यह हुआ कि कई सांसद जो अपनी बात मीडिया तक पहुंचाना चाहते थे, वे मीडियाकर्मियों को खोजते नजर आए। प्रवेश पास नहीं मिलने के कारण काफी पत्रकार विजय चौक पर ही जमे रहते हैं और नेताओं को अपनी बात रखने के लिए वहीं आना पड़ रहा है। ऐसे में इन दिनों अक्सर कई सांसद तो संसद से पैदल चलकर ही मीडिया से रूबरू होने विजय चौक तक आते देखे जा सकते हैं।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) - विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHI/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1984 के दिसंबर में भोपाल गैस त्रासदी के महज तीन माह बाद ही 1985 में इसी शहर के 'भारत भवन' में विश्व कविता समारोह का आयोजन किया गया था, जो ऐसे त्रासद समय में इस आयोजन के कारण विवादों में रहा।

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

आजकल

दिशाहीन होता कला का 'भारत भवन'

भोपाल में वर्ष 1982 में जब भारत भवन की स्थापना की गई थी तो उसका उद्देश्य कला जगत को एक नई दिशा प्रदान करना था। इससे जुड़े एक प्रशासनिक अधिकारी की कविता को लेकर हालिया विवाद के बाद यह केंद्र चर्चा में आया। भारत भवन की परिकल्पना और स्थापना कला के विभिन्न रूपों में समन्वय और संवाद के एक केंद्र के रूप में की गई थी। लेकिन सरकारी अनुदान और ट्रस्टियों के माध्यम से संचालित यह संस्था आज दिशाहीन होती जा रही है, लिहाजा इसमें सामयिक बदलाव आवश्यक है

कला के प्रचार-प्रसार का केंद्र : भोपाल स्थित भारत भवन। जागरण

1982 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने किया था इस कला केंद्र का उद्घाटन। जागरण

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी और कमल नाथ मुख्यमंत्री। मुख्यमंत्री बनने के बाद कमल नाथ सरकार ने एक आदेश के जरिये सूबे की तमाम उन समितियों को भंग करने का आदेश दिया था जिसके सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार करती थी। किसी भी समिति के कार्यकाल के खत्म होने की प्रतीक्षा नहीं की गई थी। उसके पहले लंबे समय से मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और वहां अलग अलग विभागों की समितियों, सलाहकार समितियों आदि में ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोग नामित थे। कमल नाथ ने एक झटके में सभी समितियों को भंग करके कांग्रेस और वामदलों में आस्था रखनेवालों को नियुक्त करना आरंभ कर दिया था। भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति जगदीश उपासने से दबाव डालकर इस्तीफा लेने की खबर उस वक्त आई थी। उनके इस्तीफे के बाद कमल नाथ सरकार ने अपनी पसंद का कुलपति बनाया गया था। उन कुलपति महोदय ने भाजपा और नरेंद्र मोदी पर सार्वजनिक रूप से अनर्गल टिप्पणी करनेवाले तीन व्यक्तियों को प्रोफेसर के तौर पर अस्थायी नियुक्ति भी दी थी। फिर मध्य प्रदेश का राजनीतिक घटनाक्रम बदला और शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बन गए। पर कला-संस्कृति के क्षेत्र में कमल नाथ ने अपने सवा साल के कार्यकाल में जो बदलाव किए थे उनमें से ज्यादातर अब भी अपने अपने पदों पर डटे हुए हैं। कुछ लोगों ने भले ही इस्तीफा दे दिया।

पिछले दिनों भोपाल के भारत भवन से जुड़े प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल की कविता को लेकर विवाद आरंभ हुआ तो पूरे देश की नजर इस कला केंद्र की ओर गई। भारत भवन की परिकल्पना और स्थापना कला के विभिन्न रूपों में समन्वय और संवाद के एक केंद्र के रूप में की गई थी। इस संस्था को मध्य प्रदेश सरकार से अनुदान मिलता है। इसको चलानेवाले ट्रस्ट में मध्य प्रदेश सरकार और भारत सरकार के प्रतिनिधि होते हैं। प्रदेश के संस्कृति सचिव भी इस ट्रस्ट में रहते हैं। कमल नाथ सरकार ने जब सभी समितियों आदि को भंग किया था तब भारत भवन के ट्रस्टियों को भी हटा दिया गया था। उसके बाद कांग्रेस सरकार ने अपनी पसंद के लोगों को ट्रस्ट में नामित किया था। श्याम बेनेगल, गुलजार और संजना कपूर भारत भवन के ट्रस्टियों में शामिल हैं। कमल नाथ ने जब भारत भवन के ट्रस्ट को भंग किया था तो उस वक्त की ट्रस्टियों में पद्मा सुब्रह्मण्यम जैसी विख्यात कलाकार और डा. सच्चिदानंद जोशी जैसे प्रतिष्ठित लेखक और सांस्कृतिक प्रशासक शामिल थे। उस वक्त किसी ने ये नहीं सोचा कि पद्मा जी जैसी बड़ी कलाकार को कैसे हटाया जा सकता है। लेकिन अब के हुक्मरानों में इस बात को लेकर हिचक है कि गुलजार और श्याम बेनेगल को कैसे हटाया जा सकता है। यही फर्क है भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में। कांग्रेस को जिसको रखना या हटाना होता है वो बेहिचक अपना काम करती है। और अगर कांग्रेस बौद्धिक क्षेत्र में ऐसा करती है तो वामपंथी उनके फैसलों को संरक्षण भी देते हैं। इससे उलट भाजपा सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। उदारतापूर्वक अपने विरोधियों को भी स्थान देती है। खैर ये एक अलहदा मुद्दा है जिसपर फिर कभी विस्तार से चर्चा होगी। फिलहाल हम बात कर रहे हैं भारत भवन की।

भारत भवन अपने स्थापना काल से ही विवादों में रहा है, लेकिन अब लगभग दिशाहीन हो गया है। 1982 में जब इसकी स्थापना हुई थी तब नौकरशाह अशोक वाजपेयी इसके कर्ताधर्ता थे। उस समय भी अशोक वाजपेयी के एक बयान से विवाद पैदा हुआ था। दिसंबर 1984 में भोपाल गैस त्रासदी में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उसके तीन महीने बाद भारत भवन ने 1985 में विश्व कविता समारोह का आयोजन किया था। अशोक वाजपेयी का बयान इस आयोजन के संदर्भ में ही था, जिसकी पूरे देश में निंदा हुई थी। अशोक वाजपेयी ने कहा था- मरनेवाले के साथ मरा नहीं जाता। बाद में अशोक वाजपेयी ने अपनी सफाई में कहा कि उनकी संवाददाता से फोन पर अनौपचारिक बातचीत हुई थी और उन्होंने कहा था, 'यही जीवन है और हम मरनेवालों के साथ मर नहीं जाते।' अगर अशोक वाजपेयी की दलील मान भी ली जाए तो अनौपचारिक बातचीत से भी संवेदना के संकेत तो मिलते ही हैं। उसके बाद भी कई विवाद भारत भवन को लेकर होते रहे हैं। हालिया विवाद यहां के कर्ताधर्ता प्रेमशंकर शुक्ल की कविता और उनकी कार्यशैली को लेकर उठा है। दरअसल प्रेमशंकर शुक्ल अशोक वाजपेयी की बगिया के ही फूल हैं। प्रेमशंकर शुक्ल की आस्था अब भी अशोक वाजपेयी से ही जुड़ी है। यह अनायास नहीं है कि अशोक वाजपेयी से जुड़े लोगों या वामपंथ से जुड़े लेखकों कवियों को भारत भवन से प्रकाशित पत्रिकाओं में प्रमुखता से स्थान मिलता है। उन्हीं कवियों को भारत भवन के आयोजनों में बार बार बुलाया जाता है जो अशोक वाजपेयी की मित्र मंडली में हैं। इस तरह की कला संस्थाओं में किसी कवि या लेखक को आमंत्रित करने का कोई मानदंड तो होता नहीं है, न ही कोई ऐसी व्यवस्था होती है कि किस रचनाकार को कितनी बार आमंत्रित किया जाए। इसकी ही आड़ में इन संस्थाओं में खेल चलते हैं।

भारत भवन के अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल कविता भी लिखते हैं। उनकी कुछ कविताएं जो इन दिनों चर्चा के केंद्र में है उनमें शिव-पार्वती से लेकर पान और होंठ तक के बिंब का प्रयोग किया गया है। इन कथित कविताओं में जो भावोच्छवास है वो अश्लीलता तक पहुंचती है। यह ठीक है कि कवि अपनी कल्पना में बहुधा देह के सौंदर्य का उपयोग करते हैं, लेकिन प्रेमशंकर शुक्ल के यहां जब इस तरह के बिंब आते हैं तो वो फूहड़ता के साथ उपस्थित होते हैं। चाहे उनकी कविता अंगराग हो, मीठी पीर हो, केलि हो या अनावरण और आदि पलथी हो। इनकी कविताओं को पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि अशोक वाजपेयी की शागिर्दी में इतने लंबे समय से रहने के बाद भी प्रेमशंकर शुक्ल कविता लिखना नहीं सीख पाए। हिंदी साहित्य के पिछले तीन-चार दशकों के परिदृश्य पर नजर डालें तो इस कालखंड में कई अफसर लेखक-कवि हुए। अगर वो अपने समकालीन रचनाकारों को लाभ पहुंचाने की स्थिति में होते हैं तो वो चर्चित भी होते रहे हैं। वजह बताने की जरूरत नहीं। कोई अफसर किसी शोध संस्थान में पदस्थापित होते ही पुस्तक लिखने लग जाता है। उनके पास सुविधाएं होती हैं और समकालीन लेखकों को उपकृत करने का संसाधन। इन सरकारी सुविधाओं और संसाधनों के बल पर ज्यादातर अफसर कवि हो जाते हैं। नामवर सिंह ने कई ऐसे अफसरों को सदी का श्रेष्ठ रचनाकार तक घोषित किया था।

मध्य प्रदेश के बारे में माना जाता रहा है कि यहां संस्कृति को लेकर अन्य राज्यों की अपेक्षा ज्यादा संजीदगी से काम होता है। इस प्रदेश के सबसे बड़े कला केंद्र की गतिविधियां इस धारणा को खंडित करती है। भारत भवन में जिस तरह के आयोजन हो रहे हैं या जो प्रकाशन हो रहा है उस पर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग को ध्यान देना चाहिए। गुलजार और श्याम बेनेगल की प्रतिष्ठा हो सकती है, लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर उनसे यह अपेक्षा करना व्यर्थ है कि वो संस्था को कोई दिशा दे सकेंगे। भारत भवन को रचनात्मक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए रचनात्मक और सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता कला जगत में महसूस की जा रही है।

फिर से

नागरिक सेवा धर्म का पालन

गौतम अदाणी
चेयरमैन, अदाणी समूह

कोरोना महामारी से दुनिया भर में अब तक 40 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कोई देश और समुदाय इसकी चपेट में आने से नहीं बचा है। बेशक, हमारे देश को इस संबंध में बहुत बेहतर करना चाहिए था, खासकर संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान तो निश्चित रूप से बेहतर करना चाहिए था। हालांकि दुनिया के अन्य राष्ट्र इस महामारी से लड़ने के लिए जब अपने संसाधन व्यवस्थित कर रहे थे, कई आलोचकों का कहना था कि भारत अपने नागरिकों के टीकाकरण के लिए समग्र प्रयास नहीं कर रहा है।

हमारी आबादी के विशाल आकार और घनी आबादी वाले महानगरों को देखते हुए, अधिकांश अन्य देशों के मुकाबले भारत के सामने चुनौती कहीं अधिक है। हालांकि आलोचना उचित है, लेकिन हमें ऐसी किसी बात से प्रेरित नहीं होना चाहिए जो हमारे देश का मनोबल गिराती है या असाधारण बलिदान देने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स का मनोबल तोड़ती हैं। ये फ्रंटलाइन वर्कर्स ही हमारी प्रेरणा रहे हैं।

राष्ट्र सेवा करने के हमारे कर्तव्य के बारे में हमें फ्रंटलाइन वर्कर्स के मुकाबले किसी और ने न तो अधिक प्रेरित किया है और न ही याद दिलाया है। महामारी के दुख-दर्द को झेलते हुए, इन फ्रंटलाइन वर्कर्स ने 'सेवा परमो धर्मः' के महान भारतीय आदर्श का उदाहरण पेश किया।

अदाणी ग्रुप ने दुनिया भर से लिक्विड मेडिकल आक्सीजन, क्रायोजेनिक टैंक और आक्सीजन सिलेंडर जैसी महत्वपूर्ण आवश्यक चीजें हासिल की, लेकिन हमारा योगदान भारतीय वायु सेना के कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की विशालता के सामने छोटा ही रहा है, जिन्होंने आवश्यक सामग्रियों को लाने में हमारी मदद के लिए दिन-रात नजदीकी स्थानों से लेकर दूरदराज के ठिकानों के लिए उड़ानें भरीं।

हमने अपने योगदान से पीएम केयर्स फंड को बढ़ावा दिया है। हमने पूरे देश में वायु, समुद्र, रेल और सड़क मार्ग से लाजिस्टिक सहायता प्रदान की और हजारों टन बेहद जरूरी सामग्रियों को गंतव्य स्थलों तक पहुंचाया, लेकिन जब हम इसकी तुलना अपने डाक्टरों और नर्सों के महान काम से करते हैं, तो यह कुछ भी नहीं है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल कर अपने साथी नागरिकों की सेवा की।

इस भयावह संक्रमण के दौर में मानवता की कहानियां दिल को छू लेने वाली हैं। हमने जो बलिदान देखे हैं, वे हृदय को झकझोर देने वाले रहे हैं। इन सबके बीच हमने आक्सीजन वितरण और अस्पतालों में भर्ती मरीजों की भरपूर मदद करने की कोशिश की है। इसके लिए हमारे अदाणी फाउंडेशन के लोगों ने संसाधनों और विशेषज्ञों को साथ लेकर योगदान दिया है।

उदाहरण के लिए, कुछ ही दिनों के भीतर हमारी इंजीनियरिंग और मेडिकल टीमों ने अहमदाबाद स्थित अदाणी विद्या मंदिर स्कूल को इमरजेंसी केयर सेंटर में बदल दिया जिसमें सैकड़ों बिस्तर, आक्सीजन सपोर्ट और भोजन व्यवस्था उपलब्ध थी। इसी तरह, भुज और मुंद्रा में हमारे जनरल अस्पतालों को पूरी तरह से कोविड केयर अस्पतालों में बदल दिया गया था।

यह सब अदाणी परिवार से जुड़े हजारों साथियों के समन्वित प्रयासों के बिना संभव नहीं होता। इतना ही नहीं, देश के दूरदराज क्षेत्रों तक टीके पहुंचाने में हमारे लाजिस्टिक विभाग की भी अहम भूमिका रही है। मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं और उन्हें यह बताना चाहता हूं कि उन्होंने जो किया है और अब भी कर रहे हैं, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

ट्वीट-ट्वीट

भारतीय अर्थव्यवस्था के अच्छे दिनों की शुरुआत 1991 में ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों को लागू करने से हुई, लेकिन तब कई सेक्टर इससे अछूते रहे थे। अब हमें विधि के शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, शहरी प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में बड़े सुधारों की गंभीरता से पहल करनी चाहिए। राज्य को अपनी भूमिका भी स्पष्ट करनी और उसे हर हाल में निभानी चाहिए। ऐसा करने के बाद ही हम आठ से दस प्रतिशत की विकास दर बरकरार रख सकते हैं।
जयप्रकाश नारायण@JP_LOKSATTA

छात्र ध्यान दें : यदि आपके अभिभावक आपके दोस्तों के माता-पिता की तरह आपके बोर्ड के रिजल्ट के बारे में उत्साहित होकर ट्वीट या फेसबुक पर पोस्ट नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आपके नंबर कम हैं तो चिंतित-निराश न हों। हममें से बहुतों के नंबर स्कूल या कालेज की परीक्षाओं में अच्छे नहीं थे, लेकिन हमने जिंदगी की रेस में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।
अद्वैता काला@AdvaitaKala

लगता है तालिबान ने अपना चरित्र पाकिस्तानी सेना में बैठे अपने आकाओं से प्राप्त किया है। वे राजनीति के मंच पर शांति की बात करते हैं और जमीन पर आतंक का नंगा नाच करते हैं। पाकिस्तानी आतंक और झूठ का शिकार रहा भारत आफगानी सरकार और सुरक्षा बलों के दर्द को बहुत अच्छी तरह से समझ सकता है।
सोनम महाजन@AsYouNotWish

कोरोना ने सिनेमा को भी बहुत प्रभावित किया है। यदि भारतीय सिनेमा को नुकसान हुआ तो सबसे ज्यादा क्षति किसकी होगी? निश्चित रूप से भारतीयों की। क्योंकि यही तो वामपंथी और शहरी नक्सली चाहते हैं। वे भारत के साफ्ट पावर पर ओटीटी प्लेटफार्म के जरिये नियंत्रण करना चाहते हैं। आज सभी भारतीय विषय-सामग्री पर सिर्फ दो-तीन अमेरिकी ओटीटीज का कब्जा है।
विवेक रंजन अग्निहोत्री@vivekagnihotri

रचनाकर्म

युद्ध पर बनी फिल्मों का विश्लेषण

विवेक भटनागर

समीर चोपड़ा ने युद्ध और भारतीय सेना के शौर्य को केंद्र में रखकर यह पुस्तक लिखी है, जो हमारी सेना के पराक्रम को प्रदर्शित करती युद्ध आधारित फिल्मों का सिलसिलेवार ढंग से विश्लेषण करती है...

पुस्तक : बालीवुड डज बैटल
लेखक : समीर चोपड़ा
प्रकाशक : हार्पर कालिंस, नोएडा
मूल्य : 399 रुपये

पिछले लोकसभा चुनाव के कुछ महीने पहले एक फिल्म रिलीज हुई थी, 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक'। इस फिल्म का एक संवाद- 'हाउ इज द जोश' सभी की जुबान पर चढ़ गया था। राजनीतिक सभाओं में भी इसका इस्तेमाल हुआ। एक कार्यक्रम में तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने भाषण का आरंभ इसी संवाद से करते हुए पूछा था- 'हाउ इज द जोश'। इस प्रसंग को बताने का मकसद यह है कि भारतीय सेना के शौर्य पर बनी फिल्में दर्शकों पर खूब प्रभाव छोड़ती हैं। समीर चोपड़ा ने युद्ध और भारतीय सेना के शौर्य को केंद्र में रखकर यह पुस्तक लिखी है, 'बालीवुड डज बैटल, द वार मूवी एंड द इंडियन पापुलर इमेजिनेशन'।

समीर चोपड़ा ने युद्ध और उसकी पृष्ठभूमि पर बनी कुछ फिल्मों का विश्लेषण करते हुए यह पुस्तक लिखी है। पूरी दुनिया में युद्ध की पृष्ठभूमि पर कई फिल्में बनी हैं। हिंदी में भी युद्ध की कहानियों पर और युद्ध में हमारे सेनानियों की शौर्यगाथाओं पर फिल्में बनी हैं। माना जाता है कि कोई भी देश अगर किसी देश से युद्ध लड़ता है तो उसका प्रभाव कई अन्य देशों पर भी पड़ता है। जब हमारा देश आजाद हुआ तो कश्मीर में भारतीय सेना को कबायलियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी थी। सीधे सीधे उसको युद्ध नहीं कहा जा सकता है। भारत पर पहली बार चीन ने वर्ष 1962 में आक्रमण किया। उसके बाद पाकिस्तान के साथ तीन युद्ध हुए, वर्ष 1965 में, 1971 में और वर्ष 1999 में। चीन के साथ हुए युद्ध ने नेहरू के राजनीतिक कौशल पर सवाल खड़ा कर दिया था। वर्ष 1965 के युद्ध ने लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व को मजबूती प्रदान की। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से एक नए देश 'बांग्लादेश' का जन्म हुआ और इंदिरा गांधी को राजनीतिक मजबूती मिली। चीन और पाकिस्तान के साथ के युद्ध का असर भारत के अन्य देशों के साथ रिश्तों पर पड़ा। नए रिश्ते बने तो पुराने में खटास आई।

चेतन आनंद की फिल्म 'हकीकत' युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी पहली हिंदी फिल्म मानी जाती है। इस फिल्म में चीन की धोखाधड़ी को रेखांकित किया गया है। समीर चोपड़ा ने अपनी किताब में इतिहासकारों के हवाले से यह कहा है कि किसी भी देश का जनमानस जब जख्मी होता है तो देशभक्ति की भावना प्रबल होती है। फिल्म 'हकीकत' को उन्होंने इसी आईने में देखा है। 'हकीकत' फिल्म का एक गाना 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' बेहद लोकप्रिय हुआ था। चेतन आनंद की एक और फिल्म 'हिंदुस्तान की कसम' को भी लेखक ने अपनी इस पुस्तक में परखा है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'आपरेशन कैक्टस लिली' को केंद्र में रखकर बनाई गई थी। लेखक ने अपनी पुस्तक में जे ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'आक्रमण' को भी शामिल किया है। उनका मानना है कि 'आक्रमण' और 'हिंदुस्तान की कसम' में फिल्मकार सार्थक राजनीतिक संदर्भ देने में चूक गए। पुस्तक में समीर चोपड़ा ने फिल्म 'बार्डर', 'एलओसी कारगिल', 'लक्ष्य', 'विजेता' और 'द गाजी अटैक' का विस्तार से विश्लेषण किया है।

पुस्तक में लेखक ने युद्ध आधारित हिंदी फिल्मों के विश्लेषण को रामायण और महाभारत की कथा से जोड़ने की कोशिश की है। लेखक इस बात को भी रेखांकित करते हैं कि हमारे देश में युद्ध के समय फ्रंटलाइन की कार्रवाईयों की डाक्यूमेंट्री नहीं होने की वजह से या उस वक्त फ्रंटलाइन एक्शन की वीडियो कवरेज नहीं होने की वजह से युद्ध आधारित फिल्में उसकी बारीकियों में न जाकर पापुलर जोनर में चली जाती हैं। यह पुस्तक फिल्म के शोधार्थियों के लिए मददगार हो सकती है, लेखक की दृष्टि से सहमति-असहमति हो सकती है, लेकिन उस पर संवाद की जमीन तो तैयार करती ही है।

आपदाओं पर एक नई दृष्टि

अमित तिवारी

पुस्तक : कल्कि : दसवें अवतार का उदय
लेखक : आशुतोष गर्ग, अत्रि गर्ग
प्रकाशक : प्रभात पेपरबैक्स
मूल्य : 200 रुपये

कल्पना व्यक्ति को ईश्वर की ओर से मिली सबसे बड़ी पूंजी है। यही कल्पना कई बार जीवन में अनुत्तरित लगने वाले प्रश्नों के उत्तर भी सहज रूप से सामने रख देती है। 'अश्वत्थामा' और 'इंद्र' जैसे उपन्यास लिख चुके आशुतोष गर्ग ने इस बार 'कल्कि : दसवें अवतार का उदय' नाम से किताब लिखी है। इसमें उन्होंने धर्म और विज्ञान के तार जोड़े हैं। उनके बेटे अत्रि गर्ग ने भी इसका सह-लेखन किया है।

किताब में एक परिवार की दो अलग-अलग पीढ़ी से भगवान विष्णु के अवतार कल्कि की मुलाकात के माध्यम से कहानी को गढ़ा गया है। किताब के पहले हिस्से में कल्कि की मुलाकात एक किरदार से होती है, जहां प्रथम विश्व युद्ध के बाद फैली महामारी को वह मनुष्य को उसकी गलतियों की सजा देने के लिए ईश्वर का प्रकोप बताते हैं। कुछ दशक बाद कल्कि फिर उस व्यक्ति के पोते से मिलते हैं और 2020 में फैली महामारी 'म्यूविड-20' पर चर्चा करते हैं। यह किताब मनुष्य द्वारा प्रकृति के अत्यधिक दोहन और विकास के नाम पर हो रहे विनाश की गाथा कहती है। यह बताती है कि पृथ्वी पर मनुष्य एकमात्र जीव नहीं है, बल्कि अन्य अनगिनत जीवों का भी इस पर मनुष्य जितना ही अधिकार है। जबकि मनुष्य लगातार सभी के अधिकारों में दखल देता आया है।

पहली नजर में यह किताब अपना सब किया-धरा भगवान पर थोप देने के विचार से प्रेरित होने का आभास देती है। हालांकि जब मानवजाति द्वारा प्रकृति के बेतहाशा दोहन पर नजर पड़ती है, तो सहसा यह मानने को भी मन करता है कि शायद प्राकृतिक आपदाएं और महामारियां भी कहीं न कहीं धरती पर संतुलन बनाने की प्रकृति की प्रक्रिया का ही अंग हैं। कुल मिलाकर, यह किताब पाठक को रोमांचित करती है और दुनिया में फैली महामारी को देखने की एक अलग दृष्टि भी देती है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या पेगासस जासूसी मामले पर संसद में चर्चा आवश्यक है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या तालिबान के अफगानिस्तान में काबिज होने से कश्मीर के लिए खतरा बढ़ेगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

देश जलाओ साथ है अमरिंदर सरकार,
केस लड़ेगी आपका फिकर न कोई यार।
फिकर न कोई यार चहे ट्रैक्टर दौड़ाओ,
लालकिले पर कूद चहे झंडा फहराओ।
कहे न कोई देश बुलंदी पर पहुंचाओ,
उन्हें चाहिए वोट चहे तुम देश जलाओ!
– ओमप्रकाश तिवारी

यतीन्द्र मिश्र

प्लासी : छल और कपट-संधि का युद्ध

यह किताब इतिहास के एक जरूरी पाठ की तरह सामने आती है, जिसको पढ़ना, निश्चित तौर पर बड़े कैनवास पर रची गई फिल्म को उतने ही बड़े पर्दे पर देखने जैसा है

पुस्तक : प्लासी : द बैटल दैट चेंज्ड द कोर्स आफ इंडियन हिस्ट्री
लेखक : सुदीप चक्रवर्ती
प्रकाशक : एलेफ बुक कंपनी, नई दिल्ली
मूल्य : 799 रुपये

अंग्रेजी के चर्चित लेखक सुदीप चक्रवर्ती का इतिहास लेखन गंभीरता से लिया जाता है। उनकी नवीनतम 'प्लासी : द बैटल दैट चेंज्ड द कोर्स आफ इंडियन हिस्ट्री' इस अर्थ में पठनीय है कि प्लासी के ऐतिहासिक युद्ध को लेकर भारत में ब्रितानी हुकूमत के आगमन और प्रभावों का दिलचस्प ब्यौरा पूरे रंग में यहां मौजूद है। यह किताब एक हद तक इस पूरे प्रसंग के हवाले से एक क्रानिकल भी है, जिसे पढ़कर आप समृद्ध ही नहीं होते, बल्कि कुछ ऐसे प्रामाणिक तथ्यों से भी परिचित होते हैं, जो शायद इतिहास की पढ़ाई के बाद भी आंखों से ओझल रहती है।

चक्रवर्ती अपनी भूमिका में लिखते हैं, 'प्लासी का कथानक दो ऐसे किरदारों के बीच फंसा हुआ है, जहां महत्वाकांक्षा, विश्वासघात, राजनीति और मुनाफा एक साथ पल रहे हैं। यह एक तरीके का रियलिटी शो भी था, जिसने व्यापक स्तर पर भारत में मौजूद विपुल खजाने और सिंहासन पाने के खेल को साधने की कोशिश की। प्लासी केवल एक युद्ध भर नहीं था, उससे परे बहुत कुछ था, क्योंकि यह अपने शुरू होने के बाद कुछ ही घंटों में समाप्त भी हो गया।' इतिहासकार के रूप में कहीं न कहीं लेखक ने इस बात की ओर इशारा भी किया है कि इस युद्ध या विगत में हुई सामाजिक-राजनीतिक बदलाव की किसी घटना के कई पहलू होते हैं। उन्हें समग्रता में देखने की कोशिश ही उस घटना को एक बड़ी तारीख या कहानी में बदलती है। प्लासी के युद्ध को उस दौर में जितना राजनीतिक संदर्भों में देखने की जरूरत है, उतना ही उसे कूटनीतिक स्तर पर भारतीय परिप्रेक्ष्य में आकलन करने की आवश्यकता भी।

इसे समझने के लिए लेखक ने जिन विद्वानों के कामों को आधार बनाया है, उनमें जार्ज ब्रूस मालसन, जान के, क्रिस्टोफर बेली, नीरद सी चौधरी, विलियम केवेंडिश बेंटिंक, जान क्लार्क मार्शमैन, ईश्वरचंद विद्यासागर, अबुल कलाम, मोहम्मद जकारिया जैसे इतिहासकार मौजूद हैं, जिन्होंने भारत की इस लड़ाई को अपनी दृष्टि से समझने का प्रयास किया है। चक्रवर्ती, ईस्ट इंडिया कंपनी के राबर्ट क्लाइव और बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के बीच हुए प्लासी के युद्ध को दो लोगों के बीच हुए आपसी सैन्य अभियान से अलग छल, भितरघात और लालच का ऐसा जघन्य कर्म मानते हैं, जिसने आने वाली लगभग डेढ़ शताब्दी तक भारत का इतिहास बदलकर रख दिया। यहां की सामाजिक संरचना को आघात पहुंचाते हुए भारत में ब्रिटिशों के आगमन, उनकी छल-छद्म से सत्ता पाने के कृत्यों और मसाले, सिल्क व अन्य चीजों के व्यापार के बहलावे में छुपे हुए भारत को उपनिवेश बनाने के काम की राह प्रशस्त कर दी। यह किताब कुछ दिलचस्प किरदारों का भी ऐतिहासिक वृत्तांत समेटे हुए है, जिसमें सिराजुद्दौला की सेना का वफादार सिपाही मीर मदन, जगत सेठ, जो मुर्शीदाबाद का एक बड़ा साहूकार था और बंगाल के टकसाल को नियंत्रित करता था, प्लासी युद्ध की जमीन बनाने वाला एक षड्यंत्रकारी, मीर जाफर एक दूसरा विश्वासघाती, जो अलीवर्दी खां और सिराजुद्दौला खां दोनों की ही सेनाओं में बड़े ओहदे पर था, उनकी भूमिकाओं को एक औपन्यासिक कथा की तरह पढ़ना रोमांचक अनुभव है। इस पूरे प्रकरण में घसेटी बेगम का किरदार भी दिलचस्प ढंग से उभरा है, जो अलीवर्दी खां की पुत्री और रिश्ते में सिराजुद्दौला की मौसी थी। उनके साथ के प्रसंग और इतिहास में उनकी दुरभिसंधियों को भी पैनी निगाह से टटोला गया है, जो ऐतिहासिक आख्यान को मानवीय दुर्बलताओं से भरे हुए एक प्रामाणिक दस्तावेज में बदलता है।

यह अकारण नहीं है कि इतिहास में हुई ऐसी तमाम भूल-गलतियों में प्लासी का युद्ध अभिशाप की तरह रहा है, जो ब्रिटिश लोगों की क्रूरता, उनकी दमनकारी नीतियों और आक्रामक ढंग से ईस्ट इंडिया कंपनी को तिजारत के बहाने शासन करने की बेलगाम अंकुश के रूप में स्थापित करता है। तीन अध्यायों में विभक्त इस दस्तावेज की खूबसूरती इस बात में भी निहित है कि तथ्यों और सूचनाओं को बटोरने के क्रम में लेखक ने ब्रिटिश राज के दस्तावेजों, गजेटियरों, चिट्ठियों, संस्मरणों और अन्य स्रोतों से पाठ्य सामग्री एकत्र की है। इसे लिखते हुए वे किताब को इतिहास की बोझिल डायरी नहीं बनाते, बल्कि सहज ढंग से चौकन्ने बने हुए इतिहास की छिपी हुई परतों को उभारने की कोशिश करते हैं। इस काम को समझने के लिए उस दौर में और उस पूरी परंपरा पर जितने मिनिएचर और तैल चित्र बने हैं, उनका समावेश भी किताब में संदर्भ की तरह किया गया है। यह रोचक है और इस पूरे घटनाक्रम को एक विजुअल इंपैक्ट देता है, जिससे नैरेटिव में मौजूद तनाव और नाटकीयता, दोनों ही उजागर होते हैं। मिसाल के तौर पर वर्ष 1760 में फ्रांसिस हेमेन द्वारा बनाए आयल आन कैनवास देखिए, जिसमें प्लासी युद्ध के बाद राबर्ट क्लाइव और मीर जाफर की मीटिंग दर्शाई गई है। एक दूसरे तैलचित्र में मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय 16 अगस्त, 1765 को राबर्ट क्लाइव के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर करते हैं, जिसके अनुसार बंगाल की दीवानी, कंपनी बहादुर को सौंपी जाती है। ऐसी शोधपरक कृतियों का हिंदी में इंतजार है, जिससे व्यापक हिंदी पट्टी के पाठक भी लाभान्वित हो सकें।

16 अन्य देशों में हो रहा आयुर्वेद से इलाज। लोकसभा में दी गई लिखित जानकारी के अनुसार हंगरी, स्विट्जरलैंड, क्यूबा, ब्राजील, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई, ओमान, सऊदी अरब, बहरीन, मलेशिया, मारीशस, सर्बिया और तंजानिया में इस चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 1 अगस्त, 2021

उत्तराखंड

जन-तंत्र की जिम्मेदारी

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण के नए मामले माथे पर चिंता की लकीरें खींच रहे हैं। पखवाड़ेभर पहले तक उम्मीद की जा रही थी कि उत्तराखंड जल्द कोरोना मुक्त हो जाएगा। घटते सक्रिय मामले और स्वस्थ होने की बढ़ती दर सुकून का एहसास करा रही थी। लेकिन अब फिर से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। रोजाना के संक्रमितों का आंकड़ा भले ही अभी दहाई में सिमटा हुआ है, लेकिन इसमें गिरावट दर्ज न होना चिंता का विषय बनता जा रहा है। हालात तीसरी लहर का इशारा कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसा कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है, पर यही क्रम चलता रहा तो परिस्थितियां बदलते देर नहीं लगेगी। अब जबकि राज्य सरकार दो अगस्त से छठी से 12वीं तक की कक्षाओं के साथ ही सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं को खोलने का एलान कर चुकी है। सरकारी दफ्तरों में भी शत प्रतिशत उपस्थिति का नियम लागू कर दिया गया है। जाहिर है भीड़भाड़ बढ़ेगी। एक-दूसरे के संपर्क में लोग ज्यादा आएंगे। राजनीतिक गतिविधियों में तो कोविड प्रोटोकाल की घोर अवहेलना हो रही है। स्कूल बंद होने की वजह से अभी तक अपने घरों में सुरक्षित नौनिहाल भी भीड़ का हिस्सा बनेंगे। स्थितियों को देखते हुए सरकार का स्कूलों को दो पालियों में खोलने का विचार अच्छा है। सरकार ने यह भी विकल्प खुला रखा है जो अभिभावक सुरक्षा कारणों से बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहेंगे, उनके लिए आनलाइन पढ़ाई जारी रखी जाएगी। निश्चित तौर पर इसमें कोविड की रोकथाम के प्रति सरकार की संजीदगी झलकती है। लेकिन इतने से ही काम नहीं चलने वाला है। शिक्षण संस्थानों में कोविड गाइडलाइन का पालन करवाने का जिम्मा भी सरकार को उठाना होगा। चूंकि नौनिहालों को अभी कोरोनारोधी टीके नहीं लगे हैं, विशेषज्ञ तीसरी लहर में उनके ज्यादा प्रभावित होने की आशंका जाहिर कर रहे हैं। इसलिए इस पहलू पर खास ध्यान देना होगा। कोरोना संक्रमण की प्रभावी तरीके से रोकथाम हो, इसके लिए राज्यभर में टेस्टिंग के साथ ही वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। इसमें तंत्र को ही नहीं, जन को भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभानी होगी। विज्ञानी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस वक्त कोरोना के बचाव के उपायों से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। पाबंदियों में ढील का अर्थ यह कतई नहीं कि सब कुछ भूलकर तीसरी लहर को एक प्रकार का आमंत्रण दिया जाए। उम्मीद है जन और तंत्र दोनों ही स्थिति की गंभीरता और संभावित खतरे को भांप रहे होंगे। समय पर नहीं संभले जो विकट स्थितियां पैदा होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

> कोरोना संक्रमण के जोखिम को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। जन और तंत्र दोनों को ही सजग और सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा

हिमाचल प्रदेश

कोरोना के खिलाफ सतर्कता

जहां सतर्कता होती है, वहां दिक्कतें भी कम होती हैं। जब लापरवाही होती है तभी दिक्कतें आती हैं। डेढ़ साल से अधिक समय से वैश्विक महामारी कोविड ने पूरे विश्व को परेशान कर रखा है। इसके संक्रमण की दो लहर में आर्थिक ही नहीं, जानी नुकसान भी झेलना पड़ा है। हर तरह की गतिविधियां थम गई थीं। हालात में कुछ सुधार होने पर हर तरह की गतिविधियां भी धीरे-धीरे शुरू की जा रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों ने तीसरी लहर के आने की भी आशंका जताई है। हिमाचल प्रदेश में सरकार व स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए हर तरह की तैयारी की जा रही है। पूर्व की दो लहरों से सबक लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यवस्था चाक चौबंद होने का भी दावा किया है। लोगों को चेताया गया था कि हिदायतों का पालन करें, लेकिन महामारी फिर सिर उठाने लगी है।

यह चिंतनीय है कि राज्य में कुछ दिन पहले सक्रिय मामले एक हजार से कम थे जो अब उससे अधिक हो गए हैं। लोगों में गंभीरता का अभाव दिख रहा है। मास्क और शारीरिक दूरी के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। सोमवार से स्कूल भी खोले जा रहे हैं। शुरू में दसवीं, जमा एक व जमा दो कक्षाओं के विद्यार्थियों को स्कूलों में बुलाया जा रहा है। यदि कोई विद्यार्थी बीमार है तो उसे स्कूल नहीं आना है। बच्चों के बैठने के भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। सार यह है कि सतर्कता उच्च स्तर पर हो। शिक्षकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने की चुनौती कम नहीं है। बच्चों को पढ़ाई के साथ कोरोना से बचाव का पाठ भी पढ़ाया जाना भी अनिवार्य है। सुनिश्चित करना ही होगा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। लक्षण दिखने पर तत्काल जांच आवश्यक है। बच्चों व अभिभावकों को भी चाहिए कि अगर किसी तरह की दिक्कत है तो उसे छिपाएं नहीं। बच्चे यह ध्यान रखें कि स्कूल में खाना आदि किसी से भी साझा न करें। स्कूल में भी बच्चे मास्क लगाएं और शारीरिक दूरी के नियम का पालन करें। महामारी के संक्रमण की तीसरी लहर को संबंधित नियमों का पालन कर ही मात दी जा सकती है।

स्कूल में भी बच्चे कोविड प्रोटोकाल का पूरी तरह से करें पालन। फाइल

> मास्क और शारीरिक दूरी के नियमों के पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए लोगों का सतर्क रहना बहुत जरूरी है

उत्तर प्रदेश

राहत भरा फैसला

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बिजली की मौजूदा दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं करने का निर्णय लेकर करोड़ों विद्युत उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। बिजली कंपनियां चाहती थीं कि उपभोक्ताओं पर 10-12 फीसद रेगुलेटरी सरचार्ज भी लगाया जाए लेकिन, आयोग ने उसे भी स्वीकारने से इन्कार कर दिया। यद्यपि प्रदेश की पांचों बिजली कंपनियों ने नियामक आयोग से सीधे बिजली की दरें बढ़ाने की गुजारिश नहीं की थी। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष में 81,901 करोड़ रुपये की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) बताते हुए करीब 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व गैप दिखाया था। इसकी भरपाई परोक्ष रूप से बिजली दरें बढ़ाकर ही संभव बताई जा रही थी। हालांकि, कंपनियों के तर्कों के खिलाफ उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के तथ्यपरक जवाब को आयोग ने सही माना और बिजली कंपनियों को झटका देते हुए एआरआर में 9938 करोड़ रुपये की कटौती कर दी और सरचार्ज व स्लैब परिवर्तन के प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया। यही नहीं, आयोग ने उपभोक्ताओं का 1059 करोड़ रुपये कंपनियों पर सरप्लस भी निकाल दिया। माना जा रहा है कि इसके बाद अगले वित्तीय वर्ष में भी बिजली दरें बढ़ाने की शायद ही जरूरत पड़े।

> बिजली चोरी रोककर वितरण हानियां घटानी जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को महंगाई की मार से बचाया जा सके

बिजली उपभोक्ताओं के हित में स्वागतयोग्य फैसला। फाइल

वैसे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही बिजली महंगी नहीं करने की घोषणा कर चुके थे। इसी दबाव के कारण उपभोक्ताओं से ज्यादा वसूली के लिए बिजली कंपनियों ने दूसरे रास्ते अपनाने की कोशिश की थी। इसमें वे विफल रहीं। हालांकि, दो साल से इसमें कोई इजाफा नहीं करने के बावजूद महंगी बिजली वाले देश के पांच राज्यों में यूपी दूसरे स्थान पर है। उपभोक्ता परिषद ने इसका हवाला देते हुए सरकार और पावर कारपोरेशन के समक्ष दर घटाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने नहीं माना है। अब परिषद इसके विरुद्ध नियामक आयोग में अपील करने की तैयारी में है। इनकी वाजिब ही दलील है कि विद्युत कंपनियों के पास जब उपभोक्ताओं का 20,596 करोड़ रुपये सरप्लस है तो दरें क्यों नहीं घटनी चाहिए। वितरण हानि (16.64 फीसद) भी अत्यधिक अनुमानित है। ऐसे में, विद्युत कंपनियों को बिजली चोरी रोककर वितरण हानियां घटानी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक महंगाई की मार से बचाया जा सके।

बिहार

जनता के प्रति जवाबदेही

मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार के सहयोग से बिहार विधानसभा ने इतिहास रचकर जन समस्याओं के समाधान के प्रति संजीदगी दिखाई है। सदन में सदस्यों द्वारा पूछे गए लगभग सारे सवालों के जवाब कार्यवाही शुरू होने से पहले ही आनलाइन उपलब्ध करा दिए गए। बिहार के संसदीय इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। इसे जनता के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही की नजीर माना जा सकता है। खासकर वैसी स्थिति में जबकि बिहार विधानमंडल के हाल के वर्षों में अधिकतर सत्र विपक्षी सदस्यों के हंगामे, प्रदर्शन और बहिष्कार की भेंट चढ़ जाते थे। इसी वर्ष बजट सत्र के दौरान 23 मार्च को सदस्यों के हंगामे और मारपीट की नौबत के कारण सदन के अंदर-बाहर जो अराजकता की स्थिति आई और परिसर में पुलिस बुलानी पड़ी, उसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। देखा जाए तो इसके लिए कुछ सदस्य ही जिम्मेदार थे। आखिर उन्होंने विरोध के तरीके को हिंसक क्यों होने दिया, जिससे पुलिस को बल प्रयोग करने की नौबत आ गई। इस मामले में बिहार की बहुत किरकिरी हुई थी। संसदीय परंपरा पर सवाल उठाए गए थे।

हालांकि विलंब से ही सही, लेकिन पक्ष-विपक्ष के सारे सदस्यों ने माना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि सदन में विरोध का तरीका संसदीय होना चाहिए था। कोई भी जनप्रतिनिधि सीधे तौर पर जनता के प्रति जवाबदेह होता है। उसे चुनकर इसलिए भेजा जाता है कि सदन में वह जनसमस्याओं पर बातें करे। जनसरोकार से जुड़ी तमाम समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराए और उनके समाधान का प्रयास करे। यह अच्छी बात है कि अब स्पीकर की अतिरिक्त पहल पर विभागों की ओर से विधानसभा सचिवालय को सारे सवालों के जवाब समय पर उपलब्ध करा दिए जाते हैं। इससे सदस्यों को भी सुविधा होने लगी है। उन्हें पूरक प्रश्न पूछने का मौका मिल जाता है। साथ ही उन्हें देखने-समझने का भी पर्याप्त समय मिल जाता है कि उन्होंने जिस बिंदु पर सरकार से जानकारी मांगी है, वह उसी रूप में मिली है या नहीं। उल्लेखनीय है कि चालू मानसून सत्र में करीब 650 सवालों के जवाब सदस्यों को आनलाइन मिल गए। इससे सदन में सार्थक विमर्श का माहौल बन पाया। जवाब से संतुष्ट नहीं रहने पर कई सदस्यों ने प्रतिप्रश्न भी किया। सही मायने में विधायिका की सार्थकता सिद्ध हुई। निसंदेह यह अच्छी पहल है और इसे आगे भी जारी रखा जाना चाहिए, ताकि सदस्य अपने क्षेत्र और जनता की समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकें।

> सदस्यों के सभी प्रश्नों का उत्तर देकर बिहार विधानसभा ने नया इतिहास रचा है। जनता को सदन और सदस्यों से कुछ ऐसी ही जिम्मेदारी की अपेक्षा होती है

श्रद्धा का महासावन

ध्यान भी, विज्ञान भी

भगवान शिव का स्मरण होते ही समाधि का स्मरण होता है, ध्यान का सम्मेलन होता है, एक महायोगी का चित्र सम उपस्थित होता है। आनंद की अनुभूति की परिकल्पना जागृत होती है। यही है सेवागम यानि शिव का सार तत्व। भारतीय संस्कृति शिव संस्कृति से भी अनुप्राणित है। भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है और कृषि के लिए गोवंश का सर्वाधिक महत्व है। यही नंदी का प्रतीक रूप है। पार्वती पर्वतीय संस्कृति का प्रतीक हैं। यह सामाजिक व्यवस्था है। हम श्रावण मास की बात कर रहे हैं। यह मास विज्ञानमयी दृष्टिकोण से भी बहुत अद्भुत है। ऋतु अनुसार भारतीय भोजन का समायोजन होता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से श्रावण मास का अपना महत्व है। इस मास में मंदाग्नि (पाचन शक्ति मंद पड़ जाना) होने के कारण व्रत, उपवास आदि का सर्वाधिक महत्व है और इनके सफलतापूर्वक निर्वहन को ध्यान में रखते हुए जप, ध्यान, योग का समावेश श्रावण मास में पावित्र्य बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम प्रकल्प हैं। प्राचीन होने के कारण भारतीय संस्कृति में स्वाभाविक कुरीतियां आ गई हैं। शैव मत में भी यह कुरीतियां समाहित हुईं। नशाखोरी पता नहीं कहां से इसमें आ गई, जो कि अनुचित है। शिव उच्छिष्ट यानी भगवान शिव पर अर्पित किए हुए पदार्थ का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। यह त्याज्य है। इसलिए भांग, धतूरा और गांजा शैवागम में सेवनीय नहीं हो सकता। यह इसके विरुद्ध है, इसके प्रति हमें जागरूक होना है। भगवान आशुतोष सब पर अपनी अनुकंपा बनाए रखें।

डा.वेद व्यथित
सदस्य, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, फरीदाबाद

स्कैन करें और पढ़ें 'श्रावण मास' से संबंधित सभी सामग्री

अब कोसी नदी में राफ्टिंग का रोमांच

किशोर जोशी, नैनीताल

कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) अब रामनगर की कोसी नदी में पर्यटकों को राफ्टिंग कराएगा। इसे मानसून राफ्टिंग नाम देते हुए ट्रायल भी शुरू कर दिया गया है।

पहले चरण में कुमरिया से गर्जिया तक और गर्जिया से रामनगर तक राफ्टिंग कराई जाएगी। इसके बाद इसे मरचूला-मोहान तक बढ़ाया जाएगा। राफ्टिंग के लिए विशेषज्ञों की टीम ने सर्वे कर लिया है। इससे विश्व प्रसिद्ध कार्बेट नेशनल पार्क आने वाले पर्यटकों को लहरों के साथ रोमांच का एक और डेस्टीनेशन भी मिल जाएगा।

उप्र में लंबे समय से जेलों में बंद लोगों को जमानत के लिए तय होंगे मानक

- इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबे समय तक अपीलें लंबित रहने के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान
- शीर्ष कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की अपर महाधिवक्ता से मांगे सुझाव, अगली सुनवाई 23 अगस्त को

माला दीक्षित, नई दिल्ली

इलाहाबाद हाई कोर्ट में मुकदमों का भारी बोझ है, इस कारण आपराधिक मामलों में अपीलें वर्षों लंबित रहती हैं। अपीलों का समय से निपटारा नहीं हो पाता और अभियुक्त या तो सजा पूरी कर लेते हैं या सजा का एक बड़ा हिस्सा काट चुके होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति पर संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत लंबे समय से अपील लंबित रहने और जेल काटने के मामलों में कैदी को जमानत देने के मानक तय करेगा। कोर्ट ने इस बारे में उत्तर प्रदेश की अपर महाधिवक्ता से सुझाव मांगे हैं।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस हेमंत गुप्ता की पीठ ने 26 जुलाई को लंबे समय से उत्तर प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद 18 कैदियों की जमानत अर्जियों पर सुनवाई के दौरान ये आदेश दिए। ये कैदी बहुत वर्षों से जेल में हैं और सजा के खिलाफ उनकी अपीलें हाई कोर्ट में वर्षों से लंबित हैं।

पीठ ने मामले पर चिंता जताते हुए कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट और हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ में अपीलों के लंबे समय से लंबित रहने की स्थिति के मद्देनजर कुछ मानक तय करने की जरूरत है। ऐसे मामलों में जो मानक तय किए जाएं उसमें कुछ बातें ध्यान रखी जाएं जैसे कि अपील का लंबे समय से लंबित रहना, कैदी कितने समय से जेल में है, अपराध की जघन्यता, अभियुक्त की उम्र, ट्रायल में कितना वक्त लगा और क्या अभियुक्त अपनी आपराधिक अपीलों की पैरवी कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की अपर महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद से कहा कि वह इस बारे में एक सुझाव नोट दाखिल करें जिसमें प्रस्तावित दिशानिर्देश हों। शीर्ष अदालत ने कहा कि मानकों का सुझाव तैयार करने में हाई कोर्ट, अपर महाधिवक्ता की मदद करेगा। उत्तर प्रदेश की अपर महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद, प्रदेश के स्टैंडिंग काउंसिल विष्णु शंकर जैन व हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार इस पर विचार विमर्श करेंगे और सुझाव देंगे। कोर्ट ने तीन सप्ताह में सुझाव मांगे हैं। मामले पर 23 अगस्त को फिर सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी उनके सामने ऐसे 18 मामले हैं और आगे चलकर इस आधार पर और बहुत से मामले आ सकते हैं। पीठ ने प्रदेश की अपर महाधिवक्ता से कहा कि वह इन 18 मामलों के बारे में भी सुझाव देंगी और बताएंगी कि इन मामलों को सुप्रीम कोर्ट ही निपटा दे या फिर इन्हें हाई कोर्ट वापस भेजा जाना चाहिए।

बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट में जो 18 मामले लंबित हैं उनमें अभियुक्तों को निचली अदालत से उम्रकैद की सजा मिली है और उनकी अपीलें लंबे समय से हाई कोर्ट में लंबित हैं। याचिकाकर्ता अभियुक्त वर्षों से जेल मे बंद हैं। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि जो लोग 14-15 साल जेल काट चुके हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ही जमानत दे सकता है और जो लोग सात साल से जेल में हैं उनके मामले तय मानकों के आधार पर निपटाने के लिए हाई कोर्ट भेजे जा सकते हैं।

शरीर से जुड़े भाइयों के आवेदन पर दुविधा, किसको दें नौकरी

- इलेक्ट्रिकल डिप्लोमा करने के बाद पावरकाम में जेई की नौकरी के लिए किया है आवेदन

नितिन धीमान, अमृतसर

अमृतसर के पिंगलवाड़ा में पले-बढ़े सोहणा-मोहणा ने नौकरी के लिए आवेदन क्या किया सरकार के लिए दुविधा खड़ी हो गई। शरीर से जुड़े सोहणा और मोहणा 18 साल के हो चुके हैं। दोनों इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर चुके हैं और उन्होंने पंजाब पावरकाम में जूनियर इंजीनियर की एक पोस्ट के लिए अलग-अलग आवेदन किया है। पावरकाम तय नहीं कर पा रहा कि इस आवेदन को कैसे लिया जाए। यदि एक को नौकरी मिलती है तो दूसरा भी साथ जाएगा। ऐसे में क्या दोनों एक ही नौकरी पर साथ काम करेंगे या दोनों के लिए अलग-अलग पोस्ट बनानी पड़ेगी। वेतन का क्या होगा। अलग-अलग होगा या दोनों को आधा-आधा दिया जाएगा। हालांकि, अभी उन्होंने आवेदन ही किया है, लेकिन ये सारे सवाल अनसुलझे हैं।

पावरकाम के चेयरमैन और डायरेक्टर ए. वेणुप्रसाद का कहना है कि अभी सोहणा-मोहणा के आवेदन करने की सूचना है। साक्षात्कार के बाद ही कुछ तय कर सकेंगे कि ऐसे मामलों में एक को ही नौकरी मिलेगी या दोनों को। वहीं, दोनों भाइयों के लिए एक मुश्किल और है। शारीरिक विकृति की वजह से दोनों सरकारी नौकरी पा सकते हैं, लेकिन उन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा।

दरअसल, दोनों का मेडिकल फिटनेस टेस्ट सरकारी मेडिकल कालेज अमृतसर में किया गया है। इस टेस्ट में वह सफल हुए। ऐसे में डाक्टरों के सामने यह चुनौती है कि वे इनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र कैसे जारी करें। डाक्टर स्पष्ट कह चुके हैं कि दोनों दिव्यांगता की श्रेणी में आते हैं, लेकिन सरकारी नियमावली में कोई प्रविधान न होने की वजह से इन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा सकता।

विशेषज्ञों की राय ले रहे डाक्टर : नौकरी चाहे सोहणा को मिले या मोहणा को, लेकिन शारीरिक रूप से जुड़े होने के कारण दोनों साथ-साथ ही जाएंगे। दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने पर मेडिकल कालेज के डाक्टर भी पसोपेश में हैं। कालेज प्रशासन विभिन्न राज्यों के चिकित्सा विशेषज्ञों से राय ले रहा है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों को भी खंगाला जा रहा है। मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर प्रिंसिपल कार्यालय में सबमिट कर दी है। सोमवार को सोहणा-मोहणा को दोबारा बुलाया जाएगा।

जन्म के बाद माता-पिता ने घर ले जाने से किया था इन्कार : 14 जून, 2003 को दिल्ली के सुचेता कृपलानी अस्पताल में जन्मे सोहणा और मोहणा को माता-पिता ने वहीं छोड़ दिया था। अमृतसर स्थित पिंगलवाड़ा की मुख्य सेवादार बीबी इंद्रजीत कौर दोनों को अमृतसर ले आई थीं। तब दोनों दो माह के थे। डाक्टरों ने कहा था कि दोनों ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रहेंगे, लेकिन विकट परिस्थितियों के बीच दोनों बालिग हो गए। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का तीन वर्ष का डिप्लोमा किया। परीक्षा में उन्हें अलग-अलग रोल नंबर जारी किए गए थे। 14 जून, 2021 को सोहणा-मोहणा 18 वर्ष के हुए। आधार कार्ड भी अलग-अलग हैं।

अमृतसर के पिंगलवाड़ा में पले-बढ़े शरीर से जुड़े भाई सोहणा और मोहणा। जागरण आर्काइव

पद्मविभूषण बहुगुणा की पत्नी को आश्रित पेंशन जारी

जासं, देहरादून : प्रख्यात पर्यावरणविद रहे पद्मविभूषण सुंदरलाल बहुगुणा की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पेंशन आश्रित के रूप में उनकी पत्नी विमला बहुगुणा के नाम हस्तांतरित कर दी गई है। पेंशन की राशि भी उनके खाते में जारी कर दी गई।

शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट लिखकर स्वर्गीय बहुगुणा के पुत्र राजीव नयन बहुगुणा ने नाराजगी जताई थी कि आश्रित पेंशन के उनके आवेदन पत्र मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय ने गुम कर दिए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि दोबारा आवेदन पत्र जमा करने के बाद भी उनकी सुध नहीं ली जा रही है। हालांकि, इसके बाद शनिवार को मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय ने पेंशन की कार्रवाई पूरी कर दी। इस मामले में मुख्य कोषाधिकारी रोमिल चौधरी का कहना है कि सुंदरलाल बहुगुणा की मृत्यु 21 मई 2021 को हुई थी। जब इसकी सूचना मिली तो पेंशन रोक दी गई। उनके स्वजन ने आश्रित पेंशन के लिए आवेदन किया और उसके तत्काल बाद से पेंशन हस्तांतरित करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। पेंशन प्रपत्र में बहुगुणा की पत्नी का नाम नहीं था। लिहाजा, इस स्थिति में विभिन्न शासनादेशों का अवलोकन कर समाधान निकाला गया। इसके बाद 24 जुलाई को आश्रित पेंशन के रूप में बहुगुणा की पत्नी का सत्यापन भी कर दिया गया था। पेंशन मिलने में आ रही अड़चन या आवेदन पत्र गायब होने की शिकायत उनके समक्ष नहीं आई। अन्यथा किसी भी असुविधा पर पहले ही स्थिति स्पष्ट कर दी जाती।

जय किसान, जय विज्ञान : खेत में सड़ने से बचाई धान की पौध, धरती को पानी भी लौटाया

रविवार विशेष

मप्र में किसानों ने खेत में भरे पानी को बोरवेल से जोड़कर रिवर्स प्रेशर सिद्धांत का लिया लाभ

देवेंद्र गौड़ • ग्वालियर

दस दिन पहले तक मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे थे। धान की बोवनी में देर न हो जाए इसलिए बोरवेल के पानी से फसल लगा ली, लेकिन फिर मानसून ऐसा मेहरबान हुआ कि खेतों में आवश्यकता से अधिक पानी जमा हो गया। खेतों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया और इसे न निकालने पर पौध खराब होने की आशंका पैदा हो गई। ऐसे में जिले के आधा दर्जन से अधिक गांवों के 50 से अधिक किसानों ने विज्ञान के सिद्धांत की मदद से धान की पौध बचाई और बोरवेल के जरिये धरती को पानी भी लौटा दिया।

श्योपुर के चिमलका गांव में खेतों में भरे पानी को बोरवेल के जरिए धरती को लौटाते किसान • नईदुनिया

इस तरह आया विचार : चिमलका गांव के बुजुर्ग किसान हरजिंदर सिंह अपने खेतों में सिंचाई के लिए बोरवेल के पास बैठे थे। उन्होंने अपने बेटे से पंप चालू करने को कहा। पानी आना शुरू ही हुआ था कि बिजली गुल हो गई। हरजिंदर सिंह का एक हाथ पाइप के दूसरे सिरे पर था, वह पानी के वापस लौटने की वजह से अंदर खिंचता हुआ महसूस हुआ। यहीं से उन्हें विचार आया कि रिवर्स प्रेशर से पानी भी भीतर जा सकता है। यही तरकीब उन्होंने खेतों में भरे पानी को धरती को लौटाने में अपनाई।

किसान हरजिंदर सिंह

श्योपुर जिले में पिछले एक सप्ताह तक काफी बारिश हुई। खेतों में काफी पानी जमा होने से सोयाबीन और उड़द की फसल खराब हो गई। धान की पौध भी डूब गई। हर तरफ पानी भरा होने से खेतों से पानी उलीचना भी संभव नहीं था। किसानों ने इस समस्या से पार पाने के लिए एक अनूठी तरकीब अपनाई। जहां पानी भरा था, वहां पाइप रखकर उसे बोरवेल से जोड़ा गया। फिर 10 मिनट के लिए पंप चालू किया गया, जिससे जमीन के पानी से बोरवेल व पाइप पूरा भर गया और अंदर की हवा बाहर निकल गई। इसके बाद पंप बंद कर दिया गया और विज्ञान के रिवर्स प्रेशर के सिद्धांत ने काम शुरू कर दिया। इसके कारण खेत में भरा पानी विपरीत दिशा में बोरवेल में जाने लगा।

इस तरह खेतों से अतिरिक्त पानी बोरवेल के माध्यम से भूगर्भ में चला गया। बोरवेल में जा रहे पानी के साथ मिट्टी या अन्य कचरा न जाए इसलिए किसानों ने पाइप के एक सिरे पर छलनी लगा दी।

इन गांवों के किसानों ने अपनाई यह तकनीक : श्योपुर जिले के सोईंकला क्षेत्र के चिमलका, बगडुआ, कांचरमूली और जावदेश्वर क्षेत्र के गांवों में किसानों ने यह तकनीक खेत को अत्यधिक बारिश के बाद भरे पानी से खाली करने के लिए अपनाई। बलजिंदर सिंह, हरजिंदर सिंह, गुरदीप सिंह, सरबजीत सिंह, मुख्त्यार सिंह, सुखदेव सिंह, हर्षदीप सिंह देवीमेला, सुल्तान मीणा, भगत मीणा, कर्म सिंह, गुलाब सिंह, राजेश सिंह सहित अन्य किसान बोरवेल के माध्यम से खेत में भरा पानी भूगर्भ में पहुंचा रहे हैं। विज्ञान का यह सिद्धांत अपना रहे अधिकांश किसान सिख समुदाय से जुड़े हैं और करीब 10-15 साल पहले पंजाब से मध्य प्रदेश के इस इलाके में खेत खरीदकर यहीं बस गए। इन्होंने यहां खेती में कई नवाचार किए हैं।

> हजारों बीघा धान की फसल पानी में डूब चुकी थी। प्रशासन को कई बार अवगत कराया पर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। हमने ही इस समस्या से निजात पाने का रास्ता निकाला। इससे एक पंथ दो काज हो गए।
>
> **गुरदीप सिंह**, किसान, चिमलका, श्योपुर, मप्र

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

200 जिला मुख्यालय अफगानिस्तान के मौजूदा समय में तालिबान आतंकियों के कब्जे में हैं। इन इलाकों को मुक्त कराने के लिए अफगान सेना ने आतंकियों पर हमले तेज कर दिए हैं। सेना ने नौ जिला मुख्यालयों पर दोबारा नियंत्रण पा लिया है।

चीन के लिए बुरा सपना साबित हो रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान के साथ गलबहियां धीरे-धीरे चीन पर भारी पड़ने लगी है। चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कारिडोर (सीपीईसी) के इर्द-गिर्द का माहौल इस बात की गवाही भी दे रहा है। पाकिस्तानी सेना के स्पेशल सिक्योरिटी डिवीजन (एसएसडी) पर भारी-भरकम खर्च के बाद भी चीन को उस पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। साथ ही, वह पाकिस्तान में अपने सैनिकों की जान भी नहीं गंवाना चाह रहा है। यही वजह है कि उसने पाकिस्तान में इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अपने कर्मचारियों को ही एके-47 राइफल पकड़ाने का फैसला कर लिया है।

एके-47 के साथ चीनी कामगार की तस्वीर खूब वायरल हुई है • इंटरनेट मीडिया

टीटीपी का हाथ होने का अनुमान

इस हमले के पीछे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। पाकिस्तान में चीन की कई परियोजनाओं पर हमले की जिम्मेदारी टीटीपी ले चुका है। दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान में अप्रैल में एक लक्जरी होटल में आत्मघाती हमले के पीछे टीटीपी ही था। इसमें पाकिस्तान में चीन के राजदूत नोंग रोंग को निशाना बनाने की कोशिश थी, लेकिन वह बच गए थे। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। रिकार्ड बताते हैं कि छह साल में पाकिस्तान में कई आतंकी संगठनों ने चीन की परियोजनाओं को निशाना बनाया है।

सदाबहार दोस्त कहे जाने वाले दोनों देशों के बीच टूट रहा भरोसा

सदाबहार दोस्त कहे जाने वाले चीन-पाकिस्तान में भरोसा टूट रहा है। 14 जुलाई को हुए बम विस्फोट के कारण खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ऊपरी कोहिस्तान में चीन ने अपनी दासु हाइड्रोपावर परियोजना पर काम रोक दिया है। पाकिस्तान पर खत्म होते भरोसे की बानगी यह है कि चीन ने बम विस्फोट मामले की जांच के लिए अपनी टीम भेजी थी। वुहान की कंस्ट्रक्शन कंपनी गेझोउबा ग्रुप द्वारा विकसित किए जा रहे 4,300 मेगावाट के दासु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे चीन और पाकिस्तान के कामगारों से भरी बस में विस्फोट हुआ था। विस्फोट में नौ चीनी कामगारों की मौत से नाराज चीन ने 16 जुलाई को पाकिस्तान के साथ प्रस्तावित उच्च स्तरीय ज्वाइंट को-आपरेशन कमेटी की बैठक भी रद कर दी थी।

2016 से ही लगातार चल रहा परियोजना क्षेत्रों में हमलों का सिलसिला

छह मई, 2016 को सिंध प्रांत के सुक्कुर शहर में सुक्कुर व मुल्तान के बीच हाईवे का एक हिस्सा बनाकर पाकिस्तान में सीपीईसी की शुरुआत की गई थी। हालांकि परियोजना की शुरुआत के महीनेभर के भीतर ही कराची में चीन के इंजीनियरों पर हमला हुआ था। इसमें किसी की मौत नहीं हुई थी। इसके बाद से लगातार कुछ-कुछ अंतराल पर हमले होते रहे हैं, जो सीपीईसी को लेकर वहां चीन के प्रति नफरत की बानगी हैं। इन घटनाओं ने चीन को सोचने पर मजबूर किया है।

2016
सितंबर में बलूच विद्रोहियों के हमले में दो चीनी मारे गए थे और कई घायल हो गए थे।

2017
मजीद ब्रिगेड नाम के एक संगठन ने ग्वादर में पांच सितारा होटल पर हमला किया था। उस समय वहां चीनी प्रतिनिधि बंदरगाह परियोजना पर चर्चा कर रहे थे। इसमें आठ लोगों की मौत हुई थी।
- उसी साल ट्विटर और अन्य इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर मजीद ब्रिगेड ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को बलूचिस्तान से बाहर चले जाने की धमकी दी थी।

2018
अगस्त- बलूचिस्तान में चीनी इंजीनियरों से भरी बस पर आत्मघाती हमला हुआ। तीन इंजीनियर गंभीर रूप से घायल हुए थे।
नवंबर- चीनी दूतावास पर बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमला किया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

बड़ी है नफरत की वजह

पाकिस्तान के जिस इलाके में भी चीन की परियोजना चल रही है, वहां लोगों के बीच इसे लेकर विरोध है। कई संगठन लगातार चीन की गतिविधियों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते रहे हैं। लोगों का मानना है कि इन सब परियोजनाओं के पीछे असल उद्देश्य पाकिस्तान को चीन का उपनिवेश बनाना है। आम जन चीन की गतिविधियों में ईस्ट इंडिया कंपनी की झलक देख रहे हैं।

इनपुट : आइएएनएस | जागरण इन्फो

न्यूज गैलरी

बाइडन ने अहम पद के लिए भारतवंशी को नामित किया

वाशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतवंशी अमेरिकी अटार्नी राशिद हुसैन को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अंबेसडर एट लार्ज नामित किया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, राशिद इस पद के लिए नामित होने वाले पहले मुस्लिम हैं। वर्तमान में 41 वर्षीय राशिद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में साझेदारी एवं वैश्विक अनुबंध के लिए निदेशक हैं। (प्रेट्र)

अमेरिका में मनी लांड्रिंग केस में भारतीय को 15 माह की जेल

वाशिंगटन : अमेरिका में एक भारतीय ट्रक चालक को मनी लांड्रिंग एवं अवैध हथियार रखने के जुर्म में 15 माह जेल की सजा और 4,710 डालर (तीन लाख 50 हजार रुपये से अधिक) का जुर्माना किया गया है। न्याय विभाग के मुताबिक, लवप्रीत सिंह ने जुर्म स्वीकार किया है। (प्रेट्र)

ड्रग्स मामले में दो पाकिस्तानी थाइलैंड से अमेरिका प्रत्यर्पित

वाशिंगटन : अमेरिका में हेरोइन की बड़ी खेप मंगाने के आरोप का सामना करने के लिए दो पाकिस्तानी नागरिकों का अमेरिका ने थाइलैंड से प्रत्यर्पण कराया है। संघीय ड्रग्स कंट्रोल एजेंसी ने बताया कि मौलाबख्श गोर्गीच और नियामतुल्ला गोर्गीच को उम्रकैद की सजा हो सकती है। दोनों को थाइलैंड के अधिकारियों ने 11 अप्रैल को हिरासत में ले लिया था।

अफगानिस्तान में बढ़ी तालिबान की बर्बरता

अफगान संकट ▸ घर फूंके, सुरक्षा बलों से संघर्ष में लोगों को बना रहे ढाल

उत्तरी अफगानिस्तान के जज्जान प्रांत में हवाई हमले में 21 आतंकियों की भी मौत

काबुल, एएनआइः अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा बढ़ने के साथ ही इस आतंकी संगठन का बर्बर चेहरा भी देखने को मिल रहा है। तालिबान का जिन क्षेत्रों पर कब्जा हो रहा है, वहां के लोगों पर जुल्म किए जाने की खबरें आ रही हैं। बल्ख प्रांत के कलदार जिले के लोगों ने बताया कि तालिबान आतंकियों ने उनके घरों को फूंक दिया और अफगान सुरक्षा बलों से संघर्ष के दौरान उनको ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया। सुरक्षा बलों ने अब इस जिले को तालिबान से मुक्त करा लिया है।

टोलो न्यूज ने कलदार जिले के निवासियों के हवाले से बताया कि उन्हें सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच लड़ाई के दौरान भारी कीमत चुकानी पड़ी। कई लोगों ने अपनों को खो दिया है। जिला मुख्यालय से सिर्फ आठ किलोमीटर दूर स्थित तजारिख गांव के रहने वाले मुहम्मद नजर ने कहा, 'पाकिस्तान के गुलाम तालिबान आतंकी यहां आए और हमारे घरों को बम लगाकर उड़ा दिया।' अफगानिस्तान के कई अन्य जगहों से भी ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि अपने कब्जे वाले इलाकों में तालिबान आतंकी लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं। लोगों से जबरन धन वसूल रहे हैं और आतंकी बनने पर विवश कर रहे हैं।

इस बीच, उत्तरी अफगानिस्तान के जज्जान प्रांत में हवाई हमले में 21 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। अफगान सेना के एक प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि प्रांत में कई स्थानों पर तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इधर, खोस्त प्रांत के याकूबी जिले में तालिबान के हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए।

अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती बर्बरता के बीच वैश्विक संस्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हेरात प्रांत स्थित संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के कार्यालय परिसर के बाहर सुरक्षाकर्मियों की संख्या और बढ़ा दी गई है। कार्यालय की छत पर मुस्तैद जवान (इनसेट में) एएफपी

यूएन परिसर पर हमले में एक गार्ड की मौत

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के परिसर को भी निशाना बनाया गया। हेरात प्रांत की राजधानी में स्थित इस परिसर पर शुक्रवार को हमला किया गया। इसमें एक गार्ड की मौत हो गई। हेरात सिटी में तालिबान आतंकियों के दाखिल होने के बाद यह हमला किया गया। यूएन प्रमुख एंतोनियो गुतेरस ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है।

तालिबान ने चार माह में किए 22 हजार हमले

काबुल, एएनआइः अमेरिकी बलों की वापसी शुरू होने के बाद से ही अफगानिस्तान में संघर्ष बढ़ गया है। टोलो न्यूज के अनुसार, गत अप्रैल से जुलाई के दौरान तालिबान ने देशभर में करीब 22 हजार हमले किए। इस दौरान अफगान सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष में 24 हजार तालिबान आतंकी मारे गए और घायल हुए। इधर, अमेरिका ने अफगानिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले जारी रखने की बात कही है। न्यूज इंटरनेशनल ने विदेश विभाग के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि अमेरिकी बलों की वापसी के बाद अगर युद्ध प्रभावित इस देश में आतंकी शिविर पाए गए तो बाइडन प्रशासन तत्काल कदम उठाएगा।

अमेरिका बोला, सकारात्मक भूमिका निभाए पाकिस्तान : अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, अफगानिस्तान में हिंसा कम करने में पाकिस्तान सकारात्मक भूमिका निभाए। अफगान समस्या का समाधान संघर्ष से निकल नहीं सकता। पाक भी अफगानिस्तान में गृहयुद्ध नहीं चाहेगा। क्योंकि यह उसके हित में नहीं होगा।

दोहा में होगी अफगान मसले पर चर्चा : अमेरिका, रूस, चीन और पाकिस्तान के प्रतिनिधि इस माह कतर की राजधानी दोहा में मिलेंगे और अफगान मसले पर चर्चा करेंगे। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने अफगानिस्तान में रूसी राजदूत जमीर काबुलोव के हवाले से यह जानकारी दी है।

तालिबान की मदद कर रही आइएसआइ

अफगान सरकार ने कहा कि देशभर में तालिबान की हिंसा बढ़ गई है। यह आतंकी संगठन पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आइएसआइ की मदद से हमले कर रहा है। आइएसआइ तालिबान, हक्कानी नेटवर्क और अलकायदा को एकजुट करने के प्रयास में भी है। इससे पहले सरकार ने माना कि तालिबान का 200 से ज्यादा जिला केंद्रों पर कब्जा हो चुका है। इनमें से नौ केंद्रों पर दोबारा नियंत्रण पा लिया गया है।

पाकिस्तान में उठी मांग, सरेआम फांसी पर लटकाए जाएं दुष्कर्मी

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान में दुष्कर्म के बढ़ते मामलों पर महिला सांसदों ने एक सुर में आवाज उठाई है। उन्होंने सर्वसम्मति से यह मांग की है कि महिलाओं और बच्चों के बढ़ते उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए सभी दुष्कर्मियों को सरेआम फांसी पर लटका दिया जाए। इसी तरीके से दुष्कर्म के मामले रुक सकते हैं।

डान अखबार के अनुसार,नेशनल असेंबली में सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की महिला सदस्यों ने सर्वसम्मिति से यह मांग रखी। विपक्षी पीएमएल-एन की सांसद सईदा नौशीन इफ्तिखार ने कहा, 'नेशनल असेंबली की हम 69 महिलाएं दुष्कर्म के मामलों में त्वरित न्याय और दुष्कर्मियों को सार्वजनिक फांसी देने की मांग करती हैं।' प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआइ की सांसद आस्मा कादिर ने कहा, 'अगर पाकिस्तान को बेहतर स्थान बनाना है तो दुष्कर्मियों और हत्यारों को सार्वजनिक तौर पर फांसी की सजा दी जानी चाहिए।'

घरेलू हिंसा के मामलों में 200 फीसद बढ़ोतरी : ह्यूमन राइट्स वाच की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में घरेलू हिंसा के मामलों में 200 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह वृद्धि गत जनवरी से मार्च के दौरान देखने को मिली। इस देश में दुष्कर्म के मामले भी बढ़ गए हैं।

अमेरिका में तूफान....

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में आए तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर चल रहे लोग जहां थे, वहीं रुकने को मजबूर हो गए। तूफान इतना तेज था कि गाड़ियां आपस में टकरा कर क्षतिगस्त हो गई। एपी

भारत आज बनेगा महीने भर के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : भारत रविवार को एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अध्यक्ष पद संभाल लेगा। इस दौरान वह समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों पर कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

▸ एजेंडे में होगी समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई

संयुक्त राष्ट्र के इस 15 सदस्यीय शक्तिशाली निकाय की रोटेशन के आधार पर अध्यक्षता संभालने से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने एक वीडियो संदेश में कहा, भारत के लिए उस माह में यूएनएससी की अध्यक्षता संभालना बेहद सम्मान की बात है जब देश 75वां स्वाधीनता दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा,समुद्री सुरक्षा भारत के लिए उच्च प्राथमिकता में है और सुरक्षा परिषद के लिए इस मसले पर समग्र दृष्टिकोण अपनाना अहम है। शांति रक्षा का विषय भी हमारे दिल के बेहद करीब है और भारत लंबे समय से इसमें शामिल रहा है। भारत शांति रक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, खासकर बेहतर तकनीक का इस्तेमाल करके और शांति रक्षकों के खिलाफ अपराधों के साजिशकर्ताओं को सजा दिलाकर। आतंकवाद के मुद्दे को भारत प्रमुखता देना जारी रखेगा। परिषद में पिछले सात माह में भारत ने विभिन्न मुद्दों पर सिद्धांतवादी,दूरदर्शी रुख अपनाया है। भारत जिम्मेदारियां उठाने से नहीं डरता, वह प्रोएक्टिव रहा है और अपनी प्राथमिकता के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित रखा है। तिरुमूर्ति ने कहा, 'हमने परिषद में मतभेदों को खत्म करने का प्रयास किया है ताकि विभिन्न मसलों पर परिषद एकजुट हो। यही हम अपनी अध्यक्षता में करेंगे।' ज्ञात हो, यूएनएससी के अध्यक्ष के तौर पर भारत के लिए कामकाज का पहला दिन सोमवार होगा जब तिरुमूर्ति परिषद के कामकाज के कार्यक्रम पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति। फाइल फोटो, प्रेट्र

अगले साल दिसंबर में फिर होगा अध्यक्ष

सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का दो साल का कार्यकाल एक जनवरी, 2021 को शुरू हुआ था। इस कार्यकाल में वह पहली बार सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने जा रहा है। कार्यकाल के आखिरी महीने यानी अगले साल दिसंबर में भारत फिर सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप को एक दिन में लगे दो झटके

वाशिंगटन, रायटरः अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शुक्रवार के दिन दो झटके लगे। न्याय विभाग ने उनके छह साल के टैक्स रिकार्ड की जांच को हरी झंडी दे दी। साथ ही 2020 के अंतिम दिनों का वह रिकार्ड भी सार्वजनिक हो गया जिसमें राष्ट्रपति के चुनाव परिणाम को पलटने के लिए ट्रंप द्वारा अधिकारियों पर दबाव डालने के सुबूत हैं।

रियल एस्टेट कारोबारी से राजनीति में आए ट्रंप के टैक्स रिकार्ड की जांच अब संसदीय समिति कर सकेगी। खुद को इससे बचाने के लिए राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने काफी कोशिश की थी। न्यूयॉर्क की मैनहट्टन कोर्ट में सुनवाई भी हुई थी। ट्रंप का तर्क था कि राष्ट्रपति के रूप में उन्हें अपने टैक्स रिकार्ड गोपनीय रखने की छूट प्राप्त है। बीते 40 वर्षों में ट्रंप पहले राष्ट्रपति थे जिन्होंने अपने टैक्स रिकार्ड दिखाने में आनाकानी की।

▸ टैक्स रिकार्ड की जांच को हरी झंडी, चुनाव परिणाम पलटने की कोशिश हुई बेपर्दा

शुक्रवार को ही कार्यकारी डिप्टी अटार्नी जनरल रिचर्ड डोनोगस के दिसंबर 2020 में हाथ से लिखे नोट भी सार्वजनिक हुए। संसद की सुधार समिति के समक्ष रखे गए इन नोट (टिप्पणियों) में ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को बदलने के लिए न्याय विभाग के अधिकारियों पर दबाव डाल रहे हैं। उन दिनों ट्रंप और उनके सहयोगियों ने भ्रष्ट तरीके से चुनाव परिणामों को पलटने के लिए अधिकारियों पर लगातार दबाव डाला। ट्रंप ऐसा कर वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन को हराना चाहते थे। अमेरिका में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए राष्ट्रपति के प्रयास करने की यह अप्रत्याशित घटना थी। चुनाव परिणामों की घोषणा के दौरान ट्रंप और उनके सहयोगी न्याय विभाग से प्रक्रिया में फायदा दिलाने के लिए लगातार दबाव डालते रहे। 27 दिसंबर को तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी अटार्नी जनरल जेफ्री रोजेन को फोन कर कहा, चुनावों को भ्रष्ट करार दे दो, बाकी सब मेरे और रिपब्लिकन सांसदों पर छोड़ दो। इसके कुछ दिन पहले ही रोजेन की अपने पद पर नियुक्ति हुई थी। लेकिन रोजेन ने साफ कह दिया कि न्याय विभाग चुनाव परिणामों को नहीं बदल सकता। ट्रंप के प्रतिनिधि ने इन बातों के सार्वजनिक होने पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

इजरायली कंपनी एनएसओ ने कुछ देशों में पेगासस का इस्तेमाल रोका

वाशिंगटन, प्रेट्र : पेगासस जासूसी कांड के चलते इन दिनों चर्चा में चल रही इजरायली साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ने उसकी स्पाइवेयर प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहे दुनिया भर के अपने सरकारी ग्राहकों में से कई को इसका उपयोग करने से अस्थायी रूप से रोक दिया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी फिलहाल इसके कथित दुरुपयोगों की जांच कर रही है।

पेगासस स्पाइवेयर का भारत समेत कई अन्य देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, नेताओं और अन्य लोगों की जासूसी के लिए कथित तौर पर उपयोग करने के आरोपों ने निजता से संबंधित मुद्दों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह रोक मीडिया संगठनों के परिसंघ पेगासस प्रोजेक्ट द्वारा जांच के जवाब में लगाई गई है, जिसने बताया है कि पेगासस स्पाइवेयर हैकिंग और संभवतः निगरानी करने से जुड़ा है। नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) ने इजरायली कंपनी में एक स्रोत के हवाले से कहा, कुछ ग्राहकों की जांच की जा रही है। इनमें से कुछ उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रयोग को अस्थायी रूप से रोका गया है।

▸ दुरुपयोग को लेकर कई देशों में हो रहे हंगामे के बीच कंपनी ने उठाया कदम

स्वतंत्र एवं गैर लाभकारी मीडिया संगठन एनपीआर की खबर के मुताबिक, सूत्रों ने सरकारी एजेंसियों या उन देशों के नाम नहीं बताए हैं, जिन्हें एनएसओ ने स्पाइवेयर के इस्तेमाल से रोका है। उन्होंने कहा, इजरायली रक्षा नियम कंपनी को उसके ग्राहकों की पहचान करने से प्रतिबंधित करते हैं। एनएसओ की आंतरिक जांच में उन लोगों के फोन नंबर की जांच की गई है, जिसे एनएसओ के ग्राहकों ने संभावित लक्ष्यों के तौर पर चिह्नित किया था। कर्मचारी ने कहा, हमने लगभग हर चीज की जांच की है। हमें पेगासस के साथ कोई संबंध नहीं मिला है। हालांकि, उसने संभावित दुरुपयोग के बारे में विस्तार से बताने से इन्कार कर दिया, जिसका एनएसओ को संभवतः पता चला हो।

नाम गोपनीय रखने की शर्त पर एक कर्मचारी ने कहा, एनएसओ इस मामले पर अब मीडिया के सवालों का जवाब नहीं देगी और वह निंदनीय अभियान का हिस्सा नहीं बनेगी। इजरायली सरकार को भी इस मामले में दबाव का सामना करना पड़ा है, क्योंकि वह अन्य देशों को स्पाइवेयर तकनीक की बिक्री को नियंत्रित करती है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, इजरायली अफसरों ने कंपनी के संबंध में लगाए गए आरोपों के आकलन के लिए, तेल अवीव के पास हर्जलिया में बुधवार को एनएसओ के दफ्तर का निरीक्षण किया था।एनएसओ कर्मी ने कहा, कंपनी जांच में सहयोग कर रही है और यह साबित करना चाहती है कि मीडिया की खबरों में जिनके नाम सामने आए हैं वे पेगासस के निशाने नहीं थे।

उत्सर्जन लक्ष्यों को अपडेट करने की समय सीमा से चूके चीन और भारत

बर्लिन, एपी : चीन और भारत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती के लिए अपने नए लक्ष्य प्रस्तुत करने की खातिर संयुक्त राष्ट्र की समय सीमा से चूक गए हैं। चीन और भारत उन देशों में हैं, जिन्होंने गैस उत्सर्जन में कटौती के लिए नई योजनाएं प्रस्तुत करने की खातिर संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन एजेंसी द्वारा निर्धारित 30 जुलाई की समय सीमा की अनदेखी कर दी।

चीन दुनिया में सबसे ज्यादा उत्सर्जन वाला देश है, जबकि भारत तीसरे नंबर पर है। अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा वैश्विक उत्सर्जक है और उसने अप्रैल में अपना नया लक्ष्य प्रस्तुत किया था। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु प्रमुख पैट्रीसिया एस्पिनोसा ने कहा, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन के 110 हस्ताक्षरकर्ताओं ने तय समय में योजना को प्रस्तुत किया। लेकिन यह संतोषजनक स्थिति से बहुत दूर है कि केवल 58 फीसद ने अपने नए लक्ष्यों को समय पर प्रस्तुत किया।

सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, सीरिया और 82 अन्य राष्ट्र भी संयुक्त राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान या योजना को अपडेट करने में विफल रहे।

अमेरिका में लाख के करीब पहुंचे नए केस

न्यूयार्क, एपीः अमेरिका में टीकाकरण की धीमी रफ्तार व मास्क पहनने में छूट का नतीजा कोरोना संकट के दोबारा बढ़ने के रूप में सामने आ रहा है। यहां दैनिक मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। बीते 24 घंटे में करीब एक लाख नए केस पाए गए। देश में फिर संक्रमण बढ़ने पर राष्ट्रपति जो बाइडन टीकाकरण में तेजी लाने में जुट गए हैं। वह टीके लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दे रहे हैं।

▸ राष्ट्रपति ने कोरोना टीकाकरण में तेजी लाने पर दिया जोर

कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले अमेरिका में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान नए मामलों में तेज उछाल आया है। इसके लिए टीकाकरण की धीमी रफ्तार और कोरोना के डेल्टा वैरिएंट को कारण बताया जा रहा है। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बीते एक हफ्ते में जितने केस मिले, उनमें से 83 फीसद डेल्टा वैरिएंट के पाए गए। इससे पहले वाले सप्ताह के मुकाबले ऐसे मामलों में 32 फीसद बढ़ोतरी आई है। जबकि स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, 60 फीसद से ज्यादा अमेरिकियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है।

अन्य कई देशों की तरह मलेशिया में भी कोरोना का डेल्टा वैरिएंट कहर बरपा रहा है। बढ़ते संक्रमण के बीच कुआलालंपुर में सरकार की नीतियों के खिलाफ रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस तरह का जमावड़ा संक्रमण को और बढ़ा सकता है। एएफपी

जापान, थाइलैंड और मलेशिया में डेल्टा का कहर

रायटर के अनुसार, जापान, थाइलैंड व मलेशिया में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का कहर बढ़ गया है। इन देशों में बीते 24 घंटे में रिकार्ड नए मामले पाए गए। जापान की राजधानी टोक्यो में 4,058 नए केस मिले। ओलिंपिक की मेजबानी कर रहे इस शहर में पहली बार एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में संक्रमित पाए गए। मलेशिया में 17 हजार 786 और थाइलैंड में 18 हजार 912 मामले पाए गए। इधर, चीन में भी डेल्टा वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। बीते 24 घंटे में 55 नए संक्रमित मिले। एक दिन पहले 64 मामले पाए गए थे।

न तीर चले न गोली, खाली रह गई झोली

साई ने खूब की मदद

- साई ने तीरंदाजी संघ के मान्यता प्रात ना होने पर भी तीरंदाजों के खेल में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी
- 2019 के बाद से साई ने लगातार अभ्यास कैंप कराए। इसके साथ ही तीरंदाजों को साई ने 2019 में टाप्स की कोर (प्रमुख) टीम में जगह भी दी
- 2019 विश्व चैंपियनशिप से सरकारी खर्चे पर टीम के साथ मनोचिकित्सक जाता रहा
- इसके अलावा साल 2018 से सूबेदार मीम बहादुर तीरंदाजों के कोच बने हुए हैं। हालांकि इन सबके बावजूद तीरंदाज देश को एक भी पदक नहीं दिला सके।
- 2019 से टीम को मेंटल ट्रेनर दिया गया जो दीपिका को 2017 से और अतानु व तरुणदीप राय को 2018 से प्रशिक्षण दे रहे हैं

भारत का तीरंदाजी दल :- दीपिका कुमारी, अतानु दास, प्रवीण जाधव, तरुणदीप राय

अतानु दास • रायटर

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजों व तीरंदाजों से सबसे ज्यादा उम्मीद थी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इनकी तैयारियों को लेकर अपनी ओर से पूरे प्रयास भी किए लेकिन न इनके तीर चले और न ही गोली।

ओलिंपिक के लिए 126 भारतीय एथलीटों वाले दल में पहली बार 15 निशानेबाज शामिल थे। साई और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआएआइ) ने करोड़ो रुपये निशानेबाजों पर खर्च किए लेकिन पदक तो छोड़िए सौरभ चौधरी के अलावा कोई भी निशानेबाज क्वालीफिकेशन दौर से ही आगे नहीं बढ़ पाया। यही सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा और महिलाओं की 50 मी राइफल थ्री पोजीशन में अंजुम मौदगिल व तेजस्विनी सावंत क्रमशः 15वें व 33वें स्थान पर रहकर फाइनल्स में नहीं पहुंच सकीं।

तीरंदाजों का भी डब्बा गोल : शनिवार को भारतीय तीरंदाज अतानु दास की हार के साथ इस स्पर्धा में भी भारत के पदक की झोली खाली रही। अतानु दास को तीरंदाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा के प्री-क्वार्टर दौर में जापान के ताकाहारू फुरुकावा ने 6-4 से हराया। इस तरह चार तीरंदाजों को ओलिंपिक तक पहुंचाने व उनकी तैयारी में हर कदम साथ देने वाली संस्था साई के प्रयासों पर पानी फेर दिया। दुनिया की नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी के क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद भारत की उम्मीदें उनके पति अतानु दास पर ही टिकी थी। पिछले मैच में लंदन ओलिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता ओ जिन हयेक को हराने के बाद दास टीम वर्ग का कांस्य जीत चुके जापानी तीरंदाज को नहीं हरा सके। दीपिका की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में अतानु की जगह प्रवीण जाधव के साथ बनाई गई थी, लेकिन वो भी हार गई।

ओलिंपिक में गया भारत का निशानेबाजी दल

अंजुम मौदगिल, अपूर्वी चंदेला, दिव्यांश सिंह पंवार, दीपक कुमार, तेजस्विनी सावंत, संजीव राजपूत, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, मनु भाकर, यशस्विनी सिंह देसवाल, सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा, राही सरनोबत, इलावेनिल वलारिवान, अंगद वीर सिंह बाजवा और मैराज अहमद खान।

मनु भाकर • एपी

निशानेबाजों पर खर्च

2016 से अभी तक 32 ओलिंपिक निशानेबाजों पर टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) के तहत खर्च - 44.41 करोड़ रुपये

2019 से अभी तक भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा एनुअल कैलेंडर ट्रेनिंग एंड कंपटीशन (एसीटीसी) के तहत किया गया खर्च-55 करोड़ रुपये

विदेशी कोच

ओलेग मिखालिव (पिस्टल) की तनख्वाह- **5,62,500** रुपये (प्रति माह)

पावेल स्मिर्नोव (राइफल) की तनख्वाह **5,62,500** रुपये (प्रति माह)

'कमाल' प्रीत कौर

- कमलप्रीत ने फाइनल के लिए किया क्वालीफाई
- सीमा पूनिया और श्रीशंकर चूके

टोक्यो, प्रेट्र : भारतीय चक्का फेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कौर ने शनिवार को टोक्यो ओलिंपिक में कमाल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने ओलिंपिक में देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक करते हुए क्वालीफिकेशन दौर में दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई जबकि इसी स्पर्धा में अनुभवी सीमा पूनिया चूक गईं। शनिवार को एक अन्य भारतीय एथलीट लंबी कूद खिलाड़ी श्रीशंकर भी फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

25 वर्ष की कमलप्रीत ने पूल-बी में चक्का फेंक के अपने तीसरे प्रयास में 64 मीटर का थ्रो फेंका जो क्वालीफिकेशन मार्क भी था। क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने वाली अमेरिका की वालारी आलमैन के अलावा वह 64 मीटर या अधिक का थ्रो लगाने वाली अकेली खिलाड़ी रहीं। इस स्पर्धा का फाइनल दो अगस्त को होगा। कमलप्रीत मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की सैंड्रा पेरकोविक (63.75 मीटर) और विश्व चैंपियन क्यूबा की येइमे पेरेज (63.18 मीटर) से आगे रहीं। पेरकोविक तीसरे और पेरेज सातवें स्थान पर रहीं। इस साल शानदार फार्म में चल रही कमलप्रीत ने चक्का फेंक में दो बार 65 मीटर का आंकड़ा पार किया था। उन्होंने मार्च में फेडरेशन कप में 65.06 मीटर का थ्रो फेंककर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा था। वह 65 मीटर पार करने वाली पहली भारतीय हैं। इसके बाद जून में इंडियन ग्रां प्रि-4 में अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड बेहतर करते हुए उन्होंने 66.59 मीटर का थ्रो फेंका था।

सीमा छठे स्थान पर : सीमा पूनिया पूल-ए में 60.57 के थ्रो के साथ छठे स्थान पर और कुल 16वें स्थान पर रहीं। अंतिम समय में ओलिंपिक में जगह बनाने वाली सीमा अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं दोहरा सकीं। सीमा का पहला प्रयास अवैध रहा। दूसरे प्रयास में उन्होंने 60.57 और तीसरे में 58.93 मीटर का थ्रो फेंका। हरियाणा की 38 वर्ष की पूनिया ने 29 जून को पटियाला में राष्ट्रीय अंतर प्रांतीय चैंपियनशिप में 63.72 मीटर के जरिये ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 64.84 मीटर है जो उन्होंने 2004 में बनाया था। जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में कांस्य जीतने के बाद वह इसी सत्र में लौटी थीं।

सहवाग की प्रशंसक कमलप्रीत कभी खेलने लगी थीं क्रिकेट : कोविड-19 लाकडाउन ने चक्का फेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कौर के मानसिक स्वास्थ्य पर इतना असर डाला था कि उन्होंने मनोवैज्ञानिक दबाव से निपटने के लिए क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। लेकिन चक्का हमेशा उनका पहला प्यार बना रहा और अब वह भारत को ओलिंपिक खेलों में ऐतिहासिक एथलेटिक्स पदक दिलाने से कुछ कदम दूर खड़ी हैं। पंजाब की कौर का जन्म किसान परिवार में हुआ। पिछले साल के अंत में वह काफी हताश थी क्योंकि कोविड-19 के कारण उन्हें किसी टूर्नामेंट में खेलने को नहीं मिल रहा था। वह अवसाद महसूस कर रही थीं जिससे उन्होंने अपने गांव में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था।

कौर की कोच राखी त्यागी ने कहा, 'उनके गांव के पास एक साई केंद्र है और हम 2014 से पिछले साल तक वहीं ट्रेनिंग कर रहे थे। कोविड-19 के कारण सब कुछ बंद था और वह अवसाद (पिछले साल) महसूस कर रही थी। वह भाग लेना चाहती थी, विशेषकर ओलिंपिक में। वह बेचैन थी और यह सच है कि उसने क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था, लेकिन यह किसी टूर्नामेंट के लिए या पेशेवर क्रिकेटर बनने के लिए नहीं था बल्कि वह तो अपने गांव के मैदानों पर क्रिकेट खेल रही थी।' भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की कोच त्यागी ओलिंपिक के लिए उनके साथ टोक्यो नहीं जा सकीं।

लेकिन उन्हें लगता है कि उनकी शिष्या अगर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे तो इस बार पदक जीत सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं उससे हर रोज बात करती हूं। वह शनिवार को थोड़ी घबराई हुई थी क्योंकि यह उसका पहला ओलिंपिक था और मैं भी उसके साथ नहीं थी। मैंने उससे कहा कि कोई दबाव नहीं ले, बस अपना सर्वश्रेष्ठ करो। मुझे लगता है कि 66 या 67 मीटर उसे और देश को एथलेटिक्स का पदक दिला सकता है।'

परिवार की आर्थिक समस्याओं और अपनी मां के विरोध के कारण वह शुरू में एथलेटिक्स में नहीं आना चाहती थीं, लेकिन अपने किसान पिता कुलदीप सिंह के सहयोग से उन्होंने इसमें खेलना शुरू किया।

शुरू में उन्होंने गोला फेंक खेलना शुरू किया, लेकिन बाद में बादल में साई केंद्र में जुड़ने के बाद चक्का फेंकना शुरू किया। कमलप्रीत काबरवाला गांव की हैं और उनके गांव के पास बादल में साई केंद्र है। बादल में कौर के स्कूल की खेल शिक्षिका ने एथलेटिक्स से रूबरू कराया जिसके बाद वह 2011-12 में क्षेत्रीय और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं, लेकिन उन्होंने फैसला किया कि वह अपने पिता पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव नहीं डालेंगी जिन पर संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी थी।

कमलप्रीत ने पिता से कहा, पदक के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी

चंडीगढ़, प्रेट्र : कमलप्रीत कौर ने अपने पिता को कहा कि वह पदक जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगी। कौर के पिता कुलदीप सिंह ने कहा, 'मैंने उससे बात की और वह बहुत खुश थी। उसने मुझे कहा कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ करेगी। उसका ध्यान हमेशा अपने खेल पर रहा है और उसने अपनी कड़ी मेहनत से ओलिंपिक में भाग लेने के अपने सपने को साकार किया।'

मैच नहीं देख सके पिता

नई दिल्ली : कमलप्रीत कौर के पिता कुलदीप सिंह अपनी बेटी का लाइव मैच नहीं देख सके। कुलदीप सिंह ने कहा, 'बेटी ने मुझे शुक्रवार को मैच के समय के बारे में बताया था। मैं इंतजार कर रहा था, लेकिन ब्राडकास्टर कुछ और ही दिखा रहे थे। मैं ज्यादा इंतजार नहीं कर सकता था क्योंकि मुझे खेत में कुछ काम था।' उन्होंने कहा, 'जब मैं खेत में काम कर रहा था तब मुझे काल आई और मैसेज आने शुरू हुए। फिर मैं घर वापस गया। मैं फाइनल जरूर देखूंगा।'

> कमाल कर दिया आने कमलप्रीत। अब कुछ दिन बाद ही हम इतिहास का हिस्सा बनेंगे।
> **वीरेंद्र सहवाग,** पूर्व बल्लेबाज, भारत

क्वालीफिकेशन में कमलप्रीत का प्रदर्शन

दूरी	प्रयास
60.29 मीटर	पहला
63.97 मीटर	दूसरा
64 मीटर	तीसरा

भारतीय खिलाड़ी कमलप्रीत कौर • रायटर

श्रीशंकर ने भी किया निराश

लंबी कूद में श्रीशंकर यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और ओवरआल 25वें स्थान पर रहते हुए फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए। श्रीशंकर ने अपने पहले प्रयास में 7.69 मीटर की छलांग लगाई, लेकिन वह दूसरे और तीसरे प्रयास में इससे बेहतर नहीं कर सके। उनका दूसरा प्रयास 7.51 मीटर और तीसरा प्रयास 7.43 मीटर का रहा था। वह अपनी हीट (पूल) में 13वें और ओवरआल 25वें (32 खिलाड़ियों में) स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मानक 8.15 मीटर या दोनों पूल को मिलाकर शीर्ष के 12 खिलाड़ियों में जगह बनाना जरूरी था। क्यूबा के जुआन मिगुएल एचेवरिया 8.50 मीटर की छलांग के साथ तालिका में शीर्ष पर रहे। फाइनल में जगह बनाने वाले 12वें एथलीट फिनलैंड के क्रिस्टियन पुली ने 7.96 मीटर की छलांग लगाई थी। श्रीशंकर ने इस साल मार्च में फेडरेशन कप के दौरान 8.26 मीटर की छलांग लगाकर ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

लंबी रैलियों की वजह से धीमा हुआ सिंधू का खेल

ज्वाला गट्टा

ताई जु यिंग ने वही किया जिस काम में वह माहिर हैं। वह एक ताजी, चतुर और स्पष्ट योजना के साथ कोर्ट पर उतरीं। दो फिट खिलाड़ियों के बीच सबसे बड़ा अंतर यही था कि पीवी सिंधू की तुलना में ताई ने नेट पर ज्यादा कमाल का प्रदर्शन किया और उनके खेल में काफी विविधता भी दिखाई दी। चीनी ताइपे की ताई शुरुआत में दबाव में दिखीं और इसी वजह से पहले गेम में कुछ गलतियां कर बैठीं, लेकिन उसके बाद वह सहज दिखाई दीं। पिछले कुछ साल से ताई बड़ी मैचों की खिलाड़ी बनकर उभरी हैं और नियमित रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

मैच खत्म होते ही मुझसे पूछा गया कि क्या सिंधू के पास प्लान बी नहीं था। मेरा जवाब सीधा सा था, दोनों खिलाड़ियों में ताई यु यिंग ज्यादा क्रिएटिव हैं और उन्होंने हर वो चीज लागू की जिससे उन्हें 2019 की विश्व चैंपियन पर लगातार चौथी जीत हासिल हो सके। अगर ताई यिंग ऐसी फॉर्म में हों तो उनका सामना करना बेहद मुश्किल हो जाता है। ताई ने अपनी कलाई का इस्तेमाल करके जो अंक बटोरे उसका सिंधू के पास कोई जवाब नहीं था। इसका ये भी मतलब हुआ कि सिंधु को एक अतिरिक्त कदम उठाना पड़ा क्योंकि वो पहले पीछे जातीं लेकिन डिसेप्शन की वजह से उन्हें आगे आना पड़ता। दूसरे गेम में इसीलिए सिंधू थकी हुईं नजर आईं और धीमी भी। मुझसे ये भी पूछा गया कि क्या सिंधू पर इस बात का भी दबाव था कि अभी तक भारतीय दल सिर्फ एक पदक जीत सका है और एक निश्चित कर सका है। सिंधु अहम मुकाबले में थोड़ा तनाव में आ जाती हैं, लेकिन इसके लिए मैं उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहरा सकती क्योंकि वह ये बात जानती थीं कि पूरा देश उन्हें देख रहा है। पहले गेम में कुछ लंबी रैलियां देखने को मिलीं, जिसके बाद सिंधू थोड़ी धीमी हो गईं। आपको पता होना चाहिए कि 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता ही बिंग जियाओ के खिलाफ कांस्य मैच खेलना भी आसान नहीं रहने वाला है। मैं ये देखकर हैरान हूं कि चीनी दल ने इन खेलों के लिए कितनी शानदार तैयारी की। (टीसीएम)

हार से निराश पीवी सिंधू • प्रेट्र

पदक का अब भी मौका

सिंधू के पास अब ओलिंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का मौका है। वह रविवार को कांस्य पदक के लिए चीन की ही बिंग जियाओ से भिड़ेंगी जिन्हें हमवतन चेन यू फेई ने पहले सेमीफाइनल में 21-16, 13-21, 21-12 से हराया था।

वंदना की हैट्रिक से भारतीय महिला हाकी टीम क्वार्टर फाइनल में

टोक्यो, प्रेट्र : स्ट्राइकर वंदना कटारिया की ऐतिहासिक हैट्रिक के दम पर भारत ने करो या मरो के मुकाबले में निचली रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका टीम को 4-3 से हरा दिया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना आस्ट्रेलिया से दो अगस्त को होगा। वंदना ने चौथे, 17वें और 49वें मिनट में गोल किया। वह ओलिंपिक के इतिहास में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। नेहा गोयल ने 32वें मिनट में एक गोल किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेरिन ग्लस्बी (15वां), कप्तान एरिन हंटर (30वां) और मेरिजेन मराइस (39वां मिनट) ने गोल किए। भारत ने ग्रुप में पहले तीन मैच हारने के बाद आखिरी दो मैचों में जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल लाइन-अप

- जर्मनी VS अर्जेंटीना
- आस्ट्रेलिया VS भारत
- नीदरलैंड्स VS न्यूजीलैंड
- स्पेन VS ग्रेट ब्रिटेन

नोट : महिला हाकी के ये मुकाबले दो अगस्त को होंगे।

41 वर्षों में पहली बार भारतीय महिला हाकी टीम ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची। टीम का ओलिंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1980 में मास्को ओलंपिक में रहा जहां वह सेमीफाइनल में पहुंची थी, लेकिन आखिर में वह चौथे स्थान पर रही थी

सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी हाकी टीम

टोक्यो, प्रेट्र : कप्तान मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को जब क्वार्टर फाइनल में उतरेगी तो उसका इरादा चार दशक बाद ओलिंपिक पदक जीतने की दिशा में अगला कदम रखने के साथ उस गौरवशाली इतिहास को दोहराने का भी होगा। ओलिंपिक में भारत को आखिरी पदक 1980 में मास्को में मिला था जब वासुदेवन भास्करन की कप्तानी में टीम ने पीला तमगा जीता था। ओलिंपिक में भारत और ब्रिटेन का आमना-सामना आठ बार हुआ है और दोनों टीमें चार-चार बार जीती हैं। पिछले पांच साल में भारतीय टीम के प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार आया है जिससे वह विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची। दो साल पहले कोच बने आस्ट्रेलिया के ग्राहम रीड के आने के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और फिटनेस का स्तर बढ़ा है। पहले दबाव के आगे घुटने टेकने वाली टीम अब आखिरी मिनटों तक हार नहीं मानती है।

पदक पक्का करने उतरेंगे सतीश : भारत के सुपर हैवीवेट (+91 किग्रा) मुक्केबाज सतीश कुमार जब क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे तो उनकी कोशिश सेमीफाइनल में पहुंचकर देश के लिए पदक पक्का करने की रहेगी। सतीश का सामना उज्बेकिस्तान के बखोदिर जालोलोव से होगा जो मौजूदा विश्व और एशियाई चैंपियन हैं।

आज क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगी मनप्रीत सिंह की टीम

मनप्रीत सिंह • एपी

पदक तालिका

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	21	13	12	46
जापान	17	5	8	30
अमेरिका	16	17	13	46
आरओसी	11	15	11	37
आस्ट्रेलिया	10	3	14	27
ग्रेट ब्रिटेन	8	9	11	28
द. कोरिया	5	4	7	16
फ्रांस	4	9	6	19
नीदरलैंड्स	4	7	5	16
न्यूजीलैंड	4	3	3	10
भारत	0	1	0	1

नोट : भारत तालिका में 60वें स्थान पर है। आरओसी (रूसी ओलिंपिक समिति)

अमित पंघाल व पूजा रानी बाहर

टोक्यो : भारतीय मुक्केबाजी के लिए शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जिसमें दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज अमित पंघाल (52 किग्रा) के बाद पूजा रानी (75 किग्रा) भी अपनी प्रतिद्वंद्वी से हारकर ओलिंपिक से बाहर हो गईं। भारत की पदक उम्मीद मुक्केबाज पंघाल प्री-क्वार्टर फाइनल में सुबह रियो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता कोलंबिया के युबेरजेन मार्तिनेज से 1-4 से हार गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त पंघाल का यह पहला ओलिंपिक था और उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।

शाम के सत्र में पूजा क्वार्टर फाइनल में चीन की लि कियान से 0-5 से हार गईं। कियान पूर्व विश्व चैंपियन और रियो ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं। वह पूरे मुकाबले के दौरान रानी पर हावी रहीं। शनिवार को दोनों भारतीय मुक्केबाजों के प्रतिद्वंद्वियों ने उन पर दबदबा बनाया और पूरे मुकाबले के दौरान मुक्के जड़ते रहे। रानी ने शुरुआती राउंड में थोड़ा बेहतर किया था, लेकिन रिंग में कियान जवाबी हमलों में आक्रामक थीं और उन्होंने भारतीय मुक्केबाज की मुक्के जड़ने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। चीन की शीर्ष स्तर की मुक्केबाज ने रानी के कमजोर डिफेंस का फायदा उठाया और अपना दूसरा ओलिंपिक पदक पक्का कर लिया।

इससे पहले कोलंबियाई मुक्केबाज ने शुरू से ही पंघाल पर दबाव बना दिया।

ओलिंपिक डायरी | ऐलेन ने 100 मीटर रेस मात्र 10.61 सेकेंड के समय में पूरी करके लगातार दूसरा स्वर्ण जीता

जमैकन फर्राटा क्वीन हेराहो का रिकार्डतोड़ प्रदर्शन

टोक्यो, एपी : महिलाओं की 100 मीटर फर्राटा दौड़ में जमैका की ऐलेन थांपसन हेराहो ने नया ओलिंपिक रिकार्ड बनाया। थांपसन ने आंधी की तरह दौड़ते हुए 100 मीटर की रेस मात्र 10.61 सेकेंड के समय में पूरी करते हुए लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता और खुद को फर्राटा क्वीन (ट्रैक की रानी) के रूप में साबित कर दिया। थांपसन ने 2016 रियो ओलिंपिक में भी 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता था।

थांपसन की हमवतन शैली एन फ्रेजर प्राइस (10.74 सेकेंड) ने 0.13 सेकेंड से पीछे रहते हुए रजत पदक अपने नाम किया। जमैका की ही शेरिका जैक्सन ने 10.76 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। इस तरह 100 मीटर फर्राटा दौड़ पर पूरी तरह से जमैका की महिलाओं का कब्जा रहा। 2008 बीजिंग ओलिंपिक से लेकर अब तक यह चौथा लगातार अवसर है जब महिला 100 मीटर का ओलंपिक ताज जमैका के पास गया है।

ओलिंपिक स्पर्धा के दौरान चोटिल अमेरिकी खिलाड़ी आइसीयू में भर्ती : अमेरिकी बीएमएक्स राइडर कानोर फील्ड्स ओलिंपिक खेलों के सेमीफाइनल स्पर्धा के दौरान गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसके बाद उन्हें यहां एक अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया गया। लास वेगास के 28 साल के फील्ड्स रियो ओलंपिक (2016) के स्वर्ण पदक विजेता हैं। शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान गंभीर रूप से चोटिल होने के बाद वह सड़क पर अचेत हो गए थे।

अमेरिकी साइकिलिंग ने कहा कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद ओलिंपिक के लिए नियुक्त न्यूरोसर्जन को लगा कि उन्हें सर्जरी की जरूरत होगी, लेकिन सीटी स्कैन की रिपोर्ट देखने के बाद चिकित्सकों का मानना है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। दुर्घटना में हालांकि फील्ड्स की पसलियों में फैक्चर हो गया और उनके फेफड़ों पर भी इसका असर पड़ा है।

फील्ड्स शुरुआती दो हीट्स (रेस) के नतीजों के आधार पर पहले ही फाइनल में जगह पक्की कर चुके थे। तीसरी रेस में पहले टर्न (घुमाव) पर साइकिल से उछाल लेते समय वह गिर गए, जिसके बाद दो अन्य राइडरों से भी उनकी टक्कर हो गई। चिकित्सा अधिकारियों के पहुंचने तक वह अचेत अवस्था में पड़े रहे थे।

10.61 सेकेंड में महिलाओं की 100 मीटर फर्राटा दौड़ पूरी करके जमैका की ऐलेन थांपसन हेराहो ने बनाया नया ओलिंपिक रिकार्ड। इससे पहले 1988 सियोल ओलिंपिक में अमेरिका की फ्लोरेंस ग्रिफिथ जायनार ने 10.62 सेकेंड के समय में सबसे तेज दौड़ पूरी की थी

ऐलेन थांपसन हेराहो • एपी

भारत के आज के मैच

पदक का मुकाबले

बैडमिंटन (व्यक्तिगत स्पर्धा) : खिलाड़ी : पीवी सिंधू, कांस्य पदक का मुकाबला, शाम : 5:00 बजे

अन्य मुकाबले

हाकी (पुरुष क्वार्टर फाइनल) : भारत बनाम ग्रेट ब्रिटेन, शाम : 5:30 बजे

मुक्केबाजी (पुरुष क्वार्टर फाइनल) : खिलाड़ी : सतीश कुमार, सुबह : 9:36 बजे

घुड़सवारी (इवेंटिंग क्रास कंट्री) : खिलाड़ी : फवाद मिर्जा, सुबह : 4:15 बजे

गोल्फ (पुरुष) : खिलाड़ी : अनिर्बान लाहिड़ी और उदयन माने, सुबह : 4:00 बजे

प्रसारण : सोनी नेटवर्क पर

खाली हाथ लौटेंगे नोवाक जोकोविक

टोक्यो, एपी : दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक गोल्डन स्लैम के सपने को पूरा करने के साथ ओलिंपिक में भाग लेने आए थे, लेकिन शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में हार के बाद वह टोक्यो से अब खाली हाथ लौटेंगे। सर्बिया के इस खिलाड़ी को शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्टा ने 6-4, 7-6, 6-3 से शिकस्त दी। मैच के दौरान जोकोविक ने कई बार आपा खोया और रैकेट पर अपना गुस्सा निकाला। जोकोविक को तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा।

ओलिंपिक के पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में शुक्रवार को एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जोकोविक को हराकर उनका गोल्डन स्लैम पूरा करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने का सपना तोड़ दिया था। एक ही साल में चारों ग्रैंडस्लैम के साथ ओलिंपिक स्वर्ण जीतने को गोल्डन स्लैम कहते हैं। स्टेफी ग्राफ (1988) इस उपलब्धि को हासिल करने वाली इकलौती टेनिस खिलाड़ी हैं।

रैकेट पर गुस्सा निकालते नजर आए जोकोविक : जोकोविक की निराशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दूसरे सेट में मैच प्वाइंट बचाने के बाद तीसरे सेट की लंबी रैली के दौरान बुस्टा के शाट को रोकने में नाकाम रहने के बाद अपने रैकेट को स्टैंड की ओर फेंक दिया। इसके दो गेम बाद जब बुस्टा ने उनकी सर्विस तोड़ी तो फिर उन्होंने अपने रैकेट से नेट पर प्रहार कर दिया। इसके बाद रैकेट उठाकर फोटोग्राफरों की ओर उछाल दिया। चेयर अंपायर ने नेट पर रैकेट फेंकने के बाद जोकोविक को चेतावनी भी दी।

मिक्स्ड डबल्स से नाम लिया वापस : जोकोविक और निना स्टोजानोविक की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी को शुक्रवार को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्हें शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में आस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी एवं जान पीर्स की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी से भिड़ना था, लेकिन बायें कंधे में चोट का हवाला देते हुए जोकोविक इस मैच से हट गए। इस कारण मिक्स्ड डबल्स का कांस्य पदक आस्ट्रेलियाई जोड़ी को मिल गया। जोकोविक ओलिंपिक में अब तब सिर्फ एक पदक जीत सके हैं। उन्होंने बीजिंग (2008) में कांस्य पदक जीता था।

मैच के दौरान नोवाक जोकोविक • एपी

तकनीक की दुनिया का

रविवार, 1 अगस्त, 2021

टेक टिप्स

लास्ट 15 मिनट की सर्च हिस्ट्री को यूं करें डिलीट

अगर आप चाहें, तो अब आइफोन पर अंतिम 15 मिनट की गूगल सर्च हिस्ट्री को डिलीट कर सकते हैं। गूगल एप में बस एक बटन को टैप करके सर्च हिस्ट्री को हटा पाएंगे। हालांकि यह सुविधा फिलहाल आइओएस एप तक ही सीमित है।

सर्च हिस्ट्री को ऐसे हटाएं: गूगल पहले से ही 24 घंटे से लेकर पूरी सर्च हिस्ट्री को हटाने की सुविधा देता है। इसके अलावा, गूगल पर 3, 18 या 36 महीने के बाद भी सर्च हिस्ट्री को आटो-डिलीट करने की सुविधा मौजूद है। लेकिन अब यदि आप चाहें, तो आइओएस पर केवल अंतिम 15 मिनट की सर्च हिस्ट्री को हटा सकते हैं। यदि कोई आपका फोन मांगता है, तो आप नहीं चाहंगे कि उसे पता चले कि क्या सर्च रहे थे, तो यह एक अच्छा तरीका हो सकता है। इस सुविधा को आइफोन पर ऐसे इनेबल कर सकते हैं...

- अपने आइफोन पर अपडेट किया गया गूगल एप ओपन करें। फिर ऊपर प्रोफाइल पिक्चर आइकन पर टैप करें।
- पाप-अप मेन्यू पर अब आपको सर्च हिस्ट्री के तहत एक नया विकल्प 'डिलीट लास्ट 15 मिनट' दिखाई देगा, उस पर टैप करें। गूगल एप पर आपकी लास्ट 15 मिनट की एक्टिविटी सिर्फ एक टैप में डिलीट हो जाएगी।

फिलहाल यह सुविधा एंड्रायड यूजर्स के लिए जारी नहीं की गई है। एंड्रायड पर सर्च हिस्ट्री डिलीड करने के लिए दूसरा तरीका है।

एंड्रायड में ऐसे डिलीट करें सर्च हिस्ट्री: एंड्रायड फोन पर केवल अंतिम 15 मिनट की हिस्ट्री को नहीं हटा सकते हैं, लेकिन उस दिन की हिस्ट्री, कस्टम रेंज या फिर आल टाइम हिस्ट्री को डिलीट कर सकते हैं।

- इसके लिए फोन में गूगल एप को ओपन करें। फिर प्रोफाइल पिक्चर आइकन पर टैप करें। अब पाप-अप मेन्यू में सर्च हिस्ट्री आप्शन को सर्च करें।
- यहां तीन विकल्प दिखाई देंगे- डिलीट टुडे, डिलीट कस्टम रेंज और डिलीट आल टाइम। अब अपने पसंदीदा विकल्प पर टैप करें। फिर उस अवधि के लिए आपका गूगल सर्च हिस्ट्री हटा दिया जाएगा।

आज फ्रेंडशिप डे पर

आजकल लोग दोस्ती के लिए आनलाइन प्लेटफार्म का खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर दोस्ती की चाहत में 'कैटफिशिंग' से बच कर रहें। यह ऐसा आनलाइन जोखिम है, जो न सिर्फ आपके दिल को तोड़ सकता है, बल्कि बैंक बैलेंस भी खाली कर सकता है। जानें कैटफिशिंग से खुद को कैसे करें सुरक्षित ...

कैटफिशिंग से रखें खुद को सुरक्षित

इसमें कोई शक नहीं कि आजकल लोगों को आनलाइन दोस्ती रोमांचक लगती है, लेकिन याद रखें कि आनलाइन दोस्ती की दुनिया धोखे से भरी हुई है। अगर सावधान नहीं हैं, तो कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं। दोस्ती की आड़ में ऐसी ही एक फ्राड एक्टिविटी है कैटफिशिंग, जो इंटरनेट पर तेजी से फैल रही है। कैटफिशिंग का मतलब है किसी व्यक्ति को झूठी पहचान के साथ आनलाइन बहकाना और उससे ठगी करना। आजकल देखें तो आनलाइन रिश्तों में लोगों के ठगे जाने की कहानियां हमारे चारों तरफ हैं। यदि आनलाइन प्लेटफार्म फेसबुक, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम, टिंडर आदि पर नये दोस्त की तलाश कर रहे हैं, तो 'कैटफिशर' से बच कर ही रहें।

कैटफिशिंग क्या है

वर्ष 2010 में अमेरिकी डाक्यूमेंट्री फिल्म 'कैटफिश' के रिलीज होने के बाद यह पता चला कि इंटरनेट पर फिल्म के नायक की तरह कई लोगों को ठगा गया था। 'कैटफिशिंग' शब्द इसी फिल्म से प्रचलन में आया है। यह फिल्म नायक और 19 वर्षीय महिला के आनलाइन संबंधों पर आधारित थी। फिल्म में जिस महिला के साथ उसका रिश्ता था, वह वास्तव में 40 वर्षीय हाउसवाइफ थी। उसने न सिर्फ अपनी नकली प्रोफाइल बनाई थी, बल्कि कई फेक दोस्त और एकाउंट भी बना रखे थे। दरअसल, कैटफिशिंग एक ऐसी घटना है, जहां एक व्यक्ति अन्य लोगों को फंसाने, बरगलाने या फिर ठगने के लिए अपनी एक अलग आनलाइन पहचान गढ़ता-बताता है। कैटफिशर अपनी असली पहचान छिपाने के लिए टेक्नोलाजी का उपयोग करता है। कैटफिशर पैसे ठगने के साथ लोगों की पहचान भी चुरा सकता है।

कैसे पहचानें कैटफिशर को

आनलाइन किसी से वर्षों तक दोस्ती या प्यार में रहने के बाद यह पता चले कि व्यक्ति वास्तव में वह नहीं है, जो प्रोफाइल में है, तो किसी के लिए यह एक भावनात्मक झटका भी हो सकता है। नकली प्रोफाइल के पीछे कार्य करने वाले लोगों के इरादे अधिक भयावह होते हैं। कैटफिशर पैसे या उपहार के लिए ब्लैकमेल कर सकते हैं। ऐसे अनगिनत मामले भी हैं, जहां कैटफिशर पीड़ितों को बड़ी रकम भेजने के लिए मना लेते हैं। आनलाइन दोस्ती की दुनिया में कैटफिशिंग अब आम बात हो गई है। अगर इंटरनेट पर सच्चा प्यार पाना चाहते हैं, तो आपको अपनी आंख और कान खुले रखने होंगे ताकि कैटफिशर को पहचान सकें। आपको बता दें कि कैटफिशर व्यक्तिगत रूप से न मिलने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाते हैं। ऐसे में लोगों को समझ जाना चाहिए कि अगर व्यक्ति मिलने से कतरा रहा है, तो कहीं न कहीं यह खतरे का संकेत है। कैटफिशर संवेदनशील लोगों को अपना टार्गेट बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इन प्लेटफार्म पर सीधे किसी पर भरोसा न करें। सतर्क रहें और उन भावनाओं से प्रभावित न हों, जो इंटरनेट पर दूसरी तरफ वाला व्यक्ति व्यक्त करता है। चेतावनी के संकेतों पर पूरा ध्यान दें। अगर कुछ संदिग्ध लगता है, तो उस व्यक्ति से दूर होने में ही भलाई है। देखा जाए, तो वर्चुअल दुनिया में दोस्ती हमेशा जोखिम से भरी होती है। यदि सावधानी से आगे नहीं बढ़ते हैं, तो यह महंगा पड़ सकता है।

ये हो सकते हैं वार्निंग साइन

आनलाइन दुनिया में अत्यधिक सक्रिय हैं, तो फिर आपको ध्यान रखना होगा कि कहीं कैटफिशर के जाल में तो नहीं उलझते जा रहे हैं। कुछ बातों पर ध्यान देकर आसानी से कैटफिशर को पकड़ सकते हैं...

- **कमजोर इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल:** कैटफिशर का इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल बहुत आश्वस्त करने वाला नहीं होता है। प्रोफाइल या तो अधूरा होगी या पूरी तरह से नई होगी। फ्रेंड लिस्ट लंबी नहीं होगी और प्रोफाइल पर पोस्ट भी कम ही होंगे।
- **आमने-सामने मिलने से बचेंगे:** महीनों तक चैट करने के बाद भी आपसे व्यक्तिगत रूप से न मिलने का बहाना बनाएंगे और वीडियो चैट से भी बचेंगे।
- **गंभीर होने में समय नहीं लेगा:** कैटफिशर आपके साथ संबंधों को लेकर बहुत जल्दी गंभीर हो सकते हैं। आपसे तमाम तरह के वादे करेंगे। यहां तक कि कुछ हफ्तों या महीनों की चैटिंग के बाद ही प्रपोज करने लगेंगे। ऐसे में आपको समझ जाना जाहिए कि कुछ-न-कुछ गड़बड़ है।

अमित निधि

ये टिप्स बचा सकते हैं कैटफिशर से

आनलाइन दोस्ती आसान है, मगर कुछ चुनौतियां भी हैं। आप कुछ आनलाइन नियमों का पालन करते हैं, तो सुरक्षित रह सकते हैं :

- सभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर कुछ टाप सुरक्षा सेटिंग्स होती हैं, जिनका आपको लाभ उठाना चाहिए।
- हर महीने अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि आपका व्यक्तिगत डाटा पूरी तरह सुरक्षित है।
- इंटरनेट मीडियो पर जो जानकारी साझा कर रहे हैं, उसको लेकर हमेशा सावधान रहें।
- निजी बात शेयर करने से बचें। गोपनीय जानकारी जैसे कि बैंक खाते की डिटेल, घर का पता आदि किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं बताएं, जिनसे आनलाइन मिले हैं।
- गूगल जैसे सर्च इंजन से प्रोफाइल की जांच करें। इसके लिए रिवर्स इमेज सर्च की मदद ले सकते हैं।
- स्मार्ट तरीके से प्रोफाइल को एक्सप्लोर करें। देखें कि प्रोफाइल में छोटी फ्रेंड लिस्ट है, टैग की गई तस्वीरें नहीं हैं, दोस्तों और परिवार के साथ कोई तस्वीर नहीं है, तो निश्चित रूप से कुछ संदिग्ध है।
- हमेशा उन प्लेटफार्म का उपयोग करें, जो संदिग्ध प्रोफाइल को रिपोर्ट करने की अनुमति देते हैं। इससे आप न केवल खुद को, बल्कि दूसरों को भी कैटफिशर से बचा सकेंगे।

टेक गाइड

फोन खोने पर ऐसे करें पेमेंट एप्स को ब्लाक

आपने सोचा है कि फोन चोरी होने या फिर खो जाने की स्थिति में पेमेंट एप्स को कैसे सुरक्षित किया जा सकता है। भारत में लोग पेटीएम, गूगल पे, फोन पे आदि जैसे पेमेंट एप्स का खूब इस्तेमाल करते हैं। अधिकतर यूजर्स के पास यूपीआइ से जुड़ा कम से कम एक पेमेंट एप जरूर होता है। वैसे, यूपीआइ किसी को भुगतान करने या पैसे ट्रांसफर करने का एक सुरक्षित और आसान तरीका है। लेकिन यदि किसी के पास आपके फोन तक पहुंच है, तो वह इसका गलत इस्तेमाल भी कर सकता है। यदि आपका फोन खो जाता है या फिर चोरी हो जाता है, तो इन सेवाओं को एक्सेस करने से रोकने के लिए कुछ कदम उठा सकते हैं। आइए जानें फोन खो जाने की स्थिति में पेटीएम, गूगल पे या फोन पे को कैसे ब्लाक किया जा सकता है:

पेटीएम एकाउंट : फोन के चोरी या फिर खो जाने की स्थिति में अपने पेटीएम एकाउंट को अस्थायी रूप से ब्लाक कर सकते हैं। इसका तरीका आसान है।

- पेटीएम पेमेंट्स बैंक हेल्पलाइन नंबर 01204456456 पर काल करें। लास्ट फोन के लिए विकल्प चुनें। इसके बाद एक अलग नंबर दर्ज करने का विकल्प चुनें और अपना खोया हुआ फोन नंबर दर्ज करें।
- इसके बाद सभी डिवाइस से लाग-आउट करने के विकल्प को चुन सकते हैं या फिर पेटीएम वेबसाइट पर जाएं और 24X7 हेल्प का चयन करने के बाद 'रिपोर्ट ए फ्राड' के विकल्प को चुनें।
- यहां पर अपनी रिपोर्ट दर्ज करने के लिए आपसे कुछ जानकारियां मांगी जाएंगी। यहां पर आपको अब अपने एकाउंट ओनरशिप का एक प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि डेबिट/क्रेडिट कार्ड का विवरण हो सकता है। इसमें पेटीएम खाते के लेन-देन के लिए एक कंफर्मेशन ईमेल या एसएमएस, फोन नंबर की ओनरशिप का प्रमाण या खोए या चोरी हुए फोन के खिलाफ पुलिस कंप्लेंट प्रूफ भी हो सकता है। एक बार जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाती है, तो फिर पेटीएम आपके खाते को ब्लाक कर देगा, जिसके बाद आपको एक कंफर्मेशन मैसेज प्राप्त होगा।

गूगल पे एकाउंट : अगर आप अपने फोन पर पेमेंट के लिए गूगल पे एकाउंट का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर चोरी होने या फिर खो जाने की स्थिति में इसे आसानी से ब्लाक करा सकते हैं।

- गूगल पे एकाउंट को ब्लाक कराने के लिए यूजर्स हेल्पलाइन नंबर 18004190157 पर काल कर सकते हैं और पसंदीदा भाषा चुन सकते हैं।
- यहां पर सलेक्ट राइट आप्शन में अदर इश्यू को चुनें। फिर यहां पर किसी विशेषज्ञ से बात करने का विकल्प चुनने के लिए कहा जाएगा। आप यहां पर विशेषज्ञ के से बात कर अपने गूगल पे एकाउंट को ब्लाक करा सकते हैं। वैसे, आपको बता दें कि वैकल्पिक रूप से एंड्रायड यूजर अपने डाटा को रिमोटली भी डिलीट कर सकते हैं।

फीचर डेस्क

फोन पे एकाउंट

अपने फोन पे एकाउंट को भी आप आसानी से ब्लाक करा सकते हैं। इसके लिए आपको इन स्टेप को फालो करना होगा :

- फोन पे यूजर्स को 08068727374 या 02268727374 पर काल करना होगा। पसंदीदा भाषा चुनने के बाद आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप अपने फोन पे एकाउंट में किसी समस्या की रिपोर्ट करना चाहते हैं, उपयुक्त नंबर दबाएं।
- इसके बाद आपको पंजीकृत नंबर दर्ज करना होगा और पुष्टि के लिए एक ओटीपी भेजा जाएगा। इसके बाद ओटीपी प्राप्त नहीं होने के विकल्प का चयन करें। आपको सिम या डिवाइस के गुम होने की रिपोर्ट देने का विकल्प दिया जाएगा, उसे चुनें।
- फिर आप एक प्रतिनिधि के साथ जुड़ेंगे जो कुछ विवरण जैसे कि फोन नंबर, ईमेल आइडी, अंतिम भुगतान, अंतिम लेन-देन का मूल्य आदि प्राप्त करने के बाद फोन पे एकाउंट को ब्लाक करने में आपकी मदद करेगा। इस तरह पेमेंट एप्स को ब्लाक करा सकते हैं।

नये गैजेट्स

नोकिया 110 4जी

नोकिया ने भारतीय बाजार में अपना नया नोकिया 110 4जी फीचर फोन लांच किया है। फोन एचडी वायस कालिंग सपोर्ट के साथ आता है। इसमें 1.8 इंच का कलर डिस्प्ले दिया गया है। यह यूनिसोक टी107 प्रोसेसर से लैस है। इसमें 128 एमबी रैम और 48 एमबी स्टोरेज मौजूद है। फोन में 0.8 मेगापिक्सल का क्यूवीजीए रियर कैमरा मौजूद है। यह फोन सीरीज 30+ आपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। नोकिया 110 4जी में एफएम रेडियो वायर्ड और वायरलेस मोड के साथ आता है। इसके साथ वीडियो प्लेयर, एमपी3 प्लेयर और 3 इन 1 स्पीकर मौजूद है। इसमें आइकानिक स्नैक जैसे क्लासिक गेम और आक्सफोर्ड विद अंग्रेजी जैसे एप भी शामिल हैं। नोकिया 110 4जी में नेविगेशन को आसान बनाने के लिए जूम मेन्यू के साथ एक रिफ्रेश यूआइ दिया गया है। इसमें एक नया रीडआउट फीचर भी मौजूद है, जो कि टेक्स्ट को स्पीच में बदलने की सुविधा देता है। इसमें माइक्रो यूएसबी पोर्ट सपोर्ट मौजूद है। इसकी कीमत 2,799 रुपये है।

पोट्रोनिक्स क्रोनोस बीटा

पोट्रोनिक्स ने भारत में क्रोनोस बीटा स्मार्टवाच लांच किया है। स्मार्टवाच की बाडी में एल्युमिनियम और पालीकार्बोनेट का इस्तेमाल किया गया है। इस स्मार्टवाच में 100 वाच फेस हैं। इसके साथ ही स्मार्टवाच में 300 सान्ग तक को स्टोर करने की सुविधा दी गई है। आपको इसमें म्यूजिक प्लेबैक से लेकर कॉल-मैसेज नोटिफिकेशन जैसे फीचर्स तक मिलेंगे। वाच में 1.28 इंच का टीएफटी डिस्प्ले है। इसमें आपको 10 स्पोर्ट्स मोड मिलते हैं, जिनमें रनिंग, वाकिंग, हाइकिंग आदि शामिल हैं। यह स्मार्टवाच लगातार हार्ट-रेट मानिटर करने में सक्षम है। इसे आइपी 58 रेटिंग मिली है। स्मार्टवाच में 240 एमएएच की बैटरी दी गई है। इसकी बैटरी सिंगल चार्ज में 7 दिन का बैकअप देती है। इसकी कीमत 3,999 रुपये है।

गैजेट रिव्यू

आइकू जेड 3 5जी

आजकल लोगों को गेमिंग फोन काफी पसंद आ रहे हैं। आइकू जेड 3 5जी भी इसी तरह का स्मार्टफोन है। डिजाइन आपको पसंद आएगा। फोन के बैक में ट्रिपल कैमरा माड्यूल दिया गया है। फोन में 6.5 इंच का फुल एचडी प्लस डिस्प्ले है। यह डायनैमिक 120 हट्र्ज स्क्रीन रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करती है। यूजर इसे स्मार्ट स्विच मोड पर सेट कर सकते हैं, जो आपके द्वारा उपयोग किए जा रहे एप्स के अनुसार रिफ्रेश रेट को सेट कर देता है। गेमिंग के लिए फोन 180 हट्र्ज टच रिस्पांस की सुविधा है, जिसे कंपनी 5 लेयर लिक्विड-कूलिंग सिस्टम कहती है। फोन क्वालकाम स्नैपड्रैगन 768जी प्रोसेसर पर रन करता है। फोन में वर्चुअल रैम का सपोर्ट दिया गया है, जिसकी मदद से 8जीबी रैम को 11जीबी में कनवर्ट किया जा सकेगा। फोन एंड्रायड 11 बेस्ड आपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। गेमिंग डिपार्टमेंट में फोन बेहतर है। हैवी गेम्स आसानी से प्ले कर सकते हैं। इसमें हीटिंग की समस्या नहीं हुई। हालांकि फोन में आपको एचडीआर स्ट्रीमिंग की सुविधा नहीं मिलेगी। फोन में रियर पैनल पर ट्रिपल कैमरा सेटअप है। प्राइमरी कैमरा 64एमपी का है। इसके अलावा, 8एमपी वाइड एंगल लेंस और 2एमपी मैक्रो लेंस दिया गया है। प्राइमरी कैमरा इंप्रेस करता है। वाइड एंगल लेंस से काफी फील्ड आफ व्यू मिलता है, लेकिन मैक्रो लेंस ठीक-ठाक रहता है। वहीं नाइट फोटोग्राफी बेहतर हो सकती थी। 16एमपी कैमरे से शानदार सेल्फी क्लिक की जा सकती है। फोन में 4,400 एमएएच की बैटरी है, जो 55वाट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन तेजी से चार्ज होती है। फोन के 8जीबी रैम/256जीबी वैरियंट की कीमत 22,990 है।

तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 1 अगस्त, 2021 रविवार श्रावण मास कृष्ण पक्ष अष्टमी का राशिफल।
आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।
आज का दिशाशूल: पश्चिम।

कल 2 अगस्त का पंचांग

कल का दिशाशूल: पूर्व।
पर्व-त्योहार: श्रावण सोमवार व्रत।
कल की भद्रा: रात्रि के 11:45 बजे से 03 अगस्त को दोपहर 01:00 बजे तक।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास कृष्ण पक्ष की नवमी 10 घंटे 29 मिनट तक, तत्पश्चात् दशमी कृतिका नक्षत्र 22 घंटे 43 मिनट तक, तत्पश्चात् रोहिणी नक्षत्र वृद्धि योग 23 घंटे 06 मिनट तक, तत्पश्चात् ध्रुव योग वृष में चंद्रमा।

मेष: आर्थिक योजना को बल मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष: किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों रुचि लेंगे। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मिथुन: व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फ़ाज़ी खर्च से बचना होगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी। किसी तरह का जोखिम न उठाएं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कर्क: रिश्तों में मधुरता आएगी। आर्थिक योजना को बल मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह: व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। महिला अधिकारी से सहयोग मिल सकता है।

कन्या: भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। व्यक्ति विशेष का सहयोग रहेगा। आर्थिक मामलों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु: रिश्तों में मधुरता आएगी, लेकिन रोग या विरोधी तनाव का कारण होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगाएं।

मकर: व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे।

कुंभ: व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग एवं सान्निध्य मिलेगा।

मीन: रिश्तों में मजबूती आएगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली-1654

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 [illegible] [4]। 6 [illegible] [2]। 7 [illegible] [2,2,2]। 10 [illegible] [3]। 11 [illegible] [3]। 13 [illegible] [4]। 14 [illegible] [2]। 15 [illegible] [3]। 16 [illegible] [4,2]। 17 [illegible] [3]। 18 [illegible] [3,3]।

ऊपर से नीचे
1 [illegible] [3]। 2 [illegible] [3]। 3 [illegible] [3]। 4 [illegible] [3,3]। 5 [illegible] [4]। 8 [illegible] [3]। 9 [illegible] [3]। 12 [illegible] [3,3]। 13 [illegible] [3]। 15 [illegible] [3]। 16 [illegible] [3]।

कल का हल

[illegible]

जागरण सुडोकू 1654

1				9				5
	6		1	8	4		3	
3		7				9		
	7						2	
2	9	8		1		4	5	3
	1						9	
7		2				6		
	5		2	7	1		8	
8				3			7	

कल का हल

5	2	6	4	8	9	3	1	7
4	7	8	3	2	1	5	6	9
1	9	3	6	7	5	8	4	2
3	5	9	2	4	6	7	8	1
2	8	1	5	3	7	6	9	4
6	4	7	9	1	8	2	3	5
8	1	2	7	9	3	4	5	6
7	3	5	1	6	4	9	2	8
9	6	4	8	5	2	1	7	3

मौसम

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा कश्मीर व लद्दाख में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। पूर्वी व सटे पश्चिमी राजस्थान में अनेक स्थानों पर गरज के साथ मध्यम से भारी वर्षा तथा एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा संभव है।

कल पढ़ें

कि याद जो करें सभी

विभिन्न विधाओं में साहित्य प्रयोगों की विपुलता और रचनाओं में कथ्य की नवीनता से हिंदी साहित्य को समृद्ध करने वाले राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त पर आलेख, पाठकों के गीत, प्रेरक कहानी एवं अन्य स्थाई स्तंभ...

महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 1920 में आज ही महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन की घोषणा की थी। कोर्ट, शैक्षणिक संस्थान व विदेशी सामान का बहिष्कार किया गया। चार फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा जनविद्रोह के बाद उन्होंने आंदोलन वापस ले लिया था।

देश की सभी निजी विमानन कंपनियों का हुआ राष्ट्रीयकरण

1953 में आज ही एयर कारपोरेशन एक्ट के तहत देश की निजी विमानन कंपनियों का राष्ट्रीयकरण हुआ था। इसमें टाटा की एयर इंडिया और सात अन्य कंपनियां शामिल थीं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए दो कंपनियां बनाई गईं।

बालीवुड में ट्रेजडी क्वीन के नाम से जानी जाती थी मीना कुमारी

बहुत कम उम्र में बालीवुड में बुलंदियों पर पहुंचने वाली मीना कुमारी का जन्म 1933 में आज ही मुंबई में हुआ था। 1939 में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में फिल्म लेदरफेस से शुरुआत की। 1952 में आई फिल्म बैजू बावरा से पहचान मिली। उन्हें चार फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 1952 में 18 साल की उम्र में निर्देशक कमाल अमरोही से शादी की लेकिन 1964 में अलग हो गईं। फिर धर्मेंद्र से नाम जुड़ा, पर रिश्ता लंबा नहीं चला। बाद में ज्यादा शराब पीने से लिवर सिरोसिस हो गया। 31 मार्च, 1972 को निधन हो गया।

मेटाबोलिक सिंड्रोम से दूसरे स्ट्रोक का खतरा

विश्लेषणात्मक शोध ▸ इस समस्या से ग्रस्त लोगों को सामान्य व्यक्ति की तुलना में 46 फीसद ज्यादा होता है जोखिम

अमेरिकन एकेडमी आफ न्यूरोलाजी के मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ विश्लेषण

वाशिंगटन, एएनआइ : मोटापा के साथ शरीर में कई बदलाव होते हैं और उसमें शामिल घटक एकसाथ मिलकर जटिल स्थितियां पैदा करते हैं। इसलिए उसके खतरे और बचने के उपायों को लेकर शोध होते रहते हैं। हाल के एक अध्ययन में बताया गया है कि कमर मोटी हो या पेट की चर्बी ज्यादा हो और उसके साथ हाई ब्लड प्रेशर और शुगर हो तो मेटाबोलिक सिंड्रोम की स्थिति बनती है, जिससे दोबारा स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है, जो जानलेवा भी साबित होता है।

यह शोध अध्ययन अमेरिकन एकेडमी आफ न्यूरोलाजी के मेडिकल जर्नल न्यूरोलाजी के आनलाइन संस्करण में प्रकाशित हुआ है। मेटाबोलिक सिंड्रोम उस स्थिति को कहते हैं, जब पेट की चर्बी या कमर की मोटाई बढ़ने के साथ हाई ब्लड प्रेशर, सामान्य से ज्यादा ट्राइग्लेसराइड (रक्त में पाई जाने वाली एक विशिष्ट प्रकार की वसा), हाई ब्लड शुगर तथा कम हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कोलेस्ट्राल या गुड कोलेस्ट्राल जैसे जोखिम वाले कारकों में से दो या उससे अधिक एकसाथ हो जाएं।

सिंड्रोम से संकट। फाइल फोटो

अध्ययन के लेखक फोर्थ मिलिट्री मेडिकल यूनिवर्सिटी, शियांग (चीन) के शोधकर्ता तियान ली ने बताया कि अब तक के अध्ययन के परिणामों पर विरोधाभासी बातें होती रही हैं कि क्या मेटाबोलिक सिंड्रोम, जो पहले स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाने वाला माना जाता है, से दूसरे स्ट्रोक और मौत का भी खतरा बढ़ता है। इसलिए हम उपलब्ध सभी शोधों का विश्लेषण करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि हमारे अध्ययन के निष्कर्षों से मेटाबोलिक सिंड्रोम से ग्रस्त लोगों और उनके स्वास्थ्य का देखभाल करने वालों को उन पर नजर रखने में मदद मिलेगी और वे बार-बार के स्ट्रोक के जोखिम के मद्देनजर उसकी रोकथाम के उपाय सुनिश्चित कर सकेंगे।

ली ने बताया कि स्ट्रोक के दोबारा होने के जोखिम के आकलन के लिए किए गए वृहत विश्लेषण में छह अध्ययनों के परिणामों को शामिल किया गया। उन अध्ययनों में करीब 11 हजार लोगों को प्रतिभागी बनाया गया था और उन पर पांच साल तक नजर रखी गई। उक्त अवधि में 1,250 लोगों को दोबारा स्ट्रोक हुआ।

विश्लेषण के निष्कर्ष : विश्लेषण में पाया गया कि मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ित लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में दोबारा स्ट्रोक का खतरा 46 फीसद ज्यादा था।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि मेटाबोलिक सिंड्रोम का प्रत्येक घटक गुड कोलेस्ट्राल का स्तर कम होने के साथ दो या ज्यादा घटकों के साथ दूसरे स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाने में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। लेकिन पेट की ज्यादा चर्बी, हाई ब्लड शुगर और हाई ब्लड प्रेशर अलग-अलग अपने आप में दोबारा स्ट्रोक के जोखिम को नहीं बढ़ाता है।

मौत के जोखिम के कारणों को जानने के लिए किए गए विश्लेषण में आठ अध्ययनों को शामिल किया गया, जिनमें 51,613 लोग प्रतिभागी थे और पांच साल तक उनका फालोअप किया गया। उस दौरान 4,210 लोगों की मौत हो गई।

पाया गया कि मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ित लोगों की मौत का जोखिम सामान्य लोगों की तुलना में 27 फीसद ज्यादा रही। लेकिन सिंड्रोम का कोई भी एकल घटक स्वतंत्र रूप से मौत का जोखिम बढ़ाने से जुड़ा नहीं था। ली ने कहा कि इस परिणाम से जाहिर है कि मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ित लोगों को मौत के खतरे से बचने के लिए जोखिम के कारकों को दवाई, भोजन, व्यायाम तथा जीवनशैली में सुधार लाकर संतुलन कायम करें।

हालांकि ली ने स्पष्ट किया है कि चूंकि अध्ययन अवलोकनों पर आधारित थे, इसलिए यह मुक्कमल तौर पर साबित नहीं किया जा सकता कि सिर्फ मेटाबोलिक सिंड्रोम दोबारा स्ट्रोक या मौत के कारण रहे, लेकिन इतना तो जरूर पता चला कि उसका दोबारा स्ट्रोक से किसी न किसी रूप में संबंध है।

ग्रीनलैंड में बर्फ की चट्टान हुई मोटी...

दो सेटेलाइट से ली गई यह तस्वीर ग्रीनलैंड के कंजरलुसाक फजोर्ड की है। यह फजोर्ड द्वीप के सबसे बड़े फजोर्ड में से एक है। फजोर्ड संकरी घाटी होती है, जो ग्लेशियर के पीछे खिसकने से बनती है और उसमें समुद्र का पानी भर जाता है। आम तौर पर जुलाई और अगस्त में इस इलाके में भारी बाढ़ आती है, क्योंकि गर्मी की वजह से बर्फ के पहाड़ पिघल जाते हैं। लेकिन दानिश आर्कटिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, इस बार ग्रीनलैंड के इस इलाके में बर्फ की चट्टान मोटी हुई है और उस पर ज्यादा बर्फ जमी है। रायटर

कोरोना संक्रमित लोगों के रेटिना में भी दाखिल हो सकता है वायरस

अनुसंधान

संक्रमण से आंख को भी खतरा। फाइल फोटो

कोरोना वायरस (कोविड-19) की चपेट में वाले लोगों के शरीर में इस खतरनाक वायरस के प्रसार को लेकर एक नया अध्ययन किया गया है। ब्राजील के शोधकर्ताओं की ओर से किए गए इस अध्ययन से पता चला है कि कोरोना से संक्रमित होने वाले लोगों की आंखों में रेटिना तक यह वायरस पहुंच सकता है। रेटिना के विभिन्न स्तरों में वायरल पार्टिकल दाखिल हो सकते हैं।

जेएएमए नेटवर्क पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, यह निष्कर्ष कोरोना से जान गंवाने वाले तीन मरीजों पर शोध के आधार पर निकाला गया है। ये सभी मरीज आइसीयू में भर्ती थे और वेंटीलेटर पर रखे गए थे। इनकी उम्र 69 से 78 वर्ष थी। शोधकर्ताओं ने रेटिना में कोरोना की मौजूदगी का पता लगाने के लिए पीसीआर टेस्ट और इम्यूनोलाजिकल विधियों को आजमाया। इम्यूनोफ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी के माध्यम से मरीजों में रेटिना की बाहरी और आतंरिक परतों में कोरोना प्रोटीन की मौजूदगी देखने को मिली। ब्राजील के शोध संस्थान आइएनबीईबी की शोधकर्ता कार्ला ए अरुजो-सिल्वा ने बताया, 'आंखों में कोरोना संक्रमण संबंधी असामान्यताएं देखने को मिलीं। अध्ययन से यह स्पष्ट तौर पर जाहिर होता है कि श्वसन तंत्र से संक्रमण की शुरुआत होने के बाद कोरोना वायरस पूरे शरीर फैल सकता है। यह शरीर के विभिन्न अंगों और टिश्यू में दाखिल हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'अध्ययन से यह भी पता चलता है कि कोरोना संक्रमण में आंखें भी शामिल हो सकती हैं। रेटिना में कई तरह के बदलाव पाए गए हैं।' -आइएएनएस

इधर-उधर की

कर्मचारी न मिलने पर रोबोट को नौकरी पर रखा

वाशिंगटन, एजेंसी : तकनीक ने कई तरह की समस्याओं का समाधान कर दिया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक रेस्तरां की खबर इस बात को साबित करती है। रेस्तरां ने कर्मचारियों की कमी के कारण रोबोट को नौकरी पर रख लिया है। रेस्तरां की मैनेजर ने कहा, 'हमें कर्मचारी नहीं मिल रहे थे। इसके आने से हमारा काम आसान हो गया है। बटन दबाते ही यह ग्राहकों की टेबल पर खाना ले जाता है। हालांकि यह किसी की नौकरी नहीं लेगा। हमें अभी भी कर्मचारियों की तलाश है।' रेस्तरां ने लोगों से रोबोट के नाम को लेकर सुझाव भी मांगे हैं।

फूड डिलिवरी का काम करता है रोबोट। इंटरनेट मीडिया

अल्जाइमर की दवाओं को प्रभावी बनाएगा बीएचयू का फार्मूला

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव, वाराणसी

पौधों से प्राप्त नेचुरल कंपाउंड बरबेरीन का उपयोग याददाश्त बढ़ाने के लिए प्राचीनकाल से किया जाता रहा है। इसमें एक बाध्यता है कि इसकी प्रभावी मात्रा में उपलब्धता (यह उस दर या सीमा का माप है जिसके तहत दवा किसी विशेष अंग तक पहुंचती है) काफी कम होती है। इस समस्या को हल करने के लिए चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू स्थित प्रायोगिक औषधि एवं शल्य अनुसंधान केंद्र (सीईएमएस) के वरिष्ठ विज्ञानी डा. संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शोध छात्र अनुराग कुमार सिंह ने एक फार्मुलेशन तैयार किया है। इसकी मदद से बरबेरीन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इस फार्मुलेशन में लिपिड कोटेड मिजोपोरस और सिलिका नैनो पार्टिकल्स के साथ बरबेरीन को मिलाने पर पाया गया कि बरबेरीन की उचित व प्रभावी मात्रा मस्तिष्क तक पहुंच रही है।

- कंपाउंड बरबेरीन के उपयोग में प्रभावी मात्रा की उपलब्धता की रहती है कमी
- लिपिड कोटेड नैनो पार्टिकल्स संग मस्तिष्क में प्रभावी मात्रा में पहुंचेगी बरबेरीन

दूर होगी दवा की खामी। फाइल फोटो

ब्रेन टारगेटेड ड्रग डिलिवरी के क्षेत्र में बनेगी संभावना

बरबेरीन कंपाउंड दारुहरिद्रा पौधे में भी पाया जाता है। इसको बर्बेरिस अरिस्टाटा या इंडियन बरबेरी भी कहा जाता है। अनुसंधान में पाया गया है कि फार्मुलेशन के साथ बरबेरीन ज्यादा प्रभावी तरीके से एसीटाइलकोलीनेस्टरेज एंजाइम की एक्टिविटी को कम करता है। इस अध्ययन से ब्रेन टारगेटेड ड्रग डिलिवरी के क्षेत्र में आगे चलकर एक नए आयाम की संभावना बनेगी।

तीन करोड़ आबादी प्रभावित है न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर से

जनसंख्या के लिहाज से भारत विश्व में दूसरे नंबर पर है। अनुमान है कि यहां की तीन करोड़ आबादी न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर से प्रभावित है। एक बड़ी आबादी में ऐसी बीमारी के खतरे को देखते हुए इसके उपचार से संबंधित दवाओं पर शोध अति आवश्यक हो जाता है। अभी यह प्रारंभिक अध्ययन है जिसका चिकित्सकीय परीक्षण अल्जाइमर से पीड़ित रोगियों पर होना बाकी है। इस शोध कार्य को एक अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल एसीएस (अमेरिकन केमिकल सोसायटी) बायो मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में पिछले सप्ताह प्रकाशित किया गया है। शोध में डा. राजेंद्र अवस्थी, डा. एसपी सिंह, डा. एसके मिश्रा का विशेष योगदान है।

बताते चलें कि अल्जाइमर एक तंत्रिका विकार या न्यूरो डिसआर्डर है, जो आमतौर पर नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। इससे याददाश्त एवं अन्य मानसिक क्षमताओं को हानि पहुंचती है। यह डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) का सबसे प्रमुख कारण होता है। वैसे तो इसके उपचार के लिए एफडीए की ओर से चार दवाएं डोनीपेजील, रीवास्टीगमाइन, मेमंटीन एवं गेलेंटामाइन की अनुमति है। साथ ही याददाश्त बढ़ाने के लिए बरबेरीन का प्रयोग किया जाता है।

स्क्रीन शॉट

आउटसाइडर होना मेरे लिए फायदेमंद रहा है : तापसी पन्नू

तापसी इन दिनों फिल्म ब्लर की शूटिंग में व्यस्त हैं।

आउटसाइडर और इनसाइडर को लेकर बालीवुड में बहस शायद ही कभी खत्म हो। आउटसाइडर्स को लगता है कि उनका रास्ता स्टार किड्स के मुकाबले ज्यादा मुश्किलों भरा होता है। बात करें तापसी पन्नू की तो उनकी राय इस बारे में अलग है। आउटसाइडर होने को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत में तापसी कहती हैं कि मेरे लिए आउटसाइडर होना फायदेमंद रहा है। फिल्म बिरादरी से न होने की वजह से मुझे पता है कि आम परिस्थितियों में किस तरह की भावनाएं दिखानी चाहिए। मेरी परवरिश एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुई है। हमारा (आउटसाइडर) रास्ता लंबा होता है, जहां आपने हर तरह के उतार-चढ़ाव देखे हुए हैं। आसानी से कुछ भी नहीं मिला है। इस वजह से जो भी किरदार आउटसाइडर्स निभाते हैं, वह बहुत ही रियलिस्टिक लगते हैं और हम आसानी से निभा जाते हैं। हमने वह लाइफ जी है। यही वजह है कि हम कलाकारों का जो जुड़ाव आम जनता के साथ होता है, वह ज्यादा होता है। दर्शकों को लगता है कि यह हम में से एक है। मेरा मानना है कि यह जो रिलेटेबिलिटी होती है, आजकल वही हीरोइज्म है। जितना एक्टर रिलेटेबल होगा, उनकी परफार्मेंस उतना ही हीरोइक दर्शकों को लगेगा। उन किरदारों में वह खुद को देखते हैं। मेरा आम होना ही मेरे हित में काम कर गया है। यही वजह है कि मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं।

मेरे जीवन में भी आया है बदलाव, अब काम के पीछे नहीं भागता हूं : दर्शन कुमार

पिछले डेढ़ साल में कोरोना काल की वजह से बहुत से बदलाव आए हैं। बाहर निकलने, काम करने और जीने का तरीका ही बदल गया है। अभिनेता दर्शन कुमार के लिए यह वक्त इसलिए बेहतर बीता है, क्योंकि उनके कई प्रोजेक्ट्स इस दौरान रिलीज भी हुए, ऐसे में दर्शकों के बीच वह बने हुए हैं। हाल ही में द फैमिली मैन 2 में नजर आए दर्शन ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि काम करने के तरीके भले ही बदले हों, लेकिन मेरे जीवन में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि अब मैं काम के पीछे बहुत ज्यादा नहीं भाग रहा हूं। आज जो हम सांस ले रहे हैं या अपनों के साथ हैं, वह बहुत बड़ी बात है। पहले प्रोफेशनल लाइफ को लेकर ही भागते रहते थे, अब ऐसा हो गया है कि खुद पर और परिवार, दोस्तों पर भी ध्यान दे रहे हैं। मैं भी यही कर रहा हूं। अपनी जिंदगी की अहमियत बढ़ गई है। दरअसाल, अब सिर्फ मैं ही नहीं, हर कोई चुनौतियों के लिए तैयार हैं। जहां तक बात है काम की तो मैं हमेशा से ही दर्शकों का कलाकार रहा हूं। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि काम मिलेगा या नहीं, क्योंकि अच्छा काम ही आपको आगे काम दिलाता है। हर किरदार को करने का अपना तरीका होता है। जब कोई बताता है कि फलां किरदार सही से नहीं किया है, तो झटका तो लगता है कि मैं क्यों नहीं कर पाया, लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि लोगों ने ऐसा क्यों बोला। मैं पाजिटिव तरीके से लोगों की प्रतिक्रिया को लेता हूं। अलग किरदार बतौर कलाकार मुझे एक किक देते हैं। एक जैसा किरदार निभाता रहूंगा, तो दर्शक भी कहेंगे कि यह तो एक ही तरह का काम करता है। कई बार दिल पर पहाड़ रखकर कुछ किरदारों को ना बोलना पड़ता है।

एक ही तरह के किरदार नहीं निभाना चाहते हैं दर्शन।

सफलता के बाद परफार्मेंस का दबाव और बढ़ गया है : तान्या मानिकतला

किसी प्रोजेक्ट की सफलता के बाद जहां उसके कलाकारों की लोकप्रियता में भारी इजाफा होता है, वहीं दूसरी तरफ अपनी लोकप्रियता को बनाए रखने के लिए कलाकारों पर भी बेहतर प्रदर्शन का दबाव बढ़ जाता है। कुछ ऐसा ही दबाव वेब सीरीज ए सूटेबल ब्वाय फेम अभिनेत्री तान्या मानिकतला भी महसूस कर रही हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में तान्या ने बताया कि ए सूटेबल ब्वाय के बाद मेरे जीवन और करियर में काफी कुछ बदल गया है। इस शो से मुझे राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी सराहना मिली। किसी एक किरदार और कहानी को सफलता के साथ खत्म करके दूसरे काम की तरफ बढ़ते हुए अपने से उम्मीदें काफी बढ़ जाती है। इसके साथ दूसरों की उम्मीदों का भी दबाव आ जाता है कि आपको लगातार बेहतरीन परफार्म करना है। इस करियर में आप कहीं रुक नहीं सकते हैं, हमेशा आपको अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में सोचना और उस पर काम करते रहना पड़ता है। मेरी हमेशा से यही कोशिश रही है कि मैं जो भी किरदार करूं, उसे पूरी ईमानदारी और न्यायसंगत तरीके से कर पाऊं। बाकी करियर तो वही है, अभी भी उतनी ही मेहनत करनी है और उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। इन चीजों का दबाव थोड़ा सा बढ़ गया है। मुझे पता है कि अपने काम में हमेशा अपनी क्षमता का शत-प्रतिशत देना है। यही मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। तान्या आगामी दिनों में फिल्म मुंबईकर में नजर आएंगी।

करियर की नई चुनौतियों के लिए तैयार हैं तान्या।

सिर्फ डिजिटल पर काम करना किसी योजना का हिस्सा नहीं : तनुज

लव यू सोनियो और वन नाइट स्टैंड जैसी फिल्मों के अभिनेता तनुज विरवानी इन दिनों फिल्मों से दूर डिजिटल प्लेटफार्म पर काफी सक्रिय हैं। उनकी आखिरी फिल्म वन नाइट स्टैंड साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्मों से बनी दूरी के बारे में तनुज ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया, 'अपना करियर शुरू करने के बाद मैंने तीन फिल्में की, जिनमें से कोई भी फिल्म बाक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई। इसका कारण चाहे जो भी हो। मुझे आज भी याद है कि छह मई, 2016 को, जिस दिन मेरी फिल्म वन नाइट स्टैंड रिलीज हुई थी, उसी दिन मुझे वेब सीरीज इनसाइड एज के लिए अमेजन से काल आया था। पता नहीं यह मेरी किस्मत थी या फिर और कुछ। इनसाइड एज सफल रही और उसके बाद मुझे डिजिटल प्लेटफार्म पर जिस तरह के किरदारों के प्रस्ताव मिले वह फिल्मों की अपेक्षा ज्यादा रोमांचक थे। साल 2016 में अपने यहां डिजिटल प्लेटफार्म कोई बड़ी बात नहीं थी। लेकिन आज डिजिटल प्लेटफार्म का स्तर सिनेमाघरों की तरह बड़ा हो गया है। मैं इसी का फायदा ले रहा हूं। सिर्फ डिजिटल प्लेटफार्म पर ही काम करना मेरी कोई योजना का हिस्सा नहीं था। मैंने फिलहाल तीन फिल्में साइन की हैं।' तनुज आगामी दिनों में वेब सीरीज इनसाइड एज 3 में नजर आएंगे।

(सभी फोटो इंस्टाग्राम से)

वेब सीरीज इनसाइड एज 3 में एक बार फिर वायु राघवन के किरदार में नजर आएंगे तनुज।

कट्रीना अपनी फिटनेस पर लगातार काम कर रही हैं, जिससे टाइगर 3 में जोया के किरदार को एक पायदान ऊपर ले जा सकें।

टाइगर 3 में स्टंट खुद कर सकती हैं कट्रीना

एक्शन थ्रिलर जासूसी फिल्म 'एक था टाइगर' सीरीज की तीसरी फिल्म टाइगर 3 बीते दिनों से काफी चर्चा में है। फिल्म में इस बार शाह रुख खान भी मेहमान भूमिका में नजर आएंगे। सीरीज की दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है में नूर गाने के बैकग्राउंड में कट्रीना दमदार एक्शन करती नजर आई थीं। इसकी रिलीज के पांच साल बाद वह टाइगर 3 में एक बार फिर एक्शन करती दिखेंगी। इस फ्रेंचाइज में कट्रीना द्वारा निभाया गया जोया का किरदार उनके निभाए किरदारों में सबसे दमदार किरदार है। खबरों के मुताबिक टाइगर 3 के लिए निर्माताओं ने उनके चरित्र को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस तैयार किया है। इसे कट्रीना के करियर का ही नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में किसी भी महिला किरदार का सबसे बड़ा एक्शन सीन माना जा रहा है। बताया जाता है कि अपने एक्शन सीक्वेंस के लिए कैट्रीना अपने कायांतरण पर गुपचुप काम कर रही हैं। वह अपने सभी स्टंट खुद करने की तैयारी में हैं। उनके लिए डिजाइन किया गया एक्शन सीन सोलो होगा। इसके अलावा भी सलमान खान के साथ कई और एक्शन दृश्यों का हिस्सा होंगी। फिल्म में इस बार खलनायक के तौर पर इमरान हाशमी नजर आएंगे। फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग इस महीने के मध्य से विदेश में करने की तैयारी है।

« फिर जोया के किरदार में दिखेंगी कैट • जागरण आर्काइव

लव हास्टल फिल्म की शूटिंग पूरी

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बाद निर्माता अपनी अधूरी फिल्मों की शूटिंग जल्दी से जल्दी पूरी करने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसी क्रम में शनिवार को बाबी देओल, विक्रांत मेस्सी और सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म लव हास्टल की भी शूटिंग पूरी हो गई। इस फिल्म का निर्माण शाह रुख खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मनीष मुंद्रा की प्रोडक्शन कंपनी दृश्यम फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। पिछले साल घोषित हुई इस फिल्म की शूटिंग महामारी की दोनों लहरों के बीच भोपाल, पटियाला और मुंबई में करीब 40 दिनों में पूरी की गई। उत्तर भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक युवा जोड़े के उतार-चढ़ाव भरे सफर की कहानी है, जो एक क्रूर किराएदार का शिकार बनते हैं। हिंसा, शक्ति के दुरुपयोग और सिद्धांतों के खेल समेत कई चीजें इसमें दिखाई जाएंगी। इसका निर्देशन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता सिनेमेटोग्राफर शंकर रमन कर रहे हैं और उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। दूसरी ओर, शनिवार को अभिनेत्री कियारा आडवाणी के 29वें जन्मदिन पर उन्हें नई फिल्म का तोहफा मिला। तमिल फिल्मकार एस शंकर के निर्देशन में बन रही यह अनाम फिल्म एक पैन इंडिया फिल्म होगी, जिसमें कियारा दूसरी बार तेलुगु अभिनेता राम चरण के साथ काम करेंगी। इससे पहले दोनों तेलुगु फिल्म विनय विधेय राम में काम कर चुके हैं। कियारा को जन्मदिन पर शाहिद कपूर, सारा अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा समेत तमाम हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं।

लव हास्टल में बाबी के साथ विक्रांत और सान्या भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे • इंस्टाग्राम

विक्रांत रोणा में नजर आएंगी जैक्लिन

हाल ही में अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडीज के किच्चा सुदीप अभिनीत फिल्म विक्रांत रोणा में शामिल होने की खबरें आई थीं। अब शनिवार को इस फिल्म से जैक्लिन के किरदार का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया। इस फिल्म में रकील डिकोस्टा उर्फ गडंग रकम्मा के किरदार में जैक्लिन बियर बार चलाती नजर आएंगी। फिल्म में अहम किरदार निभाने के साथ जैक्लिन किच्चा सुदीप के साथ एक गाने में अपने डांस का जलवा भी दिखाएंगी। अपने इस नए लुक के बारे में जैक्लिन ने कहा, 'इस फिल्म के निर्माण के दौरान बिताए हर पल मेरे लिए बहुत रोमांच भरे रहे हैं। यह फिल्म मेरी लिए बहुत ही खास और यादगार रहेगी।' वहीं जैक्लिन के काम को लेकर फिल्म के निर्माता जैक मंजूनाथ का कहना है, 'जैक्लिन की एंट्री के साथ इस फिल्म की कहानी और भी रोमांचक हो जाती है। फिल्म में उन्होंने कमाल की छाप छोड़ी है और उसकी एक झलक साझा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हम एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं, जिसे दर्शक पीढ़ी दर पीढ़ी याद रखेंगे।' हिंदी के अलावा तमिल और 12 अन्य भाषाओं में बन रही अनूप भंडारी निर्देशित इस फिल्म को दुनियाभर के 55 देशों में 3डी में रिलीज किया जाएगा।

आगामी दिनों में बच्चन पांडे, राम सेतु, और किक 2 जैसी फिल्मों में नजर आएंगी जैक्लिन • टीम जैक्लिन

शिल्पा शेट्टी की फिल्म निकम्मा की रिलीज फिलहाट टली

पोर्न वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार राज कुंद्रा की गिरफ्तारी का असर उनकी अभिनेत्री पत्नी शिल्पा शेट्टी की फिल्मों पर भी पड़ने लगा है। एक ओर ताजा घटनाक्रम के कारण उनकी फिल्म हंगामा 2 को बहिष्कार का सामना करना पड़ा, तो दूसरी ओर उनकी अगली फिल्म निकम्मा की रिलीज भी फिलहाल टलने की खबर आ रही है। करीब 14 साल बाद शिल्पा ने प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म हंगामा 2 से अभिनय में वापसी की है। यह फिल्म बीते दिनों डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कुंद्रा की गिरफ्तारी का असर शिल्पा की फिल्म पर पड़ा है। इंटरनेट मीडिया पर फिल्म के बहिष्कार का अभियान भी चला। खबरों की मानें तो शिल्पा के पति की गिरफ्तारी के कारण हंगामा 2 देखने वाले दर्शकों की संख्या में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आई। शिल्पा की वापसी ही हंगामा 2 की यूएसपी थी, लेकिन उस पर पानी फिर गया। बताया जाता है कि इन वजहों से निकम्मा की टीम भी डरी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, निकम्मा की शूटिंग पूरी हो चुकी है। निर्माता हंगामा 2 की रिलीज का इंतजार कर रहे थे। वर्तमान हालात को देखते हुए उन्होंने निकम्मा की रिलीज स्थगित कर दी है। इसमें भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी अहम किरदार में हैं।

अरसे बाद शिल्पा ने फिल्मों में की है वापसी • इंस्टाग्राम